THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

दिव्यांगजनों के लिए बनी समिति में केंद्र सरकार ने किया संशोधन : दो नए सांसदों को बनाया सदस्य

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत एक प्रमुख समिति की संरचना में बदलाव की अधिसूचना जारी की है। मंत्रालय ने समिति में दो लोकसभा सांसदों को इसका नया प्रतिनिधि नियुक्त किया है। सोमवार (10 नवंबर, 2025) को जारी की गई अधिसूचना के तहत केंद्र ने समिति की संरचना को रेखांकित करने वाले 2017 के आदेश में संशोधन किया है। मंत्रालय ने समिति में पहले से नामित सांसदों की जगह ई.टी. मोहम्मद बशीर और डॉ.सी.एन. मंजूनाथ को शामिल किया है।

वर्ष-30 अंक : 229 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.11 2082 शनिवार, 15 नवंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

बिहार चुनाव की जीत का जश्न दिल्ली में

पीएम मोदी भाजपा मुख्यालय पहुंचे, लिखा- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जीत की बधाई

जीत के जश्न में गमछा लहराते हुए बीजेपी मुख्यालय पहुंचे पीएम मोदी।

नई दिल्ली/पटना, 14 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली में भाजपा मुख्यालय पहुंचे। वे यहां बिहार में एनडीए की जीत के जश्न में शामिल हुए। बिहार में एनडीए की सरकार बनी है। गठबंधन को 243 में 202 सीटों पर जीत हासिल हुई, जो रिकॉर्ड है। महागठबंधन के खाते सिर्फ 34 सीटें ही आईं।

बिहार में सरकार बनाने के लिए 122 सीटों की जरूरत होती है। एनडीए में भाजपा और जदयू ने 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ा था। अन्य सहयोगी पार्टियों एजेपी को 29 सीटें, हम और आरएलएम को 6-6 सीटें दी गई थीं। भाजपा ने 91 सीटों पर जीत हासिल की है। जदयू 83, एलजेपी 19, हम और आरएलएम की मिलाकर 9 सीटों हैं।

बिहार में एनडीए की जीत पर पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा...

एनडीए ने राज्य का चौतरफा विकास किया है। लोगों ने हमारे ट्रैक रिकॉर्ड और राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के हमारे विजन को देखकर हमें भारी बहुमत दिया है। मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी और एनडीए परिवार के हमारे सहयोगी चिराग पासवान जी, जीतन राम मांझी जी और उपेंद्र कुशवाहा जी को इस जबरदस्त जीत के लिए हार्दिक बधाई देता हूं।

इसी साल 8 फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत के बाद भी पीएम मोदी पार्टी मुख्यालय पहुंचे थे। उसके पहले हरियाणा विधानसभा चुनाव, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव जीतने के बाद मोदी भाजपा कार्यालय पहुंचे थे।

हमारे विजन को जनता ने बहुमत दिया : मोदी

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के रुझानों में एनडीए को मिले प्रचंड बहुमत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने बिहार में एनडीए की जीत को सुशासन और विकास की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि लोगों ने हमारे ट्रैक रिकॉर्ड और राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के हमारे विजन को देखकर हमें भारी बहुमत दिया है। इसके साथ ही पीएम मोदी ने एनडीए के सभी कार्यकर्ताओं का भी आभार व्यक्त किया। पीएम मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सुशासन की जीत हुई है। विकास की जीत हुई है। जन-कल्याण की भावना की जीत हुई है। सामाजिक न्याय की जीत हुई है।

बिहार के मेरे परिवारजनों का बहुत-बहुत आभार, जिन्होंने 2025 के विधानसभा चुनावों में एनडीए को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व जीत का आशीर्वाद दिया है। यह प्रचंड जनादेश हमें जनता-जनार्दन की सेवा करने और बिहार के लिए नए संकल्प के साथ काम करने की शक्ति प्रदान करेगा।

उन्होंने लिखा, एनडीए ने राज्य का चौतरफा विकास किया है। लोगों ने हमारे ट्रैक रिकॉर्ड और राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के हमारे विजन को देखकर हमें भारी बहुमत दिया है। मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और एनडीए परिवार के हमारे सहयोगी चिराग पासवान, जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा को इस जबरदस्त जीत के लिए हार्दिक बधाई देता हूं।

सीमांचल में ओवैसी ने राजद को सिखाया सबक

पटना, 14 नवंबर (एजेंसियां)। सीमांचल में आखिरकार असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने महागठबंधन और खास तौर पर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) को नुकसान पहुंचा ही दिया। सीमांचल में कुल 24 सीटें हैं जिनमें से 5 सीटों पर एआईएमआईएम विजयी हुई है। पिछले विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने पांच सीटें जीती थीं। उसने सीमांचल की अन्य कुछ सीटों पर भी अच्छा प्रदर्शन किया है।

असदुद्दीन ओवैसी बिहार में महागठबंधन में शामिल होने की इच्छा रखते थे। उन्होंने आरजेडी के नेता लालू यादव और तेजस्वी यादव को संदेश भेजा था कि एआईएमआईएम को भी महागठबंधन में शामिल करें ताकि वोटों का बंटवारा न हो और महागठबंधन ज्यादा सीटें जीतकर सरकार बना सकें। लेकिन आरजेडी की ओर से उनको कोई जवाब नहीं दिया गया। परोक्ष रूप से ओवैसी की गुजारिश को नकार दिया गया।

इसके पीछे कारण यह था कि आरजेडी का धार्मिक और जातीय समीकरण मुस्लिम-यादव वोट बैंक पर केंद्रित रहा है। सीमांचल में तेजस्वी को भरोसा था कि मुस्लिम-यादव वोट आरजेडी की जीत में मददगार होंगे। ओवैसी के महागठबंधन में आने से वे वोट एआईएमआईएम की तरफ चले जाएंगे।

तेजप्रताप बोले- तेजस्वी फेलस्वी है
जयचंदों ने राजद को खोखला किया

पटना, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार चुनाव की तस्वीर साफ हो गई है। 243 में से 202 सीटों के साथ एनडीए रिकॉर्ड जीत बना ली है। जबकि महागठबंधन के खाते में 37 सीटें आई हैं।

एनडीए को 2020 के मुकाबले 70 से ज्यादा सीटों का फायदा हुआ तो वहीं महागठबंधन को लगभग इतनी ही सीटों का नुकसान हुआ। बड़े चेहरों में राघोपुर से तेजस्वी यादव करीब 12 हजार वोटों से जीत गए हैं। तेजप्रताप यादव महुआ से चुनाव हार गए हैं। उनकी पार्टी जेजेडी ने हार के बाद फेसबुक पर पोस्ट किया है। इसमें लिखा है- तेजस्वी फेलस्वी हो गया। आरजेडी को जयचंदों ने खोखला कर दिया। मोदी विश्व के मजबूत नेता हैं। एनडीए को उसकी एकता ने जिताया।

कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव ने जुबली हिल्स उपचुनाव जीता

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव जुबली हिल्स उपचुनाव में 24,729 मतों के बड़े अंतर से विजयी हुए। 11 नवंबर, 2025 को हुए इस उपचुनाव में 1,94,631 मतदाताओं ने मतदान किया। नवीन यादव को 98,988 मत मिले, जबकि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की मगंती सुनीता को 74,259 मत मिले। भाजपा उम्मीदवार लंकाला दीपक रेड्डी को 17,061 मत मिले। सभी मतगणना चरणों में, कांग्रेस उम्मीदवार ने बीआरएस उम्मीदवार पर लगातार अच्छी बढ़त बनाए

रखी। भाजपा के दीपक रेड्डी अपनी ज़मानत बचाने लायक वोट हासिल नहीं कर पाए और बाद में मतगणना केंद्र से चले गए। अपनी ज़मानत बचाने के लिए उम्मीदवारों को कम से कम 32,439 मतों की आवश्यकता होती है, लेकिन भाजपा उम्मीदवार को 20,000 से भी कम मत मिले। दस राउंड की मतगणना के बाद, दीपक रेड्डी को केवल 17,061 वोट ही मिले, जिसके कारण जुबली हिल्स उपचुनाव में भाजपा की ज़मानत ज़ब्त हो गई। बीआरएस ने विधायक के अप्रत्याशित निधन के बाद मतदाताओं की भावनाओं को आड़े हाथों लिया, जबकि सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी ने मतदाताओं को 'भावनाओं' की बजाय 'विकास' को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित किया।

बिहार की जनता ने जातिवाद की राजनीति को नकारा : नितिन गडकरी

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिली जबरदस्त बढ़त पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि जनता ने जातिवाद की राजनीति को नकारते हुए अभूतपूर्व और ऐतिहासिक तरीके से एनडीए का समर्थन किया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि विकास और कल्याण पर केंद्रित बिहार की डबल इंजन सरकार को जनता का समर्थन प्राप्त है। सड़क, पानी, बिजली, उद्योग, विकास और रोजगार जैसे मुद्दों के दीर्घकालिक समाधान की आवश्यकता है और लोगों को इनसे उम्मीदें हैं। गडकरी ने कहा कि पिछले दस साल में हमारी सरकार ने पीएम मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में जो कार्य किया, इसी को देखते हुए बिहार की जनता ने एनडीए को यह ऐतिहासिक जीत दी है। इसके लिए प्रदेश की जनता का बहुत अभिनंदन करता हूं। एनडीए की यह जीत बिहार को एक विकसित राज्य के रूप में निश्चित रूप से बनाकर रहेगी।

वहीं बिहार सरकार में मंत्री संतोष कुमार सिंह ने कहा कि मैंने पहले ही कहा था कि एनडीए भारी बहुमत से सरकार बनाएगा और ऐसा हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी हिट रही है। सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए 225 सीटों के प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए के बहुमत से आगे बढ़ने पर राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा, यह बिहार की जनता की जीत है। बिर्हार की जनता ने दोबारा पीएम मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व पर विश्वास व्यक्त किया है। पिछले 11 साल में बड़े-बड़े प्रोजेक्ट यहां पर आए। बिहार और देश की जनता विकास के लिए वोट करती है। बिहार में एनडीए की सरकार बन रही है। इसके लिए जनता को बहुत बधाई और धन्यवाद देना चाहता हूं।

राहुल गांधी के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर

संभल, 14 नवंबर (एजेंसियां)। संभल के एमपी-एमएलए कोर्ट में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विवादित बयान को लेकर दायर की गई याचिका खारिज होने के बाद अब यह मामला हाईकोर्ट में पहुंच गया है। हिंदू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिमरन गुप्ता ने शुक्रवार को हाईकोर्ट में नई याचिका दाखिल की, जिसमें उन्होंने राहुल गांधी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग दोहराई। इस याचिका में कहा गया है कि राहुल गांधी का 'इंडियन स्टेट' वाला बयान संवैधानिक संस्थाओं और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर अविश्वास पैदा करता है, इसलिए इस पर उचित एवं कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। सिमरन गुप्ता ने कहा कि वह न्याय की उम्मीद छोड़ने वाले नहीं हैं और उनकी कानूनी लड़ाई अब हाईकोर्ट में जारी रहेगी।

यह पूरा विवाद उस बयान से जुड़ा है जो राहुल गांधी ने 15 जनवरी 2025 को एक कार्यक्रम के दौरान दिया था।

कांग्रेस पहले से ज्यादा वामपंथी रुख अपना रही : थरूर

ये एक रणनीतिक कदम हो सकता है, मनमोहन सरकार में सेंटर की तरफ झुकाव था

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि पार्टी पिछले कुछ सालों में पहले से ज्यादा वामपंथी रुख अपनाने लगी है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव भाजपा की विभाजनकारी राजनीति का जवाब देने के लिए एक तरह की रणनीतिक कदम माना जा सकता है।

थरूर हैदराबाद में आयोजित ज्योति कोमिरेड्डी मेमोरियल लेक्चर में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने बताया कि मनमोहन सिंह के दौर में कांग्रेस का झुकाव ज्यादा सेंटर में था और वह कई नीतियां पिछली भाजपा सरकार से भी लेती थी। वहीं दिल्ली के लाल किले के पास कार ब्लास्ट पर थरूर ने कहा कि आतंकवादी वारदात बर्दाश्त नहीं की जा सकती और सरकार को दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

थरूर की बड़ी बातें...

> एआईसीसी अध्यक्ष चुनाव पर थरूर ने कहा- मैं दोबारा चुनाव लड़ने की इच्छा नहीं रखता, क्योंकि पिछला अनुभव मेरे लिए संतोषजनक नहीं था। लेकिन मैं यह भी मानता हूं कि किसी भी पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र बेहद जरूरी है। किसी भी पद पर कोई व्यक्ति अनिश्चितकाल तक नहीं बैठना चाहिए।

> अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी के विदेशी स्किल्ड वर्कर्रों को बुलाकर प्रशिक्षित करने और वापस भेजने वाले बयान पर थरूर ने कहा- भारत हमेशा यही चाहेगा कि हमारे लोग विदेश में काम करके अनुभव हासिल करें और फिर देश लौटकर यहां योगदान दें।

कई बार पार्टी लाइन से हटकर बयान दे चुके हैं थरूर :

कांग्रेस सांसद शशि थरूर कई बार पार्टी की आधिकारिक लाइन से अलग बयान देकर चर्चा में रहे हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऊर्जा और वैश्विक दृष्टि की तारीफ की थी। हाल ही में वे विदेश नीति से जुड़ी पहल 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारत के राजनयिक प्रतिनिधि की भूमिका में भी नजर आए। उनके हाल के बयानों में केंद्र सरकार की विदेश नीति और कुछ विपक्षी राज्यों की नीतियों की तारीफ शामिल रही है, जिससे पार्टी नेतृत्व कई बार असहज हुआ है।

आडवाणी को एक घटना तक सीमित करना सही नहीं :

8 नवंबर को लाल कृष्ण आडवाणी का 98वां जन्मदिन था। थरूर ने एक्स पर आडवाणी के साथ वाली अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए, उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी थी। उन्होंने लिखा- लालकृष्ण आडवाणी जी को उनके 98वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं!

कांग्रेस को लेकर क्या बदलेगी सहयोगी दलों की राय?

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार चुनाव के नतीजे शुक्रवार सामने आए और इन नतीजों ने तमाम अनुमानों को ध्वस्त कर दिया। बीजेपी सबसे बड़े दल के रूप में उभर कर सामने आ रही है। अब तक के आए नतीजों में एनडीए का आंकड़ा 200 के पार जाता दिख रहा है। एनडीए को ऐतिहासिक जीत मिली है वहीं महागठबंधन का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा है। एनडीए के पक्ष में आंधी चली है। महागठबंधन में शामिल सभी दलों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। कांग्रेस की सीटें 5 से भी कम हैं तो मुकेश सहनी की पार्टी का खाता भी नही खुला है।

नतीजों पर गौर करें तो बिहार में लगातार दूसरी बार कांग्रेस का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। ऐसे में सवाल है कि कांग्रेस के साथ लड़कर सहयोगी दलों को फायदा है या नहीं और दूसरी तरफ यह भी प्रश्न है कि कांग्रेस को भी इसका क्या फायदा। बिहार के बाद बंगाल और यूपी का चुनाव है। बंगाल में भले ही ममता बनर्जी अकेले चुनाव लड़ती हैं लेकिन समय-समय पर कांग्रेस के साथ गठबंधन की चर्चा रहती है। वहीं देश के सबसे बड़े सियासी राज्य उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन है।

बिहार चुनाव रिजल्ट को देखकर एक सवाल जो मन में आता है कि महागठबंधन में शामिल दलों को आखिर क्या मिला। बिहार की राजनीति को थोड़ा बहुत भी समझने वाले ऐसा कह सकते हैं कि अलग-अलग भी लड़े होते तो नतीजे इससे बुरे तो नहीं होते। लगातार दूसरा चुनाव है बिहार में जब कांग्रेस का प्रदर्शन और भी खराब हुआ है। आखिरी नतीजे आने तक कहीं संख्या कांग्रेस की सबसे निचले स्तर पर न पहुंच जाए। नतीजों के बाद बिहार की राजनीति को करीब से देखने वालों का कहना है कि अलग-अलग सीटों पर ये दल लड़े होते तो नतीजे जो भी होते कम से कम कार्यकर्ताओं को मनोबल तो बढ़ा रहता। पिछले बिहार चुनाव में कांग्रेस के कमजोर प्रदर्शन को लेकर आरजेडी के भीतर सवाल खड़े हुए थे और इस बार भी बहुत कुछ नहीं बदला है। हालांकि इस बार आरजेडी भी उस स्थिति में नहीं कि कांग्रेस पर दोष मढ़ सके।

बिहार नतीजों पर सबसे करीब नजर सपा मुखिया अखिलेश यादव की रही होगी। यूपी का पड़ोसी राज्य बिहार है और यहां अखिलेश यादव ने महागठबंधन के पक्ष में प्रचार भी किया था। अब बिहार नतीजों के बाद सबसे बड़ा झटका अखिलेश को ही लगा होगा। साथ ही मन में कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर सवाल भी खड़े हो रहे होंगे। 2027 में यूपी का चुनाव है और अखिलेश यादव के लिए यह चुनाव काफी मायने रखता है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और सपा दोनों ने मिलकर बेहतर प्रदर्शन किया था लेकिन विधानसभा चुनाव में अलग चुनौती सामने होगी। सपा शायद यूपी में कांग्रेस को कम महत्व दे लेकिन डर इस बात का भी रहेगा कि कांग्रेस के अलग लड़ने से नुकसान न पहुंच जाए। यूपी में कांग्रेस के लिए खोने को बहुत कुछ नहीं है लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि दोनों दल आगे कैसे बढ़ते हैं।

दूर हुआ ममता बनर्जी का कन्फ्यूजन :

अगले साल बंगाल में विधानसभा चुनाव है। इस राज्य में पहली बार कमल खिलाने के लिए बीजेपी अपना पूरा जोर लगा रही है लेकिन अब तक उसे कामयाबी नहीं मिली है। हालांकि बिहार नतीजों ने बंगाल के बीजेपी कार्यकर्ताओं और नेताओं में जोश भर दिया है।

कश्मीर का 'टिकिंग टाइम बम' वाला डॉक्टर दिल्ली ब्लास्ट के बाद लापता

आतंकी उमर भी साथ कर चुका था काम

फरीदाबाद, 14 नवंबर (एजेंसियां)। फरीदाबाद टेरर मॉड्यूल और दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार धमाके की जांच में एक नया नाम सामने आया है- डॉ. निसार उल हसन। कश्मीर के इस डॉक्टर को नवंबर 2023 में राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के आरोप में सरकारी सेवा से बर्खास्त किया गया था। वह श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल में मेडिसिन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर थे और उन्हें धारा 311(2)(सी) के तहत हटाया गया था। डॉ. निसार सोपोर के आचबल गांव के रहने वाले हैं, जो कभी आतंकी गतिविधियों के लिए जाना जाता था। उन्होंने जीएमसी श्रीनगर से एमबीबीएस और एसकेआईएमएस से एमडी किया और लंबे समय तक डॉक्टर एसोसिएशन ऑफ कश्मीर (डीएके) के अध्यक्ष रहे। अपने करियर में वे कई विवादों से जुड़े रहे- 2013 के स्प्यूरियस ड्रग्स घोटाले पर हड़ताल की अपील, 2014 में कर्मचारियों को टैक्स न देने और चुनाव ड्यूटी का बहिष्कार करने की अपील, आजादी के संस्थानों को मजबूत करने वाले बयान। इन सभी के कारण उसे कई बार निलंबित किया गया। अब वे जांच एजेंसियों के रडार पर इसलिए आए हैं क्योंकि हाल के वर्षों में वे हरियाणा की अल-फलाह यूनिवर्सिटी में जनरल मेडिसिन के प्रोफेसर थे। लाल किला ब्लास्ट का मास्टरमाइंड माने जा रहे डॉ. उमर उन-नबी एक साल तक उनके अंडर जूनियर डॉक्टर था। डॉ. निसार की पत्नी डॉ. सुरैया ने बताया कि निसार और उमर के बीच रिश्ते अच्छे नहीं थे। उमर अक्सर गायब रहता था, मरीज नहीं देखता था और क्लास नहीं लेता था। कई बार चेतावनी देने के बाद उसे दूसरे वार्ड में भेजना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि निसार फरार नहीं हैं, बल्कि एनआईए द्वारा पूछताछ के लिए हिरासत में हैं, जैसे यूनिवर्सिटी के अन्य कई शिक्षक और छात्र। अब एजेंसियां यह समझने की कोशिश कर रही हैं कि इस बड़े व्हाइट-कॉलर जैश मॉड्यूल से उनका कोई सीधा या अप्रत्यक्ष संबंध था या नहीं।

बिहार चुनाव के नतीजों के 'धमाके' से हिला कर्नाटक

'बदलनी पड़ेगी रणनीति' : शिवकुमार

बेंगलुरू, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिलते दिख रहे प्रचंड बहुमत की धमक कर्नाटक में भी सुनाई देने लगी है। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार बिहार चुनाव नतीजों के बाद राज्य में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के लिए नई रणनीति की जरूरत महसूस कर रहे हैं।

कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने बिहार चुनाव के नतीजों को पार्टी और उसके सहयोगियों के लिए एक सबक बताया। उन्होंने कहा, जनता ने उन्हें बहुमत दिया है। ये हमारे लिए एक सबक है। मुझे लगता है कि भविष्य में हम कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के लिए नई रणनीति तय करेंगे। बिहार चुनाव में महिलाओं को 10 हजार रुपये दिए जाने वाली योजना से एनडीए के प्रदर्शन पर असर पड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा, मुझे इसे देखने दीजिए। मुझे अभी इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट नहीं मिली है। मैं रिपोर्ट मिलने के बाद ही इस पर बोल पाऊंगा।

शिवकुमार का ये बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब कुछ घंटों पहले ही कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने बिहार में वोट चोरी किए जाने के आरोप लगाए थे। हालांकि, सिद्धारमैया ने माना कि बिहार में कांग्रेस-राजद की हार या एनडीए की निर्णायक जीत की वजह साफ नहीं है।

बिहार में महागठबंधन के खराब प्रदर्शन के सवाल पर सिद्धारमैया ने कहा, हमें लोगों के जनादेश को मानना होगा। मुझे नहीं पता कि किस वजह से बिहार में हार हुई। बिहार चुनाव में कांग्रेस और राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों के सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्होंने (एनडीए) यहां भी वोट चोरी की है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के रुझानों में एनडीए बहुमत से कई कोस आगे नजर आ रहा है। वहीं, तेजस्वी यादव और राहुल गांधी के नेतृत्व वाला महागठबंधन महज 27 सीटों पर सिमटता नजर आ रहा है। गौरतलब है कि बिहार में 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान हुए थे।

फ्लिपकार्ट के डिलीवरी हब से 1.61 करोड़ के फोन गायब पुलिस के हाथ-पैर फूले

एर्नाकुलम, 14 नवंबर (एजेंसियां)। केरल के एर्नाकुलम जिले में फ्लिपकार्ट के डिलीवरी हब्स पर 1.61 करोड़ रुपये मूल्य के 332 मोबाइल फोन के गायब होने की घटना सामने आने के बाद पुलिस ने एक बड़ा धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। फ्लिपकार्ट के एक अधिकारी की शिकायत के आधार पर एर्नाकुलम ग्रामीण साइबर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस के अनुसार यह धोखाधड़ी एर्नाकुलम जिले के कंजूर, कुरुप्पमपडी, मेक्कड और मुवत्तुपुझा स्थित फ्लिपकार्ट के डिलीवरी हब्स पर सामने आई। एफआईआर में सिद्दीकी के। अलियार, जसीम दिलीप, हारिस पीए। और माहिन नौशाद को आरोपी बनाया गया है, जो क्रमशः कंजूर, कुरुप्पमपडी, मेक्कड और मुवत्तुपुझा हब्स के प्रभारी थे। प्राथमिकी के अनुसार इन आरोपियों ने 8 अगस्त से 10 अक्टूबर के बीच फर्जी पतों और विभिन्न मोबाइल नंबरों का उपयोग कर फ्लिपकार्ट प्लेटफॉर्म से 332 मोबाइल फोन ऑर्डर किए।

बिहार में भी वोट चोरी किया गया

कांग्रेस ने मुख्यमंत्री का दावा

बेंगलूरू, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के रुझानों में एनडीए की एकतरफा बढ़त पर कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर वोट चोरी का आरोप लगाया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को दावा किया कि बिहार विधानसभा चुनावों में भी वोट चोरी हुई है। राज्य में मतगणना जारी है और एनडीए की जीत की ओर बढ़त के बीच सिद्धारमैया ने कहा कि उन्हें अभी तक कांग्रेस-राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) गठबंधन की हार और एनडीए की जीत के कारणों की जानकारी नहीं मिली है। पत्रकारों से बातचीत में सिद्धारमैया ने कहा कि हमें जनता के जनादेश को स्वीकार करना होगा। मुझे नहीं पता कि हार का कारण क्या रहा। मैं बिहार नहीं गया था। मुझे यह नहीं पता कि किसने हमें वोट नहीं दिया और एनडीए को इतनी बड़ी बहुमत क्यों मिली। मैं इसकी जानकारी लेने की कोशिश करूंगा। बिहार में 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान हुआ था और अब मतगणना के परिणाम सामने आ रहे हैं।

जब उनसे पूछा गया कि बिहार में ओबीसी वोट निर्णायक होने के बावजूद कांग्रेस को समर्थन क्यों नहीं मिला, तो उन्होंने जवाब दिया कि मुझे नहीं पता। नीतीश कुमार कौन हैं? क्या वे ओबीसी नहीं हैं? सिद्धारमैया ने बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडी(यू) और एनडीए की जीत पर सवाल उठाते हुए यह टिप्पणी की। इसके अलावा, कांग्रेस और इसके नेता राहुल गांधी द्वारा बिहार चुनाव से पहले 'वोट चोरी' के आरोपों पर सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने यहां भी चोरी की है। हालांकि, उन्होंने इस दावे के समर्थन में कोई विस्तृत जानकारी या सबूत नहीं दिए।

सिद्धारमैया का यह बयान बिहार चुनावों में एनडीए की बढ़त और महागठबंधन की हार के बीच आया है, जो कांग्रेस और उसके सहयोगियों के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। उनके 'वोट चोरी' के दावे ने बिहार की चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं, जिससे राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। सिद्धारमैया ने कहा कि वे जल्द ही हार के कारणों का विश्लेषण करेंगे और इसकी गहराई से जांच करेंगे।

900 करोड़ की ड्रग्स जब्ती मामला

ईडी की बड़ी कार्रवाई, दिल्ली-एनसीआर और जयपुर में पांच ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। मादक पदार्थों के तस्करी गिरोहों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार (14 नवंबर, 2025) को बड़ी कार्रवाई की। बीते साल नवंबर में जब्त की गई 82.53 किलो कोकीन से जुड़े मामले में ईडी दिल्ली-एनसीआर और जयपुर में पांच जगहों पर छापेमारी कर रही है। भारत में तमाम एजेंसियां ड्रग्स से जुड़े गिरोहों पर लगातार कार्रवाई कर रही हैं। बीते साल नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने नवंबर में दिल्ली के जनकपुरी और नांगलोई इलाकों से 82.53 किलो मादक पदार्थ जब्त किया था। करीब 900 करोड़ की ड्रग्स जब्ती के इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था। इसी मामले में अब ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग की जड़ें खोजने के लिए कार्रवाई की है। एनसीबी के उप महानिदेशक नीरज कुमार गुप्ता ने नवंबर, 2024 में पकड़ी गई ड्रग्स को मार्च, 2024 और अगस्त, 2024 में मादक पदार्थों की जब्ती के दौरान मिले सुरागों का नतीजा बताया था। पिछले साल ईडी की ओर से 200 किलो मादक पदार्थ की जब्ती के एक अन्य मामले में रमेश नगर के रहने वाले एक शख्स पर मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया गया था।

ये शख्स ब्रिटेन का नागरिक था और रमेश नगर के ठिकाने पर कोकीन की खेप रखने के बाद से ही छिप गया था। दिल्ली पुलिस को इस विदेशी नागरिक की जानकारी महिपालपुर में ड्रग्स जब्ती के मामले में पकड़े गए इखलाक से पूछताछ में मिली थी।

ड्रग्स तस्करी का ये गिरोह देश के साथ ही विदेश में भी अपना मकड़जाल फैलाए हुए था। एनसीबी ने बताया था कि शुरुआती जब्ती में एक पार्सल बरामद किया गया था, जिसे ऑस्ट्रेलिया भेजा जा रहा था। एनसीबी ने इसकी जांच की और दिल्ली के जनकपुरी और नांगलोई के ठिकानों का पता चला। एनसीबी की ओर से ये भी कहा गया था कि ये गिरोह विदेश में बैठे कुछ लोग चला रहे हैं।

"बिहार की जीत हमारी है, अब बंगाल की बारी है" सुवेंदु अधिकारी की इस बात में कितना दम?

कोलकाता, 14 नवंबर (एजेंसियां)। स्पेशल इंटेसिव रिवीजन यानी एसआईआर के बाद बिहार में हुए चुनाव में एनडीए, बड़ी जीत की ओर बढ़ रही है। बिहार विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 122 है लेकिन एनडीए इसके काफी आगे पहुंच गया है। रुझानों में एनडीए, 200 सीटों के करीब दिख रहा है। इस बीच, पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के लीडर और बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी ने बिहार में बीजेपी की जीत पर बड़ा बयान दिया है। सुवेंदु अधिकारी ने कहा दिया कि एक ही नारा है- बिहार की जीत हमारी है, अब बंगाल की बारी है। उनके इस बयान से पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को मिर्ची लग सकती है। इस खबर में समझिए कि बिहार में बीजेपी के बेहतरीन प्रदर्शन और पश्चिम बंगाल में एसआईआर के बाद आगामी विधानसभा चुनाव में क्या बीजेपी और टीएमसी के लिए पिक्चर बदल सकती है। जान लें कि बिहार में चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेसिव रिवीजन करवाया था। इसके तहत ऐसे वोटर्स को वोटर लिस्ट से हटाया गया था जो फर्जी मतदाता हैं या मृतक हैं या बिहार छोड़कर किसी और राज्य के वोटर बन गए हैं। इस प्रक्रिया के तहत के बिहार के इलेक्टोरल रोल से 47 लाख वोटर हटाए गए थे। अब जब नई वोटर लिस्ट के साथ चुनाव हुआ तो एनडीए की भारी जीत हुई। शायद इसीलिए बीजेपी नेताओं को उम्मीद है कि पश्चिम बंगाल में भी एसआईआर के बाद अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में बीजेपी अच्छा प्रदर्शन कर सकती है।

ममता बनर्जी कर रही हैं "एसआईआर" का विरोध आप ये भी समझ लीजिए कि पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी शुरुआत से ही स्पेशल इंटेसिव रिवीजन का विरोध कर रही हैं।

बिहार चुनाव के नतीजों पर उद्धव ठाकरे गुट ने कहा 'पूरा का पूरा महाराष्ट्र पैटर्न'

मुंबई, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों के रुझानों के बीच शिवसेना (यूबीटी) की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। पार्टी के सांसद संजय राउत ने कहा कि यह कोई चौंकाने वाला बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग और बीजेपी की मिलीभगत में जो राष्ट्रीय स्तर पर काम चल रहा था, उसे देखते हुए इससे अलग नतीजा आना संभव ही नहीं था। उन्होंने कहा कि बिहार का नतीजा पूरा का पूरा महाराष्ट्र पैटर्न है। उन्होंने कहा कि जिस महागठबंधन के सत्ता में आने की पूरी उम्मीद थी, उसे 50 सीटों के अंदर ही रोक दिया गया।

बीजेपी-जेडीयू खेमे में जश्न शुरू

बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव के रुझानों में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और जनता दल (यूनाइटेड) के गठबंधन के निर्णायक बढ़त बनाने के बाद दोनों दलों के कार्यालयों में जश्न शुरू हो गया। बीजेपी और जेडीयू के कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचकर, मिठाइयां बांटकर और पटाखे फोड़कर जीत की खुशी मना रहे हैं। रुझानों के अनुसार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (जेडीयू) भारी बहुमत की ओर बढ़ता दिख रहा है।

नीतीश कुमार को 'टाइगर' बताया गया

राज्य में चुनावी तस्वीर धीरे-धीरे स्पष्ट होती जा रही है। अब तक मिले आंकड़ों में जद (यू) को निर्णायक बढ़त मिलती दिख रही है। ऐसे में मुख्यमंत्री आवास में भी गतिविधियां तेज हो गई हैं। जेडीयू कार्यालय में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बड़े पोस्टर लगाए गए हैं, जिनमें उन्हें 'टाइगर' बताया गया है।

क्या बोले नित्यानंद राय?

पटना की सड़कों पर भी 'बिहार का मतलब नीतीश कुमार' लिखे पोस्टर नजर आ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता नित्यानंद राय ने शुरुआती रुझानों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की जीत बताया। उन्होंने कहा, "यह सबका साथ, सबका विश्वास की जीत है। बिहार की जनता ने जंगलराज को लौटने से रोक दिया है।" मतगणना पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, "एक तरफ लालू यादव, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव का नेतृत्व है, जो जेल-बेल, भ्रष्टाचार और जंगलराज के प्रतीक हैं। बिहार की जनता ने अमन-चैन और शांति के लिए वोट किया है। प्रधानमंत्री मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकास की उम्मीद से जनता ने अपना समर्थन दिया है। बुजुर्गों ने इनके काम को देखा है और यह जीत उसी का परिणाम है।

बिहार में एनडीए की बमबम पर दिग्विजय सिंह की पहली प्रतिक्रिया, मेरा शक सही निकला

भोपाल, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आने का क्रम जारी है। समाचार लिखे जाने तक उपलब्ध जानकारी के अनुसार भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन 197, महागठबंधन 43 और अन्य 3 सीट पर आगे है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर दिग्विजय सिंह ने लिखा कि जो मेरा शक था वही हुआ। 62 लाख वोट कटे 20 लाख वोट जुड़े उसमें से 5 लाख वोट बिना एसआईआर फॉर्म भरे बढा दिए गए। अधिकांश वोट गरीबों के दलितों के अल्प संख्यक वर्ग के कटे। उस पर ईवीएम पर तो शंका बनी हुई है। परिणाम के बाद दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस को भी सलाह दी। उन्होंने लिखा कि कांग्रेस को को अपने संघटन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आज का चुनाव मतदान केंद्र पर सघन जनसंपर्क का है ना कि रैली व जनसभा का। विजयी प्रत्याशियों को बधाई एवं शुभकामनाएं। नतीजों पर अपनी प्रतिक्रिया देने के साथ उन्होंने कांग्रेस पार्टी को भी सलाह दी। दिग्विजय सिंह ने कहा कि अब कांग्रेस को अपने संगठन को मजबूत करने पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

उनके अनुसार, आज के दौर का चुनाव केवल बड़ी रैलियों और जनसभाओं से नहीं जीता जा सकता है। असली जीत मतदान केंद्र स्तर पर होने वाले गहन जनसंपर्क और बूथ मैनेजमेंट से आती है। दिग्विजय सिंह ने लिखा कि कांग्रेस को जमीनी स्तर पर कैडर मजबूत करना होगा, ताकि हर बूथ पर उनकी सक्रिय मौजूदगी दर्ज हो सके। उन्होंने कहा कि जब तक संगठन मजबूत नहीं होगा, तब तक चुनावी जीत मुश्किल बनी रहेगी। अंत में दिग्विजय सिंह ने बिहार चुनाव में आगे चल रहे सभी विजयी प्रत्याशियों को बधाई और शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि नया जनादेश बिहार के विकास में सकारात्मक भूमिका निभाएगा।

'बेसहारा बच्चों की शिक्षा पर आंखें नहीं मूंद सकतीं सरकारें'

हाईकोर्ट की दिल्ली सरकार और एमसीडी को फटकार

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने राजधानी में सड़कों पर भीख मांगने वाले, बेसहारा और प्रवासी बच्चों की शिक्षा की कमी पर दिल्ली सरकार और एमसीडी को फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि सरकारें बच्चों की शिक्षा में कमी को नजरअंदाज नहीं कर सकती। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि संविधान और विभिन्न कानूनों के तहत सरकार का यह कर्तव्य है कि वह बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करें। अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा, स्टेट कैन नॉट प्ले डंब (सरकार आंखे नहीं मूंद सकती।) कोर्ट ने दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को निर्देश दिया कि वे छह सप्ताह के भीतर एक विस्तृत हलफनामा दाखिल करें, जिसमें यह बताया जाए कि 14 वर्ष तक की आयु के भिखारी, बेसहारा और प्रवासी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। यह आदेश एक गैर-लाभकारी संगठन, जस्टिस फॉर ऑल, की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान पारित किया गया। इसमें प्रवासी, बेसहारा और भिखारी बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा की मांग की गई थी। कोर्ट ने मामले पर विचार करते हुए कहा कि भारत के संविधान में अनुच्छेद 21ए के शामिल होने के बाद शिक्षा का अधिकार अब एक मौलिक अधिकार है।

खंडपीठ ने यह भी उल्लेख किया कि संसद और दिल्ली विधानसभा द्वारा बनाए गए कई कानूनों का उपयोग दिल्ली सरकार और स्थानीय निकायों द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए किया जा सकता है कि प्रत्येक बच्चे को, चाहे उसकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो, शिक्षा प्रदान की जाए। कोर्ट ने दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग (डीसीपीसीआर) को भी मामले में पक्षकार बनाया और उनकी प्रतिक्रिया मांगी।

जबलपुर में हैदराबाद से लाए गए 14 घोड़े गायब

पशु चिकित्सा विभाग ने कहा- घोड़ा मालिक ले गया; 19 घोड़ों की हो चुकी है मौत

जबलपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। हैदराबाद से जबलपुर लाए गए 57 घोड़ों को लेकर नया खुलासा हुआ है। इनमें से अब तक 19 घोड़ों की मौत हो चुकी है। ऐसे में 38 घोड़े रैपुरा के अस्तबल में होने चाहिए थे, लेकिन गुरुवार को पशुपालन विभाग की गिनती में पता चला कि 14 घोड़े गायब हैं। इस मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में केस भी पेंडिंग है। मई 2025 में रायपुर निवासी सचिन तिवारी ने ट्रकों के माध्यम से 57 घोड़ों को हैदराबाद से जबलपुर लाया और उन्हें पनागर के रैपुरा स्थित फॉर्म हाउस में रखा। धीरे-धीरे 19 घोड़ों की मौत हो गई। तत्कालीन कलेक्टर दीपक सक्सेना ने इस मामले की जांच कराई थी, लेकिन सही जानकारी नहीं मिल पाई कि घोड़े क्यों और किस उद्देश्य से हैदराबाद से लाए गए थे। पशु चिकित्सा विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डॉक्टर प्रफुल्ल मून ने कहा कि वर्तमान में 14 घोड़े लापता हैं। डिप्टी डायरेक्टर डॉ प्रफुल्ल मून के मुताबिक सचिन तिवारी ने 14 घोड़े किसी और अन्य स्थान पर रख दिए हैं, जिसको लेकर पत्राचार भी किया गया लेकिन सचिन तिवारी ने उसका जवाब नहीं दिया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में हॉर्सफार्म हाउस में 23 घोड़े उपलब्ध हैं, जिनकी सतत निगरानी भी की जा रही है वर्तमान में सभी घोड़े स्वस्थ हैं।

कलेक्टर ने कहा- एफआईआर करवाई जाएगी

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने जांच के आदेश दिए हैं। कलेक्टर का कहना है कि वेटरनरी की टीम को मौके पर भेज कर जांच करवाई जाएगी, इससे पहले घोड़े के मालिक सचिन तिवारी को भी नोटिस देकर जवाब मांगा गया था, लेकिन उन्होंने जानकारी नहीं दी है, आज एक बार फिर से वेटरनरी की टीम को मौके पर भेज कर सचिन तिवारी से पूछताछ की जाएगी कि आखिर घोड़े कहां गायब हुए हैं। कलेक्टर कहना है कि अगर सचिन तिवारी ने जानबूझकर घोड़े गायब किए हैं तो उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज करवाई जाएगी।

41 फीमेल और 16 मेल घोड़े थे

जानकारी के मुताबिक, 1 घोड़ें में गैलेंडर नामक घातक बीमारी होने की पुष्टि हुई। पशुपालन विभाग के अनुसार यह बीमारी घोड़ों के लिए जानलेवा होती है। विभाग की टीम लगातार बीमार घोड़ों का इलाज कर रही थी और उन्हें अलग रखा गया था, लेकिन इसके बावजूद मौतें रुक नहीं पाई। लाए गए घोड़ों में 18 थोर ब्रीड के थे, जिनमें 12 मेल और 6 फीमेल थे। वहीं, 39 मारवाड़ी नस्ल के घोड़े थे, जिनमें 4 मेल और 35 फीमेल शामिल थे। कुल मिलाकर 41 फीमेल और 16 मेल घोड़े थे। ये दोनों नस्लें उच्च गुणवत्ता की मानी जाती हैं और इनकी कीमत लाखों तक होती है। इन घोड़ों का अधिकतर उपयोग रेस में किया जाता है।

मुख्यमंत्री पहुंचे एमजी रोड थाने, अपराधों की जानकारी ली, गोपाल मंदिर भी पहुंचे

बाहुबली अनंत सिंह चुनाव तो जीत गए लेकिन क्या विधानसभा जा पाएंगे, क्या ले सकेंगे शपथ?

इंदौर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री मोहन यादव शुक्रवार को उज्जैन से इंदौर आए। वे पहले गोपाल मंदिर पहुंचे। यहां बने नवनिर्मित आडियोरियम का अवलोकन किया। अफसरों ने उन्हें बताया कि छोटे आयोजन इस हॉल में हो सकते। मुख्यमंत्री मंदिर की पहली मंजिल पर गए और वहां झरोके से सबका अभिवादन किया। इस बीच बिहार चुनाव के रुझान आना भी शुरू हो गए थे। उन्होंने साथ चल रहे भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा से इसकी जानकारी ली। वे मंदिर में करीब 20 मिनट तक रुके। उन्होंने मंदिर में दर्शन भी किए। इसके बाद उनका काफिला एयरपोर्ट जाने से पहले एमजी रोड थाने पर रुका। यहां उन्होंने थाने का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिसकर्मियों से दर्ज प्रकरणों की जानकारी ली और उनसे भी पूछा कि नए थाने में उन्हें कोई परेशानी तो नहीं आ रही है।

पटना, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के बाहुबली नेता और जनता दल यूनाइटेड के टिकट पर मोकामा से चुनाव लड़ने वाले अनंत सिंह 29,700 वोटों से चुनाव जीत गए हैं। करीब एक पखवाड़ा पहले ही उन्हें दुलारचंद यादव की हत्या में गिरफ्तार कर लिया गया था। तब से वह जेल में ही हैं। वह इस जीत के बाद क्या शपथ ग्रहण ले सकेंगे और विधानसभा पहुंचेंगे, ये एक जटिल कानूनी और राजनीतिक प्रश्न है। अनंत सिंह के रिहा होने की संभावना कई कारकों पर निर्भर करेगी। उनका शपथ लेना और विधानसभा पहुंचना भी अदालत के रुख पर निर्भर करेगा।

अनंत सिंह पर कई आपराधिक मामले चल रहे हैं। इसी में एक मामले में उन्हें दस साल की सजा हुई थी। जिसके बाद उन्हें अयोग्य ठहराया गया और उनकी सदस्यता चली गई। 2020 में अनंत सिंह आरजेडी के टिकट पर

मोकामा से विधायक बने थे लेकिन आर्म्स एक्ट केस में उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था। इसके बाद पटना हाईकोर्ट ने अगस्त 2024 में अनंत कुमार सिंह को दो आर्म्स एक्ट मामलों में बरी कर दिया। हाईकोर्ट ने दोनों निचली अदालतों के फैसलों को रद्द कर दिया। इसी फैसले के बाद अनंत सिंह रिहा भी हुए और चुनाव लड़ने के योग्य भी हो गए। लेकिन इस बार विधानसभा चुनावों के बीच ही जब दुलारचंद की हत्या हुई तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि पुलिस को इस मामले में अभी चार्जशीट दाखिल करनी है। इसमें दो से तीन महीने का समय भी लग सकता है। हो सकता है कि ये पहले भी हो जाए लेकिन जब तक चार्जशीट दाखिल नहीं होती, तब तक उनके जेल से बाहर आना आसान नहीं होगा।

शपथग्रहण पर भी संशय

लिहाजा वो नई विधानसभा की शपथग्रहण के लिए बाहर आ पाएंगे, उस पर सवाल भी है और ये इतना आसान भी नहीं। क्योंकि कोर्ट हत्या के ऐसे संगीन मामलों में जमानत नहीं देती। अलबत्ता जो कुछ भी होगा वो चार्जशीट के बाद होगा।

चार्जशीट के बाद उन्हें शपथग्रहण के लिए अदालत जमानत दे सकती है लेकिन ये पक्का नहीं है कि इस मामले की अदालती प्रक्रिया शुरू होने से पहले वो जेल से बाहर आ पाएं। जैसा कि पंजाब के सांसद अमृतपाल सिंह के साथ हुआ। कोर्ट ने उन्हें रिहा नहीं किया। वह अब तक लोकसभा की कार्रवाई में हिस्सा नहीं ले पाए हैं। अलबत्ता उन्हें शपथ ग्रहण के लिए जमानत दी गई थी। पंजाब के सांसद अमृतपाल सिंह राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद हैं। यानि वह जेल से बाहर आकर शपथ ग्रहण तो कर पाए लेकिन लोकसभा की बैठकों में सक्रिय रूप से भागीदारी नहीं कर पाए हैं।

चार्जशीट पर भी बहुत कुछ निर्भर करेगा

कुछ ऐसा ही अनंत सिंह के साथ भी हो सकता है। उन्हें विधानसभा में सदस्यता की शपथग्रहण के लिए बेशक कोर्ट से राहत मिल जाए लेकिन ये इस पर भी निर्भर करेगा कि चार्जशीट में उन पर कोई सी धाराओं में केस फ्रेम किया जा रहा है। अनंत सिंह का लगातार कहना है कि वह दुलार चंद यादव की हत्या में वहां मौजूद नहीं थे। दूर थे। उसमें उनका हाथ नहीं है। अगर जांच में उनकी संलिप्तता को हल्की धाराओं में दिखाया गया तो उन्हें कोर्ट से जमानत बेशक मिल सकती है और तब वह विधानसभा की कार्यवाहियों में हिस्सा भी ले सकेंगे। हालांकि उनके खिलाफ कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या, हत्या का प्रयास, और भारतीय अस्त्र अधिनियम जैसे मामले शामिल हैं।

किन हालात में विधानसभा में दाखिल हो सकते हैं

अनंत सिंह जमानत और शपथग्रहण के बाद ही विधानसभा में जा सकते हैं और वहां की कार्यवाही में हिस्सा ले सकते हैं। जमानत मिलना या न मिलना कई बातों पर निर्भर करेगा, जैसे उनके आरोप कितने गंभीर हैं और सबूत कितने मजबूत हैं। वह रिहा होने पर वह गवाहों को कितना प्रभावित कर सकते हैं। क्या उनकी रिहाई से कानून-व्यवस्था बिगड़ने का डर है। लिहाजा इस मामले में अंतिम फैसला अदालत का ही होगा। हालांकि उनके तुरंत रिहा होने की संभावना कम लगती है, क्योंकि उन पर लगे आरोप बहुत गंभीर हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

समय, शक्ति और पैसा, कभी भी एक साथ नहीं आते!

ऑनलाइन ट्रेडिंग और स्मिशिंग धोखाधड़ी का भंडाफोड़

साइबराबाद साइबर क्राइम ने चार राज्यों में सक्रिय चार आरोपी दबोचे

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद साइबर क्राइम अधिकारियों ने 6 से 11 नवंबर के बीच दर्ज छह साइबर धोखाधड़ी के मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन मामलों को सुलझा लिया और विभिन्न राज्यों में सक्रिय चार धोखेबाजों को गिरफ्तार किया। इनमें से तीन आरोपी ऑनलाइन ट्रेडिंग धोखाधड़ी में शामिल थे, जबकि एक स्मिशिंग घोटाले से जुड़ा था।

इस सप्ताह सामने आए सबसे बड़े मामले में एक निजी कर्मचारी को ऑनलाइन ट्रेडिंग के फर्जी रैकेट में 21.9 लाख रुपये का नुकसान हुआ। पुलिस के अनुसार, पीड़ित को टेलीग्राम पर एक महिला ने संपर्क किया और एक फर्जी ऐप के माध्यम से फॉरेक्स ट्रेडिंग में निवेश करने के लिए राजी कर लिया। शुरूआती दिनों में धोखेबाजों ने नकली लाभ दिखाकर और छोटी निकासी की अनुमति देकर पीड़ित का विश्वास जीता। इसके बाद उन्होंने कर, सुरक्षा जमा और विभिन्न शुल्कों के नाम पर अतिरिक्त रकम मांगनी शुरू कर दी। जब पीड़ित ने सवाल उठाया तो उसका खाता और चैट इतिहास हटा दिया गया।

जांच में पुलिस ने एक लाभार्थी खाते में 90,000 रुपये के लेनदेन का पता लगाया और इसी सुराग के आधार पर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने धोखाधड़ी में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों की व्यवस्था की थी। साइबराबाद पुलिस ने नागरिकों को चेतावनी दी है कि वे टेलीग्राम और व्हाट्सएप के असत्यापित निवेश समूहों से दूर रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना 1930 पर दें।

महिला को अश्लील तस्वीरें भेजकर परेशान करने वाला पड़ोसी गिरफ्तार

10 लाख रुपये की मांग पर पीड़िता ने दोबारा दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। व्हाट्सएप पर अश्लील तस्वीरें भेजकर एक महिला को बार-बार परेशान करने वाले एक व्यक्ति को चैतन्यपुरी पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, 41 वर्षीय पीड़िता को उसी अपार्टमेंट में रहने वाला पड़ोसी नागररेड्डी नागा सुब्बा रेड्डी (32) अश्लील तस्वीरें भेज रहा था।

महिला की शुरूआती शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को चेतावनी देकर छोड़ दिया था, लेकिन इसके बावजूद उसने दोबारा फोन कर 10 लाख रुपये की मांग की और धमकी दी कि रकम न देने पर वह अश्लील तस्वीरें भेजता रहेगा। इसके बाद महिला ने फिर से पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। चैतन्यपुरी पुलिस ने मामला दर्ज कर सुब्बा रेड्डी को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों के अनुसार, मामले की गहन जांच जारी है।

जुबली हिल्स का फैसला हमारे दो साल के शासन का जनमत संग्रह : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की जीत को पार्टी के दो साल के शासन पर 'जनमत संग्रह' करार दिया। जनादेश के लिए मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि लोगों ने सरकार के कल्याणकारी एजेंडे और विकास पहलों का समर्थन किया है।

यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि इस जीत ने उनकी जिम्मेदारी बढ़ा दी है। उन्होंने कहा, लोगों ने हमें जिम्मेदारी से आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया है। हम न तो जीत में बहकते हैं और न ही हार में हिम्मत हारते हैं। अगर विपक्ष में हैं, तो हम लोगों के लिए लड़ते हैं, अगर सत्ता में हैं, तो हम उनकी समस्याओं का समाधान करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को जुबली हिल्स क्षेत्र में 51 प्रतिशत वोट मिले, इसे लोगों के विश्वास का प्रमाण बताया। उन्होंने तेलंगाना के विकास का समर्थन न करने के लिए केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी की आलोचना की। उन्होंने कहा, मध्य प्रदेश चुनाव में उन्हें मिले वोटों में से अब केवल 25 प्रतिशत ही भाजपा को मिले हैं। यह भूकंप से पहले का झटका है। उन्होंने मंत्री को 'अपना तरीका बदलने' की सलाह दी। इसके अलावा, रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार हैदराबाद को एक पूर्ण महानगरीय शहर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कचरा, अतिक्रमण और नशीली दवाओं के दुरूपयोग को प्रमुख नागरिक चुनौतियों के रूप में चिह्नित किया और हाइड्रा (अतिक्रमण विरोधी) और ईगल फोर्स (नशा विरोधी अभियान) जैसी पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बीआरएस पर गलत सूचना फैलाने और विकास में बाधा डालने का आरोप लगाया।

बीआरएस नेताओं पर निशाना साधते हुए, मुख्यमंत्री ने बीआरएस नेता केटी रामाराव को 'अहंकार कम करने' और हरीश राव को 'ईर्ष्या त्यागने' की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर स्वास्थ्य कारणों से निष्क्रिय हैं और अब उनके बारे में प्रतिक्रिया देने की कोई आवश्यकता नहीं है। स्थानीय निकाय चुनावों के बारे में उन्होंने कहा कि कैबिनेट 17 नवंबर को इस मुद्दे पर फैसला करेगी। दीर्घकालिक शासन योजनाओं को दोहराते हुए उन्होंने कहा, कांग्रेस अगले 10 साल तक तेलंगाना पर शासन करेगी। हम बदलाव लाएंगे। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और मंत्री भी मौजूद थे।

उपचुनाव में जीत से मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व को बल मिला

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी की शानदार जीत ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व को एक बड़ा बढ़ावा दिया है, जिससे उनके कार्यकाल के दो साल बाद पार्टी के भीतर विश्वास और मज़बूत हुआ है। कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव ने निर्णायक जीत हासिल की, जिससे राज्य में मुख्यमंत्री की राजनीतिक स्थिति मज़बूत हुई। पदभार ग्रहण करने के बाद, रेवंत रेड्डी ने शासन सुधारों, विकास कार्यक्रमों और चुनावी वादों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया है। पिछली सरकार से वित्तीय तंगी, कर्ज और प्रशासनिक खामियों जैसी चुनौतियों के बावजूद, मुख्यमंत्री शासन में गति बहाल करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। बीआरएस विधायक मगंटी गोपीनाथ के असामयिक निधन के कारण आवश्यक जुबली हिल्स उपचुनाव एक महत्वपूर्ण राजनीतिक परीक्षा बन गया। बीआरएस द्वारा गोपीनाथ की पत्नी मगंटी सुनीता को मैदान में उतारने के साथ, इस मुकाबले ने राज्य भर का ध्यान आकर्षित किया।

तेलंगाना में मध्याह्न भोजन योजना में देरी से बढ़ी स्कूलों की मुश्किलें

केंद्र की बढ़ी दरें लागू न होने से गुणवत्ता पर पड़ा असर

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार राज्य के सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों में चल रही मध्याह्न भोजन योजना की उपेक्षा करती दिखाई दे रही है। यह योजना लाखों छात्रों को भोजन उपलब्ध कराती है, लेकिन पिछले एक वर्ष से इसमें केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित नई दरें लागू नहीं की गईं।

केंद्र सरकार ने 27 नवंबर 2024 को प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत खाना पकाने की लागत में संशोधन किया था। इसके तहत बाल वाटिका और प्राथमिक छात्रों के लिए लागत 5.45 रुपये से बढ़ाकर 6.19 रुपये तथा उच्च प्राथमिक छात्रों के लिए 8.17 रुपये से बढ़ाकर 9.29 रुपये कर दी गई थी। यह संशोधित दरें 1 दिसंबर 2024 से लागू होनी थीं। इसी अनुसार राज्य सरकार को भी अपने हिस्से का मिलान अनुदान बढ़ाना था, लेकिन वह ऐसा नहीं कर पाई।

राज्य सरकार प्राथमिक छात्रों के लिए 2.48 रुपये और उच्च प्राथमिक छात्रों के लिए 3.72 रुपये के हिस्से को बढ़ाने में असफल रही, जिससे स्कूलों को बेहतर और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने में कठिनाई हो रही है। शिक्षा विभाग ने केंद्र की संशोधित लागत का हवाला देते हुए कई बार सरकार से दरें बढ़ाने का अनुरोध किया, लेकिन लंबे समय तक कार्रवाई नहीं हुई।

लगातार अनुरोधों के बाद सरकार ने अंततः 31 अक्टूबर 2025 को आदेश जारी कर योजना के लिए समान अनुदान की मंजूरी दी। कक्षा 9 और 10 के छात्रों के लिए खाना पकाने की लागत 10.67 रुपये से बढ़ाकर 11.79 रुपये कर दी गई है। वहीं, केंद्र सरकार पिछले एक वर्ष में दो बार लागत में संशोधन कर चुकी है। मई 2025 में बाला वाटिका और प्राथमिक छात्रों के लिए लागत बढ़कर 6.78 रुपये और उच्च प्राथमिक छात्रों के लिए 10.17 रुपये हो गई थी।

कुल लागत में केंद्र का योगदान प्रति प्राथमिक छात्र 4.07 रुपये और प्रति उच्च प्राथमिक छात्र 6.10 रुपये है। लेकिन राज्य ने समय पर दरें नहीं बढ़ाईं, जिसके कारण वह अतिरिक्त केंद्रीय धन से भी वंचित रह गया। विभागीय सूत्रों के अनुसार, दिसंबर 2024 और मई 2025 में किए गए संशोधनों को लागू करने का प्रस्ताव अभी तक सरकार तक नहीं पहुंचा है। सूत्रों ने बताया कि सामान्यतः लागत संशोधन में एक-दो महीने लगते हैं, लेकिन इस बार सरकार ने काफी देरी कर दी।

गुजरात के तीन साइबर ठग गिरफ्तार

7 लाख रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी का मामला, आसिफाबाद पुलिस की कार्रवाई

कुमराम भीम आसिफाबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर धोखाधड़ी के जरिए लोगों से लाखों रुपये ठगने के आरोप में गुजरात के तीन व्यक्तियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में कदवाला भावेश सिदा भाई, राठौड़ राहुल हाजा और साहू प्रदीप शामिल हैं, जो सभी अहमदाबाद के रहने वाले हैं। यह कार्रवाई कागजनगर निवासी जी किरण द्वारा दर्ज की गई शिकायत के बाद की गई, जिसमें बताया गया था कि उनके बैंक खाते से धोखाधड़ी के जरिए 7 लाख रुपये निकाले गए। मामले की जांच के लिए गठित विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर तीनों को धर दबोचा।

पूछताछ में आरोपियों ने जल्दी पैसा कमाने के लालच में यह अपराध करने की बात स्वीकार की। वे लोगों को विशेष खातों में पैसा जमा करने पर बड़े रिटर्न देने का लालच देकर अपने जाल में फंसाते थे।

इसके अलावा, वे उत्पादों की रेटिंग कराने के बहाने भी पीड़ितों से संपर्क करते और उनसे बैंक खाता खुलवाकर धोखाधड़ी को अंजाम देते थे। पुलिस के अनुसार, आरोपी तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों में दर्ज तीन समान मामलों में भी शामिल रहे हैं। एसपी कांतिलाल पाटिल ने आरोपियों को पकड़ने में तत्परता दिखाने के लिए कागजनगर इंस्पेक्टर प्रेम कुमार, एसआई प्रशांत, साइबर क्राइम समन्वयक रविंदर और एसआई तेजस्विनी की सराहना की।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, BUNATI SHIVA KUMAR GOUD S/o. LACHAPPA BALAIAH GOUD BUNATI and CHANDRAKALA BUNATI spouse of JYOTHI BUNATI R/o 1-111, Pedda Gollapally, Shamshabad, R.R. District, TG-501218 have changed my name as BUNETI SHIVA KUMAR GOUD S/o BALAIAH GOUD BUNETI and CHANDRAKALA BUNETI spouse of JYOTHI BUNETI for all records purpose.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

कीटनाशक युक्त घास खाने से 15 बकरियों की मौत

सिद्दीपेट, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट शहर के नरसापुर के पास शुक्रवार को एक किसान की 15 बकरियां कीटनाशक मिली घास खाने से मर गईं। स्थानीय लोगों के अनुसार, किसान सैय्यद अहमद मुनीर के पास 30 भैंसें और 20 बकरियां हैं। वह गुरुवार को पशुओं को चराकर शाम को शेड में ले आया था। शुक्रवार सुबह जब वह वापस लौटा, तो उसने देखा कि 15 बकरियां मृत पड़ी हैं और बाकी गंभीर रूप से बीमार हैं। उसने तुरंत पशु चिकित्सक को बुलाया, जिसने बताया कि जानवरों ने कीटनाशक मिले चारे का सेवन किया था। मुनीर ने कहा कि इस घटना से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है और उन्होंने सरकार से वित्तीय सहायता की मांग की है।

मंचेरियल में बाघ का आतंक

कासिपेट मंडल में दो गायों को मारने से किसानों में दहशत

मंचेरियल, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल जिले में शुक्रवार को दो अलग-अलग घटनाओं में एक बाघ द्वारा दो गायों को मार डाले जाने से कासिपेट मंडल के किसानों में भारी दहशत फैल गई है। पहली घटना बुग्गागुडेम के बाहरी इलाके में हुई, जहां भटककर एक कपास के खेत में पहुंची गाय पर बाघ ने हमला कर उसे मार डाला। हमले के समय खेतों में फसल काट रहे किसान भयभीत होकर काम छोड़कर भाग खड़े हुए। कई किसानों ने हमले की आशंका से काम टाल दिया।

दूसरी घटना एगंडी गांव के जंगलों में हुई, जहां चर रही एक और गाय को बाघ ने मार दिया। वन अधिकारियों ने दोनों स्थानों का दौरा कर पुष्टि की कि मवेशियों की मौत बाघ के हमले से हुई है। उन्होंने ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी और किसानों से कपास की कटाई के दौरान समूहों में काम करने का आग्रह किया।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि महाराष्ट्र से आया एक बाघ करीब एक साल से लक्सेटीपेट रेंज के जंगलों में रह रहा है। उन्हें संदेह है कि भूख के कारण उसी बाघ ने दोनों गायों को मारा होगा। बाघ की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एनिमल ट्रैकर भी तैनात किए गए हैं।

सड़क हादसे के बाद ध्यान भटकाकर चोरी

ऑटो चालक गिरफ्तार, 10 लाख रुपये से भरा बैग ले उड़ा था

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केपीएचबी पुलिस ने शुक्रवार को एक 26 वर्षीय ऑटो चालक को गिरफ्तार किया, जो 7 नवंबर को केपीएचबी कॉलोनी में सड़क दुर्घटना के बाद ध्यान भटकाकर की गई चोरी में शामिल था। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता डी उत्तम कुमार वर्मा (31) की कार अड्डुगुट्टा सोसाइटी के पास सड़क के बीच बने ढांचे से टकरा गई थी। दुर्घटना के तुरंत बाद संदिग्ध मुदवथ शंकर, जो नागरकर्नूल का रहने वाला है और सुरराम में रह रहा है, अपने ऑटो से उनका पीछा करते हुए पहुंचा और मदद करने का नाटक करने लगा।

शंकर ने पहले क्षतिग्रस्त कार को हटाने में मदद की और उसे सनतनगर के एक गैराज में ले गया। इसके बाद उसने घायल उत्तम कुमार को घर छोड़ने की पेशकश की। यात्रा के दौरान उसने उनका ध्यान भटकाया और 10 लाख रुपये से भरा बैग चुपचाप चुरा लिया। जब शिकायतकर्ता को बाद में बैग गायब मिला और उसने शंकर से संपर्क करने की कोशिश की, तो उसने अपना फोन बंद कर छिप गया। मामले की शिकायत दर्ज होने के बाद केपीएचबी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से 5.3 लाख रुपये बरामद किए।

जातीय भारतीय वैद्य परंपरा संस्थ
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
(केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी, गड्डीअन्नाराम, हैदराबाद -500036, तेलंगाना, भारत
National Institute of Indian Medical Heritage
(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of Ayush, Govt. of India)
Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad-500 0036, Telangana, India
040-24067388
9493627388
Website: http://niimh.nic.in
Email:niimh-hyderabad@gov.in
Email:niimh.hyderabad@gmail.com

शुद्धि पत्र

डोमिन एक्सपर्ट-01 के पद के लिए दिनांक 28-10-2025 को जारी वॉक-इन-इंटरव्यू अधिसूचना संख्या 05/2025 की अंतिम तिथि 25-11-2025 तक बढ़ा दी गई है। विवरण वेबसाइट http://niimh.nic.in या http://ccras.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

प्रभारी सहायक निदेशक

हापुड़ में जोरदार विस्फोटः घर की दीवार और लेंटर ढहे

फोरेंसिक टीम मौके पर; दो लोगों के दबे होने की सूचना

हापुड़, 14 नवंबर (एजेंसियां)। पिलखुवा नगर के धौलाना रोड पर पीर के पास तड़के एक कमरे में तेज धमाका हुआ। विस्फोट के साथ ही दीवार और लेंटर गिर गया। धमाके के समय कमरे में लोग सो रहे थे, जिनमें से दो गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, घटना में पवन तोमर और आईजी फोल्डिंग कंपनी में काम करने वाला राज किशोर शर्मा गंभीर रूप से घायल बताए गए हैं। राज किशोर मूल रूप से गोपालगंज बिहार का रहने वाला है। पास के कमरे में सो रहा उत्तराखंड निवासी मदन भी हादसे की चपेट में आया, जिसे हल्की चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने मलबा हटाकर घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार, विस्फोट किस कारण हुआ यह स्पष्ट नहीं है।

कमरे में सिलेंडर रिसाव, किसी केमिकल या अन्य कारण से धमाका हुआ, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने पूछताछ के लिए दो लोगों को हिरासत में ले रखा है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि दो लोग इस मकान में किराए पर रहते थे। सीओ अनीता चौहान ने बताया कि मौके का निरीक्षण कर लिया गया है। फोरेंसिक टीम सैंपल जुटा रही है और रिपोर्ट आने के बाद ही बताया जा सकेगा कि विस्फोट किस कारण से हुआ।

बिहार में बंपर जीत के साथ बीजेपी बड़े भाई की हैसियत में

अपना सीएम बना सकती है भाजपा, क्या नीतीश होंगे रिटायर; बीजेपी के बिग ब्रदर होने के 5 असर

पटना, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

बिहार में प्रचंड जीत के साथ एनडीए सरकार बना रही है। दोपहर 1 बजे तक एनडीए 199 सीटों पर आगे है। 90 सीटों पर बीजेपी, 79 सीटों पर जेडीयू और 28 सीटों पर उसकी सहयोगी पार्टियां आगे चल रही हैं। पहली बार बिहार में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनी है। पिछले 25 साल में ये तीसरा मौका है जब एनडीए में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनी है। इससे पहले 2000 और 2020 में भी बीजेपी नंबर वन थी। पिछले 4 चुनावों में हर बार नीतीश ही सीएम बने हैं, लेकिन जब-जब जेडीयू को कम सीटें मिली हैं, सरकार में बीजेपी का दबदबा बढ़ा है।

बीजेपी के बिग-बी होने के 5 असर

बीजेपी का हो सकता है सीएम, 3 में से 2 एक्सपर्ट बोले

असर 1 : दो एक्सपर्ट सीनियर जर्नलिस्ट हर्षवर्धन त्रिपाठी और अरविंद मोहन के मुताबिक सीएम की कुर्सी पर बीजेपी काबिज हो सकती है। नीतीश कुमार रिटायर हो सकते हैं।

असर 2 : जदयू को एक डिप्टी सीएम मिल सकता है। गृह, वित्त, स्वास्थ्य और राजस्व जैसे विभाग बीजेपी खुद के हिस्से ले सकती है।

असर 3 :नई पॉलिसी बनाना, कोई बड़ी स्कीम शुरू करना, नए बिल लाना जैसे अहम फैसले बीजेपी लेगी।

असर 4 : बिहार सरकार के अहम फैसले दिल्ली से लिए जाएंगे। जैसे वक्फ बिल पर लीक से हटकर जदयू ने समर्थन दिया था।

असर 5 अभी केंद्र में बीजेपी अपने दम पर बहुमत में नहीं है। जेडीयू उसकी पार्टनर है। बिहार में बीजेपी के मजबूत होने से केंद्र में भी उसकी ताकत बढ़ेगी। हालांकि, सीनियर जर्नलिस्ट अरुण पांडे का मानना है कि सीएम नीतीश ही होंगे। बीजेपी अपनी बदनामी नहीं चाहेगी, लेकिन सरकार में दबदबा बीजेपी का ही होगा।

10 हजारिया' से नीतीश की वापसी

जेडीयू- चिराग की जोड़ी हिट: 10 फैक्टर जिन्होंने एनडीए की हवा बनाई, महागठबंधन आपसी लड़ाई में डूबा

पटना, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में फिर से नीतीश सरकार का आना तय है। दोपहर 2 बजे तक के रुझानों में एनडीए को करीब 200 सीटें मिल रही हैं। जेडीयू की वापसी हुई है और पार्टी 80 सीटों पर आगे चल रही है। बीजेपी 91 और चिराग पासवान की एलजेपी(आर) 22 सीटों पर आगे है। पिछली बार जेडीयू 43, बीजेपी 74 और एलजेपी(आर) एक सीट जीती थी। नीतीश कुमार चुनाव से पहले लगातार ऐसी घोषणाएं करते रहे, जिनके जरिए महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं, लोअर मिडिल क्लास को सीधे फायदा पहुंचा। हालांकि इस बड़ी जीत की ये इकलौती वजह नहीं है। चिराग पासवान के साथ आने से जेडीयू को 35 सीटों का फायदा होता दिख रहा है। उधर एनडीए में आने का चिराग को भी फायदा हुआ है। पढ़िए एनडीए की जीत की 10 वजह।

महिला वोट बैंक

121 करोड़ जीविका दीदी को 10 हजार रुपए देना मास्टरस्ट्रोक

29 अगस्त, 2025 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिला रोजगार योजना का ऐलान किया। कहा कि 18 से 60 साल उम्र की महिलाओं को बिजनेस शुरू करने के लिए दो लाख रुपए देंगे।

शुरुआत में अकाउंट में 10 हजार रुपए भेजेंगे। 26 सितंबर को पहली बार महिलाओं के खाते में पैसा पहुंच गया। चुनाव से पहले 1.21 करोड़ महिलाओं के खाते में पैसा भेजा जा चुका था। महिलाओं में ये योजना 10 हजारिया नाम से चर्चित हो गई। बिहार में 3.51 करोड़ महिला वोटर हैं। इनमें 1.34 करोड़ जीविका दीदी हैं। यानी करीब 40% महिला वोटर जीविका दीदी योजना से जुड़ी हैं। महिलाएं नीतीश की कोर वोट बैंक मानी जाती हैं। 2020 में 2.08 करोड़ महिलाओं ने वोट दिए थे। इनमें 38% वोट एनडीए को मिले। 10 हजार रुपए की मदद ने इस वोट बैंक को और मजबूत कर दिया। इसके अलावा सरकार ने आशा वर्कर को मिलने वाली सैलरी 1 हजार रुपए से 3 हजार रुपए कर दी। ममता कार्यकर्ताओं को हर डिलीवरी पर मिलने वाले पैसे 300 रुपए से 600 रुपए कर दिए। बिहार में 1 लाख आशा वर्कर, 5 हजार आशा फैसिलिटेटर और 5 हजार से ज्यादा ममता कार्यकर्ता हैं।

बिहार में अमित शाह के अनुमानों से भी आगे निकला एनडीए

एग्जिट पोल भी पिछड़ गए

पटना, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में एनडीए को जो सफलता मिली है, उसका अनुमान गठबंधन के बड़े-बड़े नेताओं ने भी नहीं किया था। यहां तक कि बिहार में एनडीए की बड़ी जीत का अनुमान लगाने वाले लगभग सभी एग्जिट पोल तक यह भांप नहीं पाए थे कि वहां सत्ताधारी बीजेपी-जेडीयू गठबंधन के पक्ष में लहर चल रही है। सिर्फ एक एक्जिट पोल को छोड़कर किसी ने एनडीए की इतनी बड़ी जीत की भविष्यवाणी नहीं की थी। बाकी ने जो सबसे ज्यादा सीटें भी दी थीं, वह भी अधिकतम 167 पर जाकर अटक गए थे। जबकि, केंद्रीय गृहमंत्री और बीजेपी के दिग्गज रणनीतिकार अमित शाह ने 243 सीटों में 160 से अधिक सीटें आने की संभावना जताई थी।

एग्जिट पोल भी नहीं लगा पाए अनुमान

बिहार विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण यानी 11 नवंबर,2025 को या उसके बाद जो अधिकतर एग्जिट पोल आए, उनमें से लगभग सभी ने एनडीए की बड़ी जीत की भविष्यवाणी की थी। लेकिन, किसी ने यह अनुमान नहीं लगाया था, जो परिणाम देखने को मिला है। सिर्फ एक एग्जिट पोल, 'पोल डायरी' ने एनडीए को 184 से 209 सीटें मिलने की भविष्यवाणी की थी। जबकि, महागठबंधन को इस एग्जिट पोल ने 32 से 49 सीटें मिलने की संभावना जताई थी।

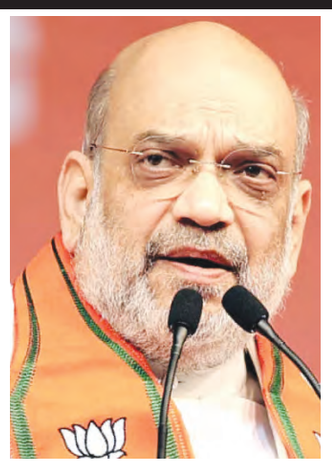

शाह ने 160 से अधिक का अनुमान लगाया था

इसी तरह अमित शाह ने इसी महीने चुनाव प्रचार के दौरान ही एक इलेक्शन रैली के बीच में एक टीवी को इंटरव्यू दिया था। उसमें उन्होंने एनडीए को मिलने वाली सीटों के अनुमान से जुड़े सवाल पर कहा था कि उनके गठबंधन को 160 से ज्यादा सीटें मिलेंगी। उन्होंने कहा था, 'हम 160 से अधिक सीटें जीतेंगे और बिहार में सरकार बनाएंगे।'

महागठबंधन पर अकेले भारी पड़े नीतीश कुमार

तेजस्वी-राहुल पर चला 'धोबी पछाड़' दांव

पटना, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के रुझानों में एनडीए बहुमत के आंकड़े से बहुत आगे निकल गया है। रुझानों पर नजर डालें तो बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अकेले दम पर ही महागठबंधन पर भारी पड़ते दिखाई दे रहे हैं। रुझानों में एनडीए को 198, महागठबंधन को 39 और अन्य के खाते में 6 सीटें जाने के संकेत मिल रहे हैं। एनडीए के खाते में से नीतीश कुमार की जदयू के हिस्से में अपने दम पर 80 सीटें आती दिख रही हैं। 39 सीटों पर सिमटते दिख रहे महागठबंधन से दोगुनी सीटें अकेले नीतीश कुमार की पार्टी के खाते में हैं। महागठबंधन में कांग्रेस का हाल और भी बुरा है, वो महज 4 सीटों ही जीतती दिख रही है।

नीतीश कुमार की बेदाग और सुशासन बाबू की छवि ने एक बार फिर बिहार चुनाव का पूरा खेल बदल दिया। महागठबंधन ने भले ही भाजपा के खिलाफ माहौल बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी, लेकिन नीतीश कुमार के खिलाफ कुछ खास मौका नहीं बना पाए। कांग्रेस की हालत रुझानों के मुताबिक तो ऐसी है कि राहुल गांधी जैसे कद्दावर नेता के वोट चोरी जैसे तमाम आरोपों के बावजूद पार्टी असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम से पीछे है। एआईएमआईएम को रुझानों में 5 सीटें मिलती दिख रही हैं। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक बिहार में दोनों चरणों में कुल 66.91 फीसदी मतदान हुआ था। दोनों ही चरणों में महिलाओं ने पुरुषों के मुकाबले में ज्यादा वोटिंग कर बाजी मारी। आंकड़ों के अनुसार महिलाओं का मतदान प्रतिशत 71.6 फीसदी रहा था।

बिहार चुनाव में पुरुषों का मतदान प्रतिशत 62.8 फीसदी रहा। अगर ये रुझान नतीजों में बदलते हैं तो बिहार में एनडीए को दूसरी बार इतना बड़ा बहुमत मिलेगा। इससे पहले 2010 के विधानसभा चुनाव में जदयू को 115 सीटें और भाजपा को 91 सीटें मिली थीं। 2010 के चुनाव में राजद महज 22 सीटें और कांग्रेस 4 सीटें ही जीत पाई थी। इस चुनाव में रामविलास पासवान की लोजपा ने राजद-कांग्रेस गठबंधन में 3 सीटों पर जीत हासिल की थी।

बिहार नतीजों पर अखिलेश यादव का बयान

एसआईआर ने बिहार में जो खेल किया वो यूपी और बाकी जगह नहीं हो पाएगा

नोएडा, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के चुनाव परिणामों के रुझानों ने विपक्षी दलों के खेमे में हलचल पैदा कर दी है। एक तरफ जहां कांग्रेस दिल्ली कार्यालय के बाहर वोट चोरी के पोस्टरों के साथ प्रदर्शन कर रही है। वहीं उत्तर प्रदेश में सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एसआईआर को लेकर एक बार फिर भाजपा पर हमला बोला है। अखिलेश यादव ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'बिहार में जो खेल एसआईआर ने किया है वो पश्चिम बंगाल, तमिलनाडू, यूपी और बाक़ी जगह पर अब नहीं हो पायेगा क्योंकि इस चुनावी साजिश का अब भंडाफोड़ हो चुका है।

अब आगे हम ये खेल, इनको नहीं खेलने देंगे। सीसीटीवी की तरह हमारा 'पीपीटीवी' मतलब 'पीडीए प्रहरी' चौकन्ना रहकर भाजपाई मंसूबों को नाकाम करेगा। भाजपा दल नहीं छल है।' बिहार में जो खेल एसआईआर ने किया है वो प। बंगाल, तमिलनाडू, यूपी और बाक़ी जगह पर अब नहीं हो पायेगा क्योंकि इस चुनावी साज़िश का अब भंडाफोड़ हो चुका है। अब आगे हम ये खेल, इनको नहीं खेलने देंगे। सीसीटीवी की तरह हमारा 'पीपीटीवी' मतलब 'पीडीए प्रहरी' चौकन्ना रहकर भाजपाई मंसूबों को नाकाम करेगा।...

प्रशांत किशोर ने कहा था लिखकर ले लो, क्या अब छोड़ देंगे राजनीति?

पटना, 14 नवंबर (एजेंसियां)। प्रशांत किशोर के लिए बिहार का विधानसभा चुनाव सियासी हादसा साबित हुआ है। कहां तो उनकी पार्टी जनसुराज को गेम चेंजर के साथ-साथ त्रिकोणीय मुकाबले का दावेदार बताया जा रहा था, लेकिन इस चुनाव में पार्टी की ऐसी भद पिटी है कि क्या कहा जाए। बिहार की 243 सीटों में से एक भी सीट पर पीके की पार्टी आगे नहीं चल रही है। उनके सभी उम्मीदवारों का बुरा हाल है। बिहार की राजधानी पटना की कुम्हरार सीट पर तो उनकी जीत का सबसे पुरजोर दावा किया गया था, लेकिन इस सीट पर भी पीके की पार्टी तीसरे नंबर पर चल रही है।

जेडीयू के 25 सीटों पर सिमटने का किया था दावा?

एक तरफ बिहार चुनाव में एनडीए गठबंधन बंपर जीत की तरफ बढ़ रहा है तो वहीं दूसरी तरफ अब प्रशांत किशोर के बड़े बोल की चर्चा होने लगी है। दरअसल, प्रशांत किशोर ने चुनाव के पहले दावा करते हुए कहा था कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) 25 से ज्यादा सीटों पर नहीं जीत पाएगी। पीके ने दावा करते हुए कहा था कि अगर नीतीश की पार्टी को 25 से ज्यादा सीटें मिली तो वह राजनीति छोड़ देंगे। ऐसे में अब यह साल उठाया जा रहा है कि क्या प्रशांत किशोर अपनी बात पर कायम रहते हुए राजनीति से संन्यास लेंगे? पीके ने अपनी पार्टी जनसुराज की संभावित सीटों के बारे में भी बताया था। उन्होंने कहा था कि या तो उनकी पार्टी 150 से ज्यादा सीटें जीतेगी या फिर 10 से भी कम।

भविष्य को लेकर प्रशांत किशोर ने क्या कहा था?

इंटरव्यू देते समय और कई जनसभाओं में प्रशांत किशोर ने कहा था कि जेडीयू को 25 से भी कम सीटें मिलेंगी। अगर यह बात सच नहीं हुई तो वो (प्रशांत किशोर) राजनीति छोड़ देंगे। उन्होंने कहा था कि लिखकर ले लीजिए किसी भी हालत में एनडीए की सरकार नहीं आने वाली है। नवंबर के बाद नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। बिहार में नया मुख्यमंत्री आएगा। इस बीच एक टीवी चैनल के एंकर ने उनसे सवाल किया था कि अगर जेडीयू की 25 से ज्यादा सीट आ गईं तो क्या प्रशांत किशोर राजनीति छोड़ देंगे। इस पर पीके ने दो बार कहा था कि अगर उनकी भविष्यवाणी फेल हुए तो वो राजनीति छोड़ देंगे। उन्होंने तो यह तक कह दिया था कि अगर जन सुराज जीत भी गई और जेडीयू को लेकर की गई उनकी भविष्यवाणी सही नहीं हुई तो वे राजनीति छोड़ देंगे।

संभल से सपा विधायक इकबाल बोले

वंदे मातरम हमें याद तो नहीं, सम्मान में खड़े हो जाते हैं, राष्ट्रगान जरूरी

संभल, 14 नवंबर (एजेंसियां)। लोकसभा या विधानसभा सत्र के शुरू होने पर वंदे मातरम गीत गाते हैं, हमें तो वंदे मातरम गीत याद नहीं है लेकिन सम्मान में हम खड़े हो जाते हैं। राष्ट्रगान तो अनिवार्य है और उसको दिल से गाना चाहिए लेकिन वंदे मातरम अनिवार्य नहीं है। यह कहना है संभल के सपा विधायक इकबाल महमूद का। सपा विधायक इकबाल महमूद ने मियां सराय में मीडिया से बातचीत की।

एक सवाल के जवाब में कहा कि प्रदेश में योगी सरकार है। सरकार अगर सभी शैक्षणिक संस्थानों में वंदे मातरम गाने का आदेश देगी तो उसका पालन करना सभी शिक्षकों की मजबूरी होगी। उनकी सरकार है तो वह कुछ भी आदेश कर सकते हैं। विधायक ने एक अन्य सवाल पर कहा कि वंदे मातरम अनिवार्य तो नहीं। मर्जी है कि गाना चाहते हैं तो गाएं और नहीं गाना चाहते तो कोई बात नहीं।

देश को विकास और भाईचारे की राह पर चलना होगा : बर्क

देश को विकास और भाईचारे की राह पर चलना होगा, न कि नफरत की राजनीति पर। यह बातें बृहस्पतिवार को महिला सभा की पूर्व जिलाध्यक्ष संगीता यादव के आवास पर पहुंचे सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कहीं। सांसद ने कहा कि दिल्ली आतंकी हमले जैसी घटना देश को झकझोर देती है। इसकी उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषियों को कड़ी सजा दी जानी चाहिए। कहा कि समाजवादी पार्टी सदैव शांति, समानता और संविधान के सम्मान की पक्षधर रही है। हम राष्ट्रगान और वंदे मातरम दोनों का आदर करते हैं, लेकिन किसी को इन्हें गाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता, क्योंकि संविधान हर नागरिक को स्वतंत्रता देता है। कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव सपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी और अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बनेंगे।

एंटी करप्शन ने आपूर्ति निरीक्षक को 10 हजार की रिश्वत के साथ किया गिरफ्तार, पूछताछ में जुटी टीम

प्रयागराज, 14 नवंबर (एजेंसियां)। एंटी करप्शन की टीम ने आपूर्ति निरीक्षक नंदकिशोर यादव को 10 हजार रुपये की रिश्वत के साथ रंगे हाथ झूंसी से गिरफ्तार किया है। इन पर शिकायतों के निस्तारण करने को लेकर हर महीने रिश्वत मांगने का आरोप है। एंटी करप्शन की टीम मामले की छानबीन में जुट गई है। फूलपुर थाना क्षेत्र के हंडिया तहसील के अंतर्गत गांव बसना खास निवासी राजमणि कोटा राशन की दुकान की दुकान चलाते हैं।

उन्होंने एंटी करप्शन टीम को शिकायत दी थी कि उनके विरुद्ध फर्जी शिकायतों के निस्तारण की जांच हंडिया में तैनात आपूर्ति निरीक्षक नंदकिशोर यादव कर रहे हैं, जो कि हर महीने रुपये की मांग कर रहे हैं। शिकायत पर एंटी करप्शन की टीम ने आरोपी नंदकिशोर को झूंसी के लेबर चौराहा स्थित आवास विकास कॉलोनी के पास से 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया है।

श्रावस्ती में पांच मौतों से सनसनी

पहले तीन बच्चों और पत्नी का गला दबाकर मार डाला, फिर खुद फांसी पर झूल गया पति

श्रावस्ती, 14 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती में आज यानि शुक्रवार को दिल को झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक ही कमरे में पांच लोगों की लाश बरामद हुई है। इसमें पति-पत्नी समेत तीन बच्चे भी शामिल हैं। बताया जा रहा है रोज की तरह यह व्यक्ति अपने बच्चों के साथ रात में सोने के लिए कमरे में गया था। लेकिन सुबह पूरे परिवार की लाशें एक बंद कमरे में बरामद हुईं। इसके बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस और फोरेंसिक टीम पहुंची हैं। घटना इकौना के कैलाशपुर के लियाकत पुरवा की है। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस और ग्रामीणों ने जब दरवाजा तोड़ा तो रोज अली नाम के व्यक्ति का शव पंखे से लटका हुआ मिला। वहीं उसकी पत्नी और बच्चों के शव इसी कमरे के बेड पर सन्दिग्ध परिस्थितियों में पड़े हुए मिले। पुलिस ने तुरंत लाशों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मामले की जांच करना शुरू की तो पता चला कि रोज अली ने पहले अपनी पत्नी और बच्चों का गला दबाकर हत्या की। फिर खुद भी फांसी से पंखे से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

बताया जा रहा है कि कई दिनों से पति-पत्नी में पारिवारिक विवाद चल रहा था, जिसके चलते रोज अली ने यह बड़ा कदम उठाया है। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। एसपी राहुल भाटी का कहना है- रोज अली पहले पूरे परिवार का कत्ल किया। एक के बाद एक के मुंह पर तकिया रखकर या गला दबाकर उन्हें मार डाला। फिर फांसी का फंदा लगाया और उसमें लटक गया। शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाए गए हैं। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पूरे मामले का खुलासा होगा। पांच मौतों से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है।

आईएमटी में मुठभेड़ के बाद तीन आरोपी गिरफ्तार

रोहतक, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बलियाना में सात नवंबर को हुए डबल मर्डर केस में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। शुक्रवार सुबह आईएमटी में हत्याकांड के मुख्य आरोपी गांव के ही युवक संजय (41) व उसके दो साथियों कसेरेहटी निवासी रोहित उर्फ काला (24) व वीरेंद्र उर्फ टिंकू (29) को सीआईए वन की टीम ने मुठभेड़ के बाद काबू कर लिया। संजय के पैर में गोली लगी है, जबकि रोहित व वीरेंद्र स्कूटी से गिरने से घायल हो गए।

तीनों को पीजीआई में दाखिल कराया गया है। बलियाना गांव में दो पक्षों के बीच पुरानी रंजिश चल रही है। 2023 में गांव के दुकानदार जगबीर की गोली मारकर हत्या की गई थी। उसी रंजिश के चलते सात नवंबर को गांव निवासी धर्मवीर व उसके बेटे दीपक की दिनदहाड़े गोली मार कर हत्या कर दी गई। उसी दिन सोनीपत के खरखौदा में पुलिस ने दो आरोपियों को मुठभेड़ के बाद काबू कर लिया था। संजय व उसके दो साथी फरार चल रहे थे।

सीआईए प्रथम के प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि सुबह सूचना मिली कि संजय व अपने दोनों साथियों वीरेंद्र व रोहित के साथ बलियाना गांव के आसपास देखा गया है। तुरंत सीआईए पुलिस ने आरोपियों को आईएमटी के क्षेत्र में घेर लिया। जवाबी फायरिंग में संजय के पैर में गोली लगी। इससे स्कूटी गिर गई और उसके दो साथी भी घायल हो गए।

पुलिस ने आतंकी उमर का घर किया ध्वस्त

दिल्ली ब्लास्ट के बाद एक्शन

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में सोमवार शाम करीब 7 बजे एक धमाका हुआ था। इस धमाके में कुल 13 लोगों की जान गई थी। पूरे मामले में जम्मू-कश्मीर के रहने वाले डॉ। उमर का हाथ सामने आया था। इस धमाके में वह खुद मारा गया है।

जांच एजेंसियों ने पाया है कि यह बहुत लंबे समय से इस धमाके की योजना बना रहे थे। धमाके के बाद जांच एजेंसियों ने कई एक्शन लिए हैं। इसी कड़ी में आतंकी उमर का घर भी गिरा दिया गया है। लाल किले के पास हुए ब्लास्ट के बाद जांच एजेंसियों ने देशभर में छापेमारी की थी। इसमें सामने आया था कि आतंकी उमर ने ही पूरे धमाके को अंजाम दिया था। इसके साथ ही उनका ग्रुप पिछले 2 सालों से इस ब्लास्ट की योजना बना रहा था।

पुलिस ने उमर के भाई और मां दोनों को हिरासत में भी लिया था। उमर की मां ने पुलिस पूछताछ के दौरान बताया था कि उनको पता था कि उनका बेटा कट्टरपंथी बन चुका है। उनकी कई-कई दिनों तक उससे बात नहीं होती थी। धमाके से पहले भी उमर ने परिवार को कॉल न करने के लिए कहा था। हालांकि परिवार की तरफ से उमर की इन गतिविधियों की पुलिस को जानकारी पहले नहीं दी गई थी।

पुलवामा का रहने वाला था उमर

दिल्ली धमाके में पुलवामा के रहने वाले उमर मोहम्मद का नाम सामने आया था। जांच में ये भी पाया गया कि इस धमाके में उसकी भी मौत हो चुकी है। उमर मोहम्मद पेशे से एक डॉक्टर था। उमर जैश ए मोहम्मद के उस मॉड्यूल से जुड़ा था, धमाके से पहले ही पुलिस की तरफ से उमर की गैंग के कई सदस्यों को गिरफ्तार किया गया था।

उनके पास से 2900 किलो विस्फोटक बरामद हुआ था। पुलिस फिलहाल उमर के सभी साथियों से पूछताछ करने में लगी हुई है। पता लगाया जा रहा है कि आखिर इनका कितना बड़ा प्लान था। इसके साथ ही ये भी पता करने की कोशिश की जा रही है कि ये लोग कहां-कहां धमाका करने की योजना बना रहे थे।

महिला वन अधिकारी की हत्या के मामले में पति गिरफ्तार

अहमदाबाद, 14 नवंबर (एजेंसियां)। सूरत में महिला वन अधिकारी की हत्या के मामले में उसके पति को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित पति परिवहन विभाग में निरीक्षक है। उसने इस हत्या को अपने एक मित्र के साथ मिलकर अंजाम दिया। सूरत के अडाजण वन विभाग में कार्यरत महिला अधिकारी सोनल सोलंकी बीते सप्ताह घायल स्थिति में कामरेज के नजदीक अपनी कार में मिली थीं। उनके सिर में गोली लगी थी। पुलिस को घटना के बाद से फरार उनके पति निकुंज सोलंकी पर शक था। दक्षिण गुजरात में यह हादसा एक सप्ताह से चर्चा में था, लेकिन इसकी गुत्थी अब सुलझती जा रही है। सूरत परिवहन विभाग में निरीक्षक निकुंज सोलंकी ने स्थानीय न्यायालय में अर्जी लगाते हुए एक अन्य मामले में समर्पण करने की इच्छा जताई थी। पत्नी सोनल ने कुछ दिन पूर्व ही पति के खिलाफ अपनी निजी कार में जीपीएस लगाने की शिकायत की थी। पुलिस अधीक्षक राजेश गेढिया ने बताया कि गत छह नवंबर को सोनल जख्मी हालत में सड़क के किनारे अपनी कार में मिली थीं। चार वर्षीय बेटा भी उनके साथ था। पुलिस इसे सड़क हादसा मान रही थी। लेकिन, अस्पताल में जब स्कैन किया गया तो सोनल के सिर में गोली फंसी हुई दिखी।

इस हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझाने का प्रयास किया। घटना के बाद से पति फरार था। इसलिए, पहला शक उसी पर था। जांच में पता चला कि पति ने ही सोनल की निजी कार में जीपीएस लगवाया था। सोनल ने तीन नवंबर को ही इसकी शिकायत स्थानीय पुलिस से की थी। राजेश ने बताया कि पति निकुंज ने पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया। लेकिन उसके खिलाफ पर्याप्त सुबूत मिल चुके हैं। उसके एक मित्र ने सोनल को गोली मारी थी। पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार किया है।

कौन हैं वो एनकाउंटर स्पेशलिस्ट शाहिदा परवीन गांगुली, जो कर रहीं दिल्ली ब्लास्ट केस की जांच

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली बम बलास्ट की जांच अब तेज हो गई है। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) हर एंगल से जांच कर रही है। इसी केस को लेकर बुधवार (12 नवंबर) को जम्मू कश्मीर की पूर्व आईपीएस अधिकारी शाहिदा परवीन गांगुली घटनास्थल पर पहुंचीं। उनका घटनास्थल पर पहुंचना अपने आप में काफी अहम माना जा रहा है। शाहिदा परवीन गांगुली जम्मू कश्मीर की पहली महिला आईपीएस अधिकारी और एसओजी की सदस्य हैं। शाहिदा लेडी एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के नाम से भी जानी जाती हैं।

साल 2000 के शुरुआती वर्षों में आतंक के खिलाफ कई बड़े ऑपरेशन्स को उन्होंने लीड किया। शाहिदा परवीन का जन्म कश्मीर के एक मुस्लिम परिवार में हआ। शादी के बाद पति के बंगाली परिवेश से होने के चलते उन्होंने खुद भी गांगुली सरनेम लगा लिया।

कौन हैं शाहिदा परवीन गांगुली

1997 बैच की आईपीएस अधिकारी शाहिदा परवीन 1997 से लेकर 2002 तक एसओजी की एलीट टीम का हिस्सा रहीं। वो यूनिट जो सीधे आतंकियों से भिड़ती है। इस दौरान उन्होंने कई बड़े मिशन का नेतृत्व किया। 1999 में हुए एक बड़े ऑपरेशन में उन्होंने घात लगाकर किए गए हमले को नाकाम किया। इस दौरान कई आतंकवादियों को ढेर किया गया। इस बहादुरी के लिए उन्हें गैलंट्री अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया। शाहिदा परवीन ने एसओजी के बाद सीआईडी में असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस के पद पर काम किया और कई हाई प्रोफाइल आतंकी केसों की जांच की। उन्होंने साल 2000 में पाकिस्तान स्थित लश्कर ए तैयबा और हिज्बुल मुजाहिदीन के कई बड़े आतंकी मॉडयूल ध्वस्त करने में अहम भूमिका निभाई। शाहिदा ने महिला सुरक्षा और साइबर क्राइम को लेकर कई जागरूकता अभियान चलाए।

विवादों से भी रहा नाता

बता दें कि दो बच्चों की मां शाहिदा परवीन वर्तमान में दिल्ली-एनसीआर में रहती हैं। उनके जीवन में कई विवाद भी हुए, क्योंकि उनके कई एनकाउंटर को लेकर मानवाधिकार समूहों ने सवाल उठाए। हालांकि अधिकतर मामलों में शाहिदा परवीन को कोर्ट से क्लीन चिट मिली।

बस की खिड़की पर तेंदुए का हमला, झांक रही महिला गंभीर घायल

बेंगलुरु, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु के बाहरी इलाके बन्नेरघट्टा में सफारी के दौरान एक महिला पर तेंदुए ने हमला कर दिया। महिला मूल रूप से चेन्नई की रहने वाली है। महिला अपने बेटे के साथ सफारी के लिए गई थी। इसी दौरान एक तेंदुआ उनकी गाड़ी पर कूद पड़ा, जिससे वो गंभीर रुप से घायल हो गईं। तेंदुए ने महिला के हाथ पर हमला कर दिया। घायल महिला का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं महिला पर हमले के बाद सफारी को रोक दिया गया। जानकारी के मुताबिक, महिला बन्नेरघट्टा में सफारी के लिए पहुंची थी। महिला अपने बेटे के साथ बस से सफर कर रही थी, इसी दौरान तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया। महिला चेन्नई की रहने वाली है, जिसका नाम वाहिता बानू है और उसकी उम्र करीब 50 साल है। वाहिता बानू अपने पति और बेटे के साथ बन्नेरघट्टा सफारी आई थीं। वह केएसटीडीसी की एक बस में सफारी के लिए गई थीं और वाहन की खिड़कियों से बाहर देख रही थीं। तेंदुए ने महिला पर उस वक्त हमला किया जब वो बस की खिड़की से बाहर की ओर देख रही थीं।

पत्नी ने देवर संग मिलकर की पति की हत्या

सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर, शव को पत्थर से बांधकर तालाब में फेंका

जालना, 14 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के जालना में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां पत्नी ने अपने छोटे देवर के साथ प्रेम प्रसंग में बाधा बन रहे पति को मौत के घाट उतार दिया। हत्या के बाद सबूत मिटाने के लिए शव को प्लास्टिक के बोरे में पत्थर बांधकर तालाब में फेंक दिया गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक की पहचान सोमठाणा गांव निवासी परमेश्वर राम तायडे के रूप में हुई है। मामला तब सामने आया जब सुबह निकलज शिवार स्थित वाला-सोमठाणा तालाब में चारा के प्लास्टिक के बोरे में बंद एक अज्ञात शव पानी में बहता हुआ मिला। जालना की बदनापूर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा किया और जांच शुरू की। मृतक के पिता राम नाथा तायडे की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने मृतक की पत्नी मनीषा परमेश्वर तायडे (28) और छोटे भाई यानी देवर ज्ञानेश्वर राम तायडे (25) से पूछताछ की। शुरुआत में दोनों टालमटोल कर रहे थे, लेकिन पुलिस की कड़ी पूछताछ में उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि मनीषा और उसके देवर ज्ञानेश्वर के बीच अनैतिक संबंध थे। मनीषा के पति परमेश्वर तायडे उनके प्रेम संबंध में बाधा बन रहे थे। इसी वजह से, मनीषा और ज्ञानेश्वर ने मिलकर एक योजना बनाई और आधी रात लगभग 1 बजे परमेश्वर के सिर और चेहरे पर कुल्हाड़ी से वार कर उनकी हत्या कर दी। हत्या के बाद उन्होंने शव को मुरघास के प्लास्टिक के बोरे में डाला, बोरे का मुंह रस्सी से बांधा, और शव पानी में ऊपर न आ सके। इसलिए उसमें पत्थर डालकर वाला-सोमठाणा तालाब में फेंक दिया। दोनों आरोपी मनीषा तायडे और ज्ञानेश्वर तायडे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस निरीक्षक एम.टी। सुरवसे के नेतृत्व में बदनापूर पुलिस आगे की जांच कर रही है।

चिंताजनक: 5 साल से कम उम्र के एक चौथाई बच्चों की निमोनिया से हो रही मौत

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की लगभग 14 से 26 फीसदी मौतें केवल निमोनिया के कारण होती हैं। यानी हर चौथे बच्चे की मृत्यु इसी संक्रमण से जुड़ी है। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति के बावजूद यह बीमारी आज भी बच्चों और बुजुर्गों दोनों के लिए गंभीर खतरा बनी हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार निमोनिया दुनिया में बाल मृत्यु का प्रमुख कारण है और भारत इसका सबसे बड़ा बोझ उठाने वाले देशों में शामिल है।

अच्छी बात यह है कि यह बीमारी न केवल उपचार योग्य है बल्कि थोड़ी सतर्कता, स्वच्छता, पौष्टिक आहार, पर्याप्त नींद और टीकाकरण से पूरी तरह रोकी जा सकती है। अंतरराष्ट्रीय जर्नल द लैंसेट के अनुसार समुदाय-जनित निमोनिया (कम्युनिटी-एक्वायर्ड निमोनिया) के मामले दुनिया के कुल मरीजों के लगभग 23 फीसदी भारत मे हैं। यह बीमारी तब होती है जब फेफड़ों के वायुकोषों में सूजन आ जाती है और उनमें तरल पदार्थ या पस भर जाता है, जिससे सांस लेना कठिन हो जाता है।

अगर समय पर इलाज न मिले तो यह संक्रमण घातक साबित हो सकता है। निमोनिया बैक्टीरिया, वायरस या फंगस से होने वाला संक्रमण है। यह तब फैलता है जब संक्रमित व्यक्ति खांसता या छींकता है और उसके सूक्ष्म कण हवा में फैलकर दूसरे व्यक्ति के फेफड़ों में प्रवेश कर जाते हैं। दूषित सतहों को छूने के बाद चेहरा या नाक-मुंह छूना भी संक्रमण का एक आम कारण है। भीड़भाड़ वाले और प्रदूषित वातावरण में इसके फैलने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य की दुबई में गला काटकर हत्या

रोहित गोदारा ने ली जिम्मेदारी, धमकी भी दी

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा के गुर्गों के बीच गैंगवार जारी है। इस बार लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य सिद्धू उर्फ सिप्पा की दुबई में गला काटकर हत्या कर दी गई है। हत्या की जिम्मेदारी रोहित गोदारा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर ली है। रोहित गोदारा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर लॉरेंस गैंग के सदस्य सिद्धू उर्फ सिप्पा की दुबई में गला काटकर हत्या करने की जिम्मेदारी ली है। रोहित गोदारा ने लिखा कि इसने (सिद्धू) लॉरेंस के कहने पर हमारे बंदों को मारने के लिए जर्मनी में अपने बंदे भेजे। सिद्धू दुबई में बैठकर अमेरिका और कनाडा में हमारे बंदों को धमकियां दे रहा था। माना जा रहा है कि रोहित गोदारा के इस पोस्ट के बाद दोनों गैंग के बीच दुश्मनी बढ़ सकती है। गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले ही रोहित गोदारा ने अमेरिका में लॉरेंस के खास हैरी बॉक्सर पर हमला करवाया था।

हालांकि इस हमले में हैरी बॉक्सर बच निकला था और अब लॉरेंस बिश्नोई से अलग हो चुके पुर्तगाल में बैठे गैंगस्टर रोहित गोदारा ने दुबई में लॉरेंस के खास जोरा सिद्दू (सिप्पा) की हत्या की जिम्मेदारी ली है। रोहित गोदारा ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, राम राम सभी भाईयों को। मैं रोहित गोदारा, गोल्डी बरार, वीरेंद्र चारण, महेंद्र सारण डेलाणा, विक्की पहलवान कोटकपुरा, आज ये जो दुबई में लॉरेंस के जोरा सिद्धू (सिप्पा) की गला काटकर हत्या हुई है, ये हमने करवाई है। ये लॉरेंस का हैंडलर था और इसने हमारे भाई को मरवाने के लिए अपने बंदे जर्मनी भेजे थे। ये दुबई में बैठकर कनाडा और अमेरिका में लॉरेंस के नाम की धमकियां देता था।

ये जो मर्जी कर ले, हम तक पहुंचने में इनको सात बार जन्म लेना पड़ेगा। इस देश के गद्दार के चक्कर में आकर किसी ने भी मेरे और मेरे भाईयों की तरफ आंख उठाई तो इससे भी बुरा हाल करेंगे। लोग कहते हैं कि दुबई सेफ है, तो हमसे दुश्मनी करके कहीं भी सेफ नहीं है। किसी भी देश में छुप जाना, बच नहीं सकते। देर हो सकती है लेकिन छोड़ेंगे नहीं। जहां पुलिस के हाथ नहीं जा सकते, वहां हम पहुंच जायेंगें। ध्यान रखना इस बात को, जो भी हमारे दुश्मन हैं, तैयार रहें। जल्द मुलाकात होगी।

मुर्गा देख मादा तेंदुआ के मुंह में आया पानी, खाते ही आ गए चक्कर, एक बार गिरी फिर नहीं उठी

खरगोन, 14 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के कसरावद वन परिक्षेत्र के चीचली बीट में एक दो वर्षीय मादा तेंदुआ मृत अवस्था में मिली है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि तेंदुआ ने जहरीले मुर्गे को खा लिया था, जिससे उसकी मौत हो गई। खरगोन के वन मंडलाधिकारी (डीएफओ) रमेश राठौड़ ने बताया कि यह घटना उस वक्त सामने आई जब कृषक विजय चौहान ने अपने खेत पर मृत तेंदुआ देखा और वन विभाग को सूचना दी।

वन टीम मौके पर पहुंची और जांच में पता चला कि किसी ने जहर छिड़का हुआ मुर्गा बांध रखा था, जिसे खाने से तेंदुए की जान चली गई। वन विभाग को स्निफर डॉग टीम के साथ जांच में सुराग भी मिले। कुत्ता लगभग एक किलोमीटर तक किसी व्यक्ति के पास जाकर रुका ,जहां से जानकारी मिली कि फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले जंगली सूअरों को पकड़ने के लिए यह जाल बिछाया गया था। अब विभाग ऐसे चार संदिग्ध लोगों की तलाश में जुटा है जो सूअरों को पकड़ने का काम करते हैं। हालांकि अधिकारी यह भी मान रहे हैं कि 'जादू-टोने या तांत्रिक कारणों से' तेंदुए को मारने की साजिश भी हो सकती है। उन्होंने बताया कि नर तेंदुए की बजाय मादा तेंदुआ फंस गई, जिसके बाद आरोपी वहां से भाग गए।

मृत तेंदुए के मुंह से खून निकल रहा था, लेकिन उसके सभी अंग सुरक्षित हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और विसरा जांच से मौत का सही कारण स्पष्ट होगा। यह इलाका नर्मदा वन परिक्रमा मार्ग में आता है, जहां अक्सर जंगली जानवरों की आवाजाही रहती है। घटना के बाद इलाके में वन विभाग और ग्रामीणों में मिश्रित भय और आक्रोश का माहौल है।

केदारनाथ में 17.68 लाख लोगों ने फैलाया 2300 टन कचरा

अब खच्चरों से लाएंगे, नीचे लाने में 25 करोड़ खर्च होंगे; जलाने पर बैन

रुद्रप्रयाग, 14 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित केदारनाथ धाम में इस साल रिकॉर्ड 17 लाख 68 हजार लोगों ने बाबा केदार के दर्शन किए। इस आस्था के साथ केदारनाथ धाम में 2300 टन कचरे का पहाड़ भी जमा हो गया है। हर यात्री ने औसतन डेढ़ किलो तक कचरा यहां छोड़ा। पिछले साल की तुलना में करीब 150 ग्राम प्रति यात्री ज्यादा रहा। अब इस कचरे को निस्तारित करने में 25 करोड़ रुपए से ज्यादा का खर्च आ रहा है, जो इस उच्च हिमालयी क्षेत्र में मौजूद शिव धाम के पर्यावरण के लिए नई चुनौती खड़ा कर रहा है। केदारनाथ ऊंचे हिमालयी क्षेत्र में है। यहां न तो कचरा जलाने की अनुमति है, न निपटारे प्लांट लग सकता है। केदारनाथ धाम में इस साल करीब 2300 टन कचरा इकट्ठा हुआ। यह गौरीकुंड से लेकर केदारनाथ धाम तक फैला था। जिसमें करीब 100 टन प्लास्टिक कचरा था जबकि 2200 टन बाकी कचरा रहा। यात्रा के दौरान जमा हुआ पूरा कचरा वापस नीचे सोनप्रयाग लाकर निस्तारित करना पड़ता है। यह काम खच्चर करते हैं।

हर खच्चर सिर्फ 10 से 12 किलो तक कचरा ला पाता है। एक फेरा कराने का खर्च 1700 रुपए तक आता है। इसलिए केदारनाथ में फैले कचरे को सोनप्रयाग तक पहुंचाने में करीब 25 करोड़ का खर्च हो रहा है। केदारनाथ के कपाट 23 अक्टूबर 2025 (भैया दूज) को बंद कर दिए गए थे, जिसके बाद बाब अब उखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर में विराजमान हैं।

दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा. रतलाम में बेकाबू कार खाई में गिरी; पांच लोगों की मौत

रतलाम, 14 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रतलाम में दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। जहां दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार को एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में 15 वर्ष का एक बच्चा भी शामिल है। घटना सुबह करीब 08 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, रावटी से 10 किलोमीटर दूर भीमपुरा गांव में घटना माही नदी के पुल से पहले हुई। कार क्रमांक एमएच 03 इएल 1388 नंबर की कार दिल्ली से मुंबई की ओर जा रही थी।

एक्सप्रेसवे पर वाहन अचानक अनियंत्रित हुआ और खाई में जा गिरा। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस व हाईवे पेट्रोलिंग की टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। शवों को बाहर निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए मेडिकल कालेज भेजा गया।

दिल्ली-एनसीआर की सांसों पर गहराया संकट

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में सर्दी के साथ लोगों को जहरीली हवा से भी राहत मिलते नहीं दिख रही हैं। शुक्रवार 14 नवंबर को भी लगातार चौथे दिन वायु की गुणवत्ता गंभीर बनी हुई हैं। दिल्ली के ज़्यादातर इलाकों में एक्यूआई 400 के पार बना हुआ हैं, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हैं। डॉक्टरों ने इन हालात से तत्काल निपटने के लिए कदम उठाने की अपील की है। दिल्ली में शुक्रवार 14 नवंबर को भी आसमान में स्मॉग की गहरी परत छाए दिख रही हैं। हवा में प्रदूषण का स्तर इतना है सूरज की रोशनी भी धुंधली दिख रही हैं। दिल्ली किसी गैस चैंबर से कम नहीं दिख रही है। आने वाले दिनों में भी प्रदूषण से लोगों को राहत नहीं मिलने की उम्मीद नहीं है। जल्दी ही पराली के धुएं का असर भी एनसीआर पर दिखेगा, ऐसे में हवा में और जहर घुलने का अनुमान हैं।

दिल्ली एनसीआर की हवा जहरीली बनी हुई हैं। आज सुबह वजीरपुर में सबसे अधिक हवा में प्रदूषण का स्तर देखा गया है। सुबह सात बजे यहां का एक्यूआई 447 तक पहुँच गया। वहीं दूसरे नंबर पर दिल्ली का चांदनी चौक इलाका रहा यहां एक्यूआई 445 रिकॉर्ड किया गया, बवाना में 442, अशोक विहार में 422, आईटीओ 431, विवेक विहार में 430, सोनिया विहार में 420, आनंद विहार में 410, नजफगढ़ में 402, ओखला में वायु गुणवत्ता सूचकांक 401 दर्ज किया गया।

केंद्रीय प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड ने आज दिल्ली के 39 निगरानी स्टेशनों में से 28 पर हवा में प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में दर्ज किया है। दिल्ली एनसीआर की हवा अब लोगों के स्वास्थ्य पर भी असर डाल रही है। अस्पतालों में साँस के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही हैं। बच्चों और बुजुर्गों के साथ युवाओं के लिए भी ये बेहद ख़तरनाक है।

दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण का जो स्तर है वो लोगों के लिए बेहद ख़तरनाक है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण का असर सिर्फ फेफड़ों पर ही नहीं पूरे शरीर पर पड़ता है। प्रदूषण के कण फेफड़ों के जरिए हमारे ख़ून में समा जाते हैं, जिसके बाद ये पूरे शरीर में फैल जाते हैं। डॉ त्रेहन ने कहा प्रदूषण के कणों की वजह से ब्लड प्रेशर बढ़ता है और उसका असर हमारे हार्ट पर पड़ता है जिसकी वजह से हार्ट अटैक के मामलों में भी बढ़ोतरी हो रही हैं। जिन्हें फेफड़ों की समस्या है या साँस लेने में दिक्कतें हैं उनके लिए ये और भी ज्यादा ख़तरनाक है। इसका असर बच्चों पर भी बेहद ख़तरनाक है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 15 नवंबर- 2025

विकास की राजनीति जंगलराज की परिकल्पना पर भारी

सुरेश गांधी

बिहार के ताजा चुनाव नतीजों ने साफ कर दिया है कि राज्य की जनता ने इस बार स्थिरता, विकास और कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता दी है। मतगणना के रुझानों में एनडीए का लगातार आगे रहना सिर्फ एक राजनीतिक जीत नहीं, बल्कि बदलती जनभावनाओं का संकेत है। नीतीश कुमार नेतृत्व वाली सरकार की ओर झुकता जनादेश बताता है कि मतदाता इस समय 'स्थिर विकास' और 'सुरक्षा की गारंटी' को सर्वाधिक महत्व दे रहे हैं। लेकिन इस विजय के पीछे सिर्फ एक कारण बताना आसान नहीं। इस जीत का कैनवास कहीं बड़ा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रभाव, नीतीश की प्रशासनिक साख, स्थानीय विकास योजनाएं, विपक्ष की रणनीतिक कमजोरी और जातीय समीकरणों का बदला हुआ रुझान, सभी ने मिलकर एक संयुक्त ऊर्जा पैदा की, जिसने एनडीए को निर्णायक बढ़त दिलाई।

यह चुनाव इस मायने में भी अहम है कि इसने राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रभाव को एक बार फिर स्थापित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्मा, उनके द्वारा प्रस्तुत 'नए भारत' की कल्पना, विकास-उन्मुख नीतियों और सामाजिक, आर्थिक परिवर्तन की सोच लोगों तक सीधी पहुंच रखती है। दूसरी ओर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासन की छवि, कठोर प्रशासन, निर्णायक कार्रवाई, कानून-व्यवस्था पर पूर्ण नियंत्रण, बिहार के मतदाताओं को आश्वस्त करती रही। मोदी - योगी की संयुक्त छवि ने एक वैचारिक ढांचा दिया, सरकार कठोर भी हो सकती है और संवेदनशील भी। विकास का काम सिर्फ कागज पर नहीं, ज़मीन पर संभव है। भ्रष्टाचार, अपराध, माफिया-राज और जातीय उन्माद से ऊपर उठकर भी राजनीति चल सकती है। बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी सर्किलों तक, यह संदेश लगातार गूंजता रहा कि भाजपा नेतृत्व वाली सरकार स्थिरता और सुरक्षा का भरोसा देती है। इस भरोसे ने परिणामों को निर्णायक बनाया।

इस चुनाव की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि युवा मतदाताओं ने बड़ी संख्या में एनडीए को समर्थन दिया। यह पीढ़ी जातीय जकड़न से मुक्त है, रोजगार और अवसरों पर केंद्रित है, तकनीक और वैश्विक परिवर्तनों को समझती है। इसे वह नेतृत्व पसंद आता है जो स्पष्ट दिशा देता है और प्रदर्शन के आधार पर वोट मांगता है। फिरहाल, बिहार का जनादेश सिर्फ चुनाव नहीं, भविष्य का खाका है। 2025 का बिहार चुनाव इतिहास में एक निर्णायक मोड़ के रूप में दर्ज होगा। इसने भारतीय लोकतंत्र को बताया कि जनता विकास को प्राथमिकता देती है, अपराध और भ्रष्टाचार के प्रति शून्य-सहिष्णुता चाहती है, महिलाओं और युवाओं का वोट अब निर्णायक शक्ति बन चुका है, राष्ट्रीय नेतृत्व का प्रभाव अब भी मजबूत है, सुशासन का मॉडल अब भारत की नई पहचान है। बिहार ने यह भी सिद्ध किया है कि राजनीति अब उस दिशा में बढ़ रही है जहां नीति, प्रदर्शन, नेतृत्व, और विकास ही जनादेश की असली कसौटी होंगे। आज बिहार की जनता ने जिस स्थिरता और सुशासन पर भरोसा जताया है, वह आने वाले वर्षों में भारत के राजनीतिक धारा की दिशा निर्धारित करेगा। और यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है, जनादेश देश का भविष्य गढ़ता है। खास यह है कि चुनाव में युवाओं की प्राथमिकताएं तीन रहीं : 1. रोजगार और उद्यमिता के अवसर, 2. आधुनिक शिक्षा और तकनीकी ढांचे का विस्तार, 3. सुरक्षित सामाजिकदृआर्थिक वातावरण. एनडीए ने इन तीनों मुद्दों पर अपनी नीतियों, कार्यक्रमों और चुनावी संदेश में मजबूती के साथ बात रखी। इसी कारण युवाओं में मोदी, योगी के प्रति विश्वास मजबूत हुआ, क्योंकि वे दोनों नेतृत्व परफॉर्मेंस-बेस्ड गवर्नेंस का मॉडल पेश करते हैं। इस पीढ़ी ने यह भी स्पष्ट किया कि उसे ऐसी पार्टियां पसंद नहीं जो केवल नारा-आधारित राजनीति करती हैं। वह चाहता है कि राजनीतिक स्थिरता बनी रहे, ताकि विकास की गति प्रभावित न हो।

बिहार ने दिखाया कि महिला सशक्तिकरण अब सिर्फ योजना नहीं, जनादेश है. इस बार महिलाओं की वोटिंग पैटर्न ने बिहार के चुनाव को नई दिशा दी। किसी भी चुनाव में महिलाओं की इतनी संगठित और प्रभावी भूमिका पहले कभी दिखाई नहीं दी, चाहे मतदान प्रतिशत हो, प्रत्याशियों का चयन हो, या मुद्दों की प्राथमिकता। इसकी बड़ी वजह रही, महिला सुरक्षा पर सख्त नीति, उज्ज्वला, आवास, शौचालय, नल-जल, मातृत्व लाभ, जनधन जैसे कार्यक्रमों का सीधा लाभ, घरेलू हिंसा, अपराध और सामाजिक असुरक्षा के मुद्दे पर स्पष्ट और निर्णायक शासन मॉडल, सड़कों, बिजली और आवागमन में सुधार की वजह से बढ़ी आर्थिक स्वतंत्रता, महिलाओं ने यह महसूस किया कि एनडीए शासन में उनका जीवन अधिक सुरक्षित, सम्मानजनक और सुविधाजनक है। इसी कारण महिला वोट बैंक निर्णायक रूप से एनडीए की ओर गया। इसके अलावा विकास की राजनीति ने जातीय राजनीति पर निर्णायक बढ़त ली. बता दें, भारतीय राजनीति में जातीय समीकरण हमेशा से महत्वपूर्ण रहे हैं, विशेषकर बिहार जैसे राज्यों में। लेकिन इस चुनाव ने एक बड़ा परिवर्तन दर्ज किया, जहाँ विकास की राजनीति जातीय राजनीति पर भारी पड़ी। एनडीए ने सभी समुदायों को जोड़ने की रणनीति अपनाई। जनता ने पहली बार यह स्पष्ट संदेश दिया, राशन से ज़्यादा रोज़गार जरूरी है, सत्ता से ज्यादा सुरक्षा जरूरी है, वोट से ज्यादा विकास जरूरी है। एनडीए ने पिछले वर्षों में ग्रामीण कनेक्टिविटी, मेडिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर, हर घर बिजली, जल आपूर्ति, कौशल विकास, किसान योजनाओं और सड़क, रेल नेटवर्क में जिस गति से काम किया, वह जनमत में परिवर्तित हुआ।

हमारे लोकतंत्र में यह शायद पहली बार है कि चुनावी परिणाम स्पष्ट रूप से बताता है कि महिलाएं परिवर्तन की धुरी बन चुकी हैं, युवा भविष्य की दिशा तय कर रहे हैं, नेतृत्व की विश्वसनीयता ही वोट की असली कसौटी है, और विकास का मॉडल ही आगे राजनीति चलाएगा। बिहार का जनादेश तीन समूहों की संयुक्त शक्ति है : 1. युवा शक्ति, जो परंपरागत राजनीति से अलग सोचता है, नए अवसर चाहता है, और डिजिटल भारत के साथ विकसित होना चाहता है। 2. नारी शक्ति, जो सुरक्षा, सम्मान और सुविधा के आधार पर वोट करती है और स्वयं को देश के बदलते सामाजिकदृआर्थिक ढांचे का केंद्र मानती है। 3. विकास-प्रेमी नागरिक, जो जातिदृधर्म से ऊपर उठकर अपने गांव - कस्बे की सड़कें, बिजली, पानी, अस्पताल और शिक्षा को प्राथमिकता देता है। इन तीनों की संयुक्त दिशा ने एनडीए को अभूतपूर्व समर्थन दिया और यह बताता है कि देश की राजनीति अब परिपक्व हो चुकी है।

यह अब राजनीतिक सत्य बन चुका है कि राष्ट्रीय स्तर के करिश्माई नेतृत्व का प्रभाव राज्यीय चुनावों में भी पड़ता है। बिहार में भी ऐसा ही हुआ। मोदी की विकास-धारा और योगी की सख्त कानून-व्यवस्था वाली छवि ने बिहार के वोटरों को भरोसा दिलाया कि एनडीए की सरकार सुरक्षा और प्रशासन दोनों को स्थिर रखेगी। हालांकि चुनाव सिर्फ पोस्टर-चेहरों पर नहीं जीते जाते। भाजपा-जद(यू) के जमीनी कार्यकर्ताओं, बूथ प्रबंधन, लाभान्वित वर्गों के टार्गेटेड आउटरीच और ग्रामीण बस्तियों में लगातार संपर्क ने इस 'नेतृत्व प्रभाव' को वास्तविक वोट में बदलने का काम किया।

काम कर गया मोदी का नारा

बिहार चुनाव में ऐसी बंपर जीत की तो शायद खुद एनडीए ने भी कल्पना नहीं की होगी। वहीं, महागठबंधन की बढ़त घटकर 30 पर आ गई है। इस चुनाव में पीएम मोदी का 'अबकी बार, नहीं चाहिए कट्टा सरकार' वाला प्रचार भी पूरी तरह प्रभावी दिखाई दिया। उन्होंने अपने प्रचार के दौरान कहा था कि यदि मतदाता भटके तो 'जंगलराज' वाले सत्ता में आने के लिए बेचैन बैठे हैं। इन लोगों को जनता की सेवा नहीं करनी, इन्हें जनता को कट्टा दिखाकर लूटना है। राजद का गाना चल रहा है, 'मारब सिक्सर के, 6 गोली छाती में।' यही इनका तौर-तरीका और प्लान है। जब राजद के लोगों से कोई भी सवाल पूछेंगे तो यही जवाब मिलेगा, 'मारब सिक्सर के, 6 गोली छाती में। आखिर जंगलराज की आहट यह नहीं तो और क्या है? पीएम मोदी ने यह बयान 7 नवंबर को भभुआ की एक जनसभा में दिया था। आज, 14 नवंबर को बिहार के मतदाताओं ने उनकी बातों पर अमल करते हुए एक बार फिर एनडीए सरकार का परचम फहरा कर बिहार के विकास की कहानी लिख दी है। नीतीश कुमार के चेहरे पर चुनाव लड़ने वाली एनडीए ने इस बार बिहार चुनाव में 203 सीट जीती है। वहीं, चुनाव परिणामों ने राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव को ऐसा करारा झटका दिया है, जिससे उनकी राजनीतिक पारी ही लडखडा गई है। तेजस्वी यादव की पार्टी अपना पिछला प्रदर्शन बरकरार रखने में भी नाकामयाब रही। एनडीए के इस दमदार प्रदर्शन में कहीं ना कहीं पीएम मोदी का 'अबकी बार, नहीं चाहिए कट्टा सरकार' के चुनाव प्रचार की भी अहम भूमिका रही। पीएम मोदी के साथ ही सीएम नीतीश कुमार ने भी चुनाव प्रचार में कट्टा, कैश के साथ करप्शन के जंगलराज की बात को जनता के सामने रख कर महागठबंधन की चूलें हिला दी। पीएम मोदी ने चुनाव प्रचार के दौरान औरंगाबाद, भोजपुर, नवादा से लेकर बेतिया की जनसभा में कट्टा सरकार और लालू यादव के जंगलराज का जिक्र किया था। पीएम मोदी ने औरंगाबाद की रैली में जनता को संबोधित करते हुए कहा था कि इस विधानसभा चुनाव में एनडीए की सबसे बड़ी जीत पक्की है। बिहार चुनाव पर एनडीए की बंपर जीत के बाद पीएम मोदी का ये वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जबर्दस्त रूप से चर्चित हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा में महागठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा था कि 'जंगलराज वालों' के पास वह सब कुछ है, जो नौकरी और निवेश दोनों के लिए खतरा है। राजद समर्थक खुली घोषणा कर रहे हैं कि 'भैया की सरकार' आएगी तो कट्टा, दोनाली और फिरौती, यही सब चलेगा। दूसरी ओर सीएम नीतीश कुमार अपनी चुनावी सभाओं में जंगलराज बनाम अपने शासनकाल के विकास की बात करते थे। नीतीश कुमार का कहना था कि 2005 से अब तक जनता ने लगातार सेवा का अवसर दिया है। जब हमने बिहार की बागडोर संभाली थी, तब राज्य की स्थिति बेहद खराब थी, उस समय बिहारी कहलाना अपमान समझा जाता था। लेकिन आज, बिहारी कहलाना सम्मान की बात है। नीतीश का कहना था कि सरकार ने सबसे पहले विधि-व्यवस्था को सुधारा, जिससे अपराध में कमी आई और लोगों में सुरक्षा की भावना बढ़ी। उन्होंने कहा कि उसके बाद शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पेयजल, कृषि और युवाओं के रोजगार जैसे क्षेत्रों में लगातार सुधार किए गए। उनके कामों का सुफल आज पूरे देश ने देख लिया। इसके साथ ही एनडीए सरकार के सामने एक बार फिर सुशासन की चुनौती भी आ खडी हुई है।

आखिर क्या होता है-'व्हाइट कॉलर टेररिज्म ? '

सुनील महला

10 नवंबर 2025 को राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास हुए आतंकी धमाके में अब तक 13 लोगों की जानें गईं बता रहे हैं,यह बहुत ही दुखद है। वास्तव में, यह हमला कहीं न कहीं हमारे देश की सुरक्षा व्यवस्था पर भी एक प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। हालांकि,जांच एजेंसियां,सुरक्षा बल अपना काम लगातार कर रहें हैं, तथा हमले के तार कहां से लेकर कहां तक जुड़े हैं,इसके बारे में पता लगाने का पूरा प्रयास कर रहे हैं, लेकिन आज नक्सलवाद की भांति ही आतंकवाद पर भी नकेल कसने की जरूरत है।हाल फिलहाल,इस आतंकी हमले (10/11) के तार जहां तक पहुंच रहे हैं, उससे यह अवधारणा तो कहीं न कहीं टूटती नज़र आती है कि आर्थिक-सामाजिक रूप से हाशिए पर पहुंचे लोगों को धार्मिक कट्टरता का पाठ आसानी से पढ़ाया जा सकता है। दरअसल ,हाल ही में भारत में पकड़े गए कुछ आतंकी मॉड्यूल/संदिग्धों ने इस प्रकार के आतंकवाद के विस्तार को उजागर किया है, जिसमें उच्च पदस्थ और संपन्न वर्ग के लोग शामिल पाए गए हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो दिल्ली धमाके में जांच एजेंसियों ने जो नाम उजागर किए हैं, उनमें विश्वविद्यालयों में पढ़ने-पढ़ाने वाले, टेक्नोलॉजी और सोशल नेटवर्किंग की गहरी समझ रखने वाले लोग हैं और इन्हें 'सफेदपोश आतंक तंत्र' (वाइट कॉलर टेरर इकोसिस्टम) के रूप में परिभाषित किया जा रहा है।पाठक इस बात को अच्छी तरह समझते हैं कि 'व्हाइट कॉलर आतंकवाद' शब्द आतंकवाद का वास्तविक रंग नहीं है, बल्कि यह एक प्रकार के आतंकवाद को परिभाषित करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक रूपक है। वैसे, यहां पाठकों को बताता चलूं कि व्हाइट-कालर आतंकवाद एक ऐसा शब्द है जो उन गतिविधियों के लिए प्रयोग किया जाता है, जिनमें आतंकवादी या अपराधी हथियारों या बमों का उपयोग नहीं करते, बल्कि आर्थिक(साइबर अटैक, बैंकिंग फ्रॉड, बड़े स्तर पर घोटाले, डेटा चोरी, फेक न्यूज़ फैक्टरी, शेयर बाजार में हेराफेरी आदि), तकनीकी, प्रशासनिक या डिजिटल माध्यमों से समाज, सरकार या किसी संस्था को गंभीर नुकसान पहुँचाते हैं। सरल शब्दों में कहा जा सकता है कि व्हाइट-कालर आतंकवाद वह आतंकवाद है जो कलम, कंप्यूटर और पैसे के जरिए किया जाता है-जिसका असर बंदूक,बम से चलाए गए आतंक जितना ही घातक हो सकता है। बहरहाल,यह वाकई बहुत ही चिंताजनक है कि आज शिक्षित और पेशेवर लोग यदि आतंकवाद में शामिल हो रहे हैं, जैसा कि हाल ही में (आतंकी हमलों के तार जुड़े होने के क्रम में) यह सामने आया है।जब डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर या अन्य तकनीकी विशेषज्ञ आतंकी बनेंगे, या आतंकवादी घटनाओं में शामिल होंगे, तो यह तो ठीक वही बात हुई,कि बाड़ ही अब खेत को खाने लगी है या यूं कहें कि रक्षक ही अब भक्षक बन रहे हैं। वास्तव में, यहां कहना ग़लत नहीं होगा कि आज व्हाइट कालर आतंकवाद देश के लिए एक चुनौती है।दिल्ली धमाके मामले में अब तक जितने भी संदिग्धों के नाम सामने आए हैं, उनमें से अधिकतर पढ़े-लिखे, पेशेवर लोग हैं। कहने को तो ये पढ़े-लिखे और डिग्रीधारक(डॉक्टर) हैं, लेकिन इनका असली काम आतंकवाद फैलाना और आतंकी गतिविधियों में शामिल होना है। इनके तार दिल्ली, हरियाणा से लेकर जम्मू-कश्मीर तक जुड़े बताए जा रहें हैं, जो दर्शाता है कि देश में व्हाइट कॉलर आतंकियों का नेटवर्क बढ़ रहा है।अब तक आतंकवाद के प्रमुख कारणों में राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक और सामाजिक असमानता, धार्मिक या वैचारिक कट्टरता, राजनीतिक उत्पीड़न, विदेशी हस्तक्षेप और जातीय तनाव आदि को माना जाता रहा है। यह माना जाता रहा है कि इन सभी कारकों से समाज में असंतोष और निराशा पैदा होती है, जो लोगों को हिंसक रास्ते या आतंकवाद का रास्ता अपनाने के लिए उकसा सकती है, लेकिन व्हाइट कॉलर आतंकवाद इस धारणा को तोड़ता है। आज एआइ व आधुनिक तकनीक, सोशल मीडिया का जमाना है, और यह संभव है कि सोशल मीडिया के इस आधुनिक युग में कहीं भी दूर बैठे ही, संचार के आधुनिक साधनों/उपकरणों की मदद से इन पेशेवर व पढ़े लिखे लोगों के मन में कट्टरपंथियों/आतंकियों ने जहर भर दिया गया हो। अब हमारे देश के सुरक्षा बलों, हमारी सरकारों, हमें स्वयं और हमारी सभी खुफिया एजेंसियों को सिर्फ आतंकवाद से ही नहीं लड़ना है, बल्कि इसके उन्नत रूप 'व्हाइट कॉलर आतंकवाद' से भी लड़ना है।हम यदि मिलकर इस दिशा में काम करेंगे तो कोई दोराय नहीं कि हम इनको(आतंकियों व इनके आकाओं) न पकड़ पाएं। बहरहाल, ऐसा भी नहीं है कि 'व्हाइट कॉलर आतंकवाद' का कंसेप्ट कोई नया कंसेप्ट है। पहले भी दुनियाभर में कई मामले ऐसे सामने आए हैं, जहां आतंकी संगठनों को बौद्धिक या तकनीकी सहायता देने के बाद उच्च शिक्षित युवा खुद भी आतंकी हरकतों को अंजाम देने लगे हैं, लेकिन चिंताजनक बात यह है कि भारत में भी इस तरह का आतंकवाद अब सामने आने लगा है या यूं कहें कि भारत के खिलाफ इस तरह के आतंकवाद की साज़िश अब रची जाने लगी है, जैसा अब सामने आ रहा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आतंकियों की जो लीडरशिप रही है, अमूमन वह भी उच्च शिक्षित, पेशेवर रही है। उदाहरण के तौर पर आतंकी संगठन अलकायदा का संस्थापक अल जवाहिरी मेडिकल सर्जन था,तो वहीं दूसरी ओर अल-कायदा नामक आतंकी संगठन का संस्थापक और प्रमुख ओसामा बिन लादेन,जो कि दुनिया का सबसे ख़तरनाक अंतरराष्ट्रीय आतंकी माना गया था, साथ ही जो 11 सितंबर 2001 को अमेरिका में हुए वर्ल्ड ट्रेड सेंटर हमलों का मुख्य साज़िशकर्ता था, तथा जो 2 मई 2011 को पाकिस्तान के एबटाबाद में अमेरिकी नेवी सील्स के ऑपरेशन में मारा गया, के पास भी इंजीनियरिंग की डिग्री थी।इसी प्रकार से आइएसआइएस के पूर्व सरगना अबू बकर बगदादी ने भी एक स्कॉलर के रूप में अपनी धाक जमा रखी थी। यहां पाठकों को बताता चलूं कि, जैसा कि मीडिया में भी यह खबरें आतीं रहीं हैं कि अलकायदा और आइएसआइएस जैसे संगठन तो डॉक्टरों और इंजीनियरों जैसे पेशेवरों की अपने संगठन में भर्ती का विशेष अभियान चलाते रहे हैं। अंत में, यही कहूंगा कि शिक्षा आतंकवाद के खिलाफ सबसे प्रभावी, दीर्घकालिक और शांतिपूर्ण हथियारों में से एक मानी जाती है, जैसा कि इसका प्रभाव सीधे व्यक्ति के सोचने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता पर पड़ता है। वास्तव में, अशिक्षा और आधी-अधूरी जानकारी आतंकवादी संगठनों का सबसे बड़ा हथियार होती है। शिक्षा तार्किक सोच, वैज्ञानिक दृष्टि और सही-गलत में फर्क समझने की क्षमता विकसित करती है। इससे युवाओं को कट्टरपंथी प्रचार से बचाया जा सकता है। हालांकि, बहुत ही दुखद है कि आज शिक्षित युवा भी नफरत, कट्टरता की राह चुन रहे हैं तो अहम सवाल यह है कि हमारी शिक्षा प्रणाली ने हमारे युवाओं में ज्ञान और समझ, नैतिकता और मूल्यों, अनुशासन और जिम्मेदारी, आत्मविश्वास और व्यक्तिगत विकास, तार्किक सोच,रचनात्मकता और नवाचार, सामाजिकता और नेतृत्व क्षमता, सहानुभूति और संवेदनशीलता और देश प्रेम की कितनी शिक्षा दी?

धरती की धड़कन का नाम है-बिरसा मुंडा

आरके जैन

कभी-कभी धरती खुद एक मनुष्य के रूप में जन्म लेती है-अपने जंगलों, नदियों और जनजातियों के अधिकार की रक्षा करने के लिए। बिरसा मुंडा ऐसे ही धरती के पुत्र थे, जिन्हें लोग स्नेह से धरती आबा कहते हैं। जब आदिवासियों की मिट्टी छीनी जा रही थी, जब जंगलों की सांसें सरकारी आदेशों में कैद हो रही थीं, जब जनजातीय अस्मिता को "असभ्यता" कहकर कुचला जा रहा था-तभी धरती ने अपने आँचल से बिरसा को जन्म दिया, ताकि वह अपनी संतानों को जगाकर कह सके -"यह धरती तुम्हारी है, किसी शासक की नहीं।"

15 नवम्बर 1875 को झारखंड के उलीहातू गाँव में जन्मे बिरसा मुंडा वास्तव में असाधारण व्यक्तित्व थे। बचपन की गरीबी, अन्याय और शोषण ने उनके भीतर ऐसी अग्नि प्रज्वलित की, जो आगे चलकर 'उलगुलान' अर्थात महाविद्रोह में बदल गई। यह विद्रोह केवल शासन के विरुद्ध नहीं था, बल्कि आत्मा की स्वतंत्रता का उद्घोष था। बिरसा ने अपने लोगों को जगाया और सिखाया कि वे केवल जंगलों के वासी नहीं, बल्कि उसके रक्षक हैं। उनकी गर्जना गूँजी-"हम अपनी जमीन, अपने जंगल और अपनी पहचान की रक्षा करेंगे, चाहे इसके लिए प्राण ही क्यों न देने पड़ें।"

बिरसा मुंडा का आंदोलन केवल अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ नहीं था, बल्कि उस मानसिकता के विरुद्ध था जो सदियों से आदिवासियों को हीन समझती आई थी। उन्होंने धर्म के नाम पर फैले अंधविश्वासों को तोड़ा, भय की जंजीरों को तोड़ा और अपने समाज में आत्मविश्वास का संचार किया। उनका उद्घोष - "अबुआ दिसुम, अबुआ राज" (हमारा देश, हमारा राज)-आज भी जनजातीय स्वाभिमान और गौरव की गूंज बनकर पूरे भारत में प्रतिध्वनित होता है। उनका जीवन भले ही छोटा था-मात्र 25 वर्षों का, परंतु जिनकी सोच युगों को दिशा देती है, उनके लिए उम्र नहीं, विचारों की गहराई मायने रखती है। शरीर को कैद किया जा सकता है, किंतु विचारों की उड़ान को नहीं। 1900 में रांची जेल की दीवारों के भीतर बिरसा का देहांत हुआ, पर उनकी आत्मा आज भी जंगलों की सरसराहट में, पहाड़ियों की गूँज में जीवित है। जब-जब कोई जनजाति अपनी पहचान के लिए उठ खड़ी होती है, जब-जब कोई अन्याय के विरुद्ध आवाज़ बुलंद करता है - तब धरती की गोद में कहीं न कहीं धरती आबा मुस्कराते हैं, जैसे कह रहे हों-"मैं अब भी यहीं हूँ, तुम्हारे संग, तुम्हारे भीतर।" 2021 में भारत सरकार ने 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया। 2025 में उनकी 150वीं जयंती मना रहे हैं। लेकिन यह सिर्फ सरकारी आयोजन नहीं है, यह उस आग की याद है जो बिरसा ने प्रज्वलित की थी। आज जब हम "स्मार्ट सिटी" और ऊँची इमारतों की बात करते हैं, तो भूल जाते हैं कि उन नींवों में किसी आदिवासी मज़दूर का पसीना मिला है। असली बुद्धिमत्ता तो उन्हीं की थी, जिन्होंने बिना मशीनों के जंगलों को जीवित रखा। असली गौरव तब होगा जब हर आदिवासी गाँव में शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली की सुविधा होगी-और सबसे बढ़कर, उसकी भूमि उसी की रहेगी। बिरसा मुंडा को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम उनके सपनों को जीएँगे, न कि केवल उनकी मूर्ति बनाकर, उनकी मूर्ति के आगे दीप जलाएँगे।

बिरसा ने हमें सिखाया कि विकास का अर्थ केवल सड़कें और बिजली नहीं है। विकास का अर्थ है-हर बच्चे को अपनी भाषा में शिक्षा का अधिकार हो, हर स्त्री को अपने जंगल से लकड़ी लाने की स्वतंत्रता हो, हर किसान को अपनी मिट्टी पर स्वामित्व का हक़ हो। उनका संदेश स्पष्ट था-"यदि तुम प्रकृति को लूटोगे, तो प्रकृति तुम्हें लूटेगी।" उन्होंने साबित कर दिया कि सच के साथ खड़ा एक अकेला इंसान भी सत्ता की नींव हिला सकता है।

आज का भारत जब "विकास" की परिभाषा को ऊँची इमारतों और चमकती सड़कों में खोज रहा है, तब बिरसा मुंडा की विरासत हमें यह स्मरण कराती है कि सच्ची प्रगति वही है, जो प्रकृति के साथ कदम मिलाकर चले, उसके विरुद्ध नहीं। उन्होंने सिखाया कि धरती माता हमारी संपत्ति नहीं, हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने दिखाया कि शिक्षा, एकता और आत्मसम्मान किसी भी तलवार से अधिक शक्तिशाली हैं।

बिरसा मुंडा का जीवन एक प्रश्न की तरह आज भी हमारे सामने है - क्या हम उस समाज के लिए खड़े हैं, जिसके लिए उन्होंने अपना जीवन न्योछावर किया? क्या हम उस धरती की रक्षा कर रहे हैं, जो उनके नाम से पहचानी जाती है? उनकी 150वीं जयंती केवल दीप जलाने या भाषण देने का अवसर नहीं, बल्कि एक संकल्प का क्षण है-उस भारत के निर्माण का, जहाँ हर जनजाति, हर समुदाय, हर व्यक्ति को अपनी पहचान पर गर्व हो। धरती आबा ने कहा था-"मिट्टी का कर्ज चुकाना है, तो उसकी इज़्ज़त करना सीखो।" यही वह अमर संदेश है जो हमें नई दिशा देता है। आज जब देशभर में जनजातीय गौरव वर्ष मनाया जा रहा है, यह केवल सम्मान नहीं, बल्कि पुनर्जागरण का समय है-जब हम धरती आबा के उस स्वप्न को साकार कर सकते हैं जिसमें विकास और संस्कृति, आधुनिकता और परंपरा, मनुष्य और प्रकृति-एक साथ आगे बढ़ते हैं। धरती आबा का नाम अब इतिहास की सीमाओं में नहीं, बल्कि हर उस हृदय में धड़कता है जो समानता, स्वतंत्रता और प्रकृति से प्रेम करता है। वह आज भी जीवित हैं-हर जंगल की हरियाली में, हर पहाड़ी की ठंडी हवा में, और हर उस बच्चे की मुस्कान में जो अपनी मिट्टी पर गर्व करता है।

धरती पर उष्णता का संकट। पर्यावरण से खेलता मानव।

संजीव ठाकुर

धरती आज मनुष्य की अविवेकपूर्ण गतिविधियों से व्यथित और तपते हुए संकट से गुजर रही है। औद्योगिकीकरण की अंधी दौड़, प्रदूषण का अविरल फैलाव, वनों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों का निरंकुश दोहन इन सभी ने धरती के जलवायु संतुलन को बुरी तरह चोट पहुँचाई है। परिणाम यह है कि धरती असामान्य रूप से तप रही है, ऋतुचक्र असंतुलित हो गया है, बादल कभी प्रलय बरसा देते हैं तो कभी महीनों तक रूठे रहते हैं और धरती पर गहरी दरारें छोड़ जाते हैं। इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज और विश्व मौसम विज्ञान संगठन की रिपोर्टों के अनुसार औद्योगिक क्रांति के बाद से धरती का औसत तापमान लगभग 1.2 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। यह सुनने में छोटा-सा आंकड़ा लगता है, लेकिन इसके प्रभाव विनाशकारी हैं हिमखंड पिघल रहे हैं, समुद्री जलस्तर बढ़ रहा है और उष्णकटिबंधीय तूफानों की तीव्रता बढ़ती जा रही है। भारत, जो कृषि प्रधान देश है, इस परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। मानसून का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। असम, बिहार और उत्तराखंड में हर वर्ष बाढ़ हजारों घरों को बहा ले जाती है, जबकि महाराष्ट्र, विदर्भ, बुंदेलखंड और राजस्थान जैसे क्षेत्र लगातार सूखे की मार झेलते रहते हैं। 2013 की केदारनाथ त्रासदी और 2018 की केरल बाढ़ ने स्पष्ट कर दिया कि जलवायु परिवर्तन सिर्फ पर्यावरण का नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व का संकट है। किसानों की आत्महत्याएं यह बताती हैं कि सूखा अब केवल प्राकृतिक समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक त्रासदी बन चुका है। दुनिया के अन्य हिस्सों में भी स्थिति उतनी ही भयावह है।चीन की यांग्त्ज़ी नदी की बाढ़ हर वर्ष करोड़ों लोगों को प्रभावित करती है; अफ्रीका का साहेल क्षेत्र लगातार सूखे और भुखमरी से लड़ रहा है। अमेरिका के कैलिफ़ोर्निया और ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में आग प्रत्येक वर्ष नई-नई त्रासदियां लाती है; यूरोप में गर्मी की लहरें हजारों लोगों की जान ले चुकी हैं; बांग्लादेश और नेपाल जैसे देश बाढ़ और तूफानों के स्थायी संकट में जी रहे हैं। यह स्पष्ट हो चुका है कि वैश्विक उष्णता ने किसी महाद्वीप, किसी देश, किसी जनसमूह को बख्शा नहीं है। प्रकृति के प्रति भारत का प्राचीन दृष्टिकोण अत्यंत संवेदनशील रहा है। ऋग्वेद में वायु, वर्षा और अग्नि की स्तुति में प्रकृति संरक्षण का गूढ़ संदेश निहित है। महात्मा गांधी ने चेताया था कि धरती मनुष्य की आवश्यकताएं तो पूरी कर सकती है, पर उसके लालच को नहीं। दुर्भाग्य यह रहा कि हमने इस चेतावनी को अनसुना कर दिया। यह संकट अचानक नहीं आया है यह हमारी ही गलतियों का परिणाम है। अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, कार्बन और ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन, वनों की कटाई, प्रदूषण, शहरीकरण और संसाधनों का अति-दोहन विकास की चकाचौंध ने हमें अस्थायी सुविधाएं दीं, पर आने वाली पीढ़ियों से उनका सुरक्षित भविष्य छीन लिया। हालांकि स्थिति पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। समाधान हमारे हाथों में है।

कोयला और पेट्रोलियम पर निर्भरता कम कर स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ना आवश्यक है; वनों की कटाई रोककर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करना होगा; जल संरक्षण को जन-आंदोलन का रूप देना होगा; वर्षा जल संचयन, तालाब-कुओं का पुनर्जीवन और नदियों की सफाई अनिवार्य कदम हैं; सौर, पवन और बायोगैस जैसी नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार समय की मांग है; भारत द्वारा अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन के माध्यम से उठाए गए कदमों को और गति देनी होगी; किसानों को सूक्ष्म सिंचाई तकनीक और आधुनिक जल-प्रबंधन पद्धतियों से जोड़ना होगा; और व्यक्तिगत स्तर पर ऊर्जा की बचत, प्लास्टिक का कम प्रयोग तथा हरित जीवनशैली अपनाना आवश्यक है। धरती की तपिश, गरम होता आकाश, अनिश्चित वर्षा और बाढ़-सूखे का तांडव हमें साफ संकेत देते हैं कि समय तेजी से निकल रहा है।

ब्रांडेड भीख

डॉ. सुरेश कुमार

अरी ओ! दस दिये क्या भाव दिए? एक आवाज हवा को चीरती हुई आई, जैसे किसी महानगरीय देवी ने अपने स्वर्गिक मुख से धरती के तुच्छ प्राणी को संबोधित किया हो। सामने, धूल-धक्कड़ में सने 'गोकुल' नामक एक कुम्हार ने अपनी फटी-पुरानी धोती पर मिट्टी झाड़ते हुए कहा, बीस के दस, माईजी। इतना सुनना था कि 'मिसेज चंपावती' की आँखों में पेट्रोल डाल दिया गया। वे फैलकर इतनी बड़ी हो गईं, मानो अभी-अभी उन्हें 'सोने की चिड़िया' के दर्शन हुए हों। ₹राम! राम! इतना महंगा? अरे ओ अभाग! कौन सा सोना-चाँदी लगा है इसमें? मुफ्त की मिट्टी, मुफ्त का पानी! हाँ! मिट्टी तो तुम क्या, तुम्हारी सात पीढ़ियाँ भी खरीदकर नहीं लाई होंगी! यह तो उस नदी की है, जिसके किनारे हम बचपन में लोटा धोते थे। और हाँ, पानी? अरे, उस पर तो सरकार का अधिकार है! तुम कौन होते हो उसे बेचने वाले? मेहनत! कैसी मेहनत? चाक घुमाना? यह तो तुम्हारे पुरखों का पाप है जो तुम भुगत रहे हो। एक तो पाप भुगतो, ऊपर से हमें लूटो! कैसा जमाना आ गया है!चंपावतीजी का स्वर इतना तीखा था कि आसपास के कुत्तों ने भी अपनी पूँछ दबा ली। गोकुल ने हाथ जोड़ लिए, उसकी आँखों में उस नदी का पानी छलक रहा था, जो अब केवल 'माईजी' के लोटे धोने के काम आती थी। उसने कहा, माईजी, शहर में अब नदी-किनारा मॉल बन गया है। मिट्टी अब 'स्पेशल अर्थ' के नाम से बिकती है। पानी का बिल आता है, और जो यह मेरी बिजली वाली 'चक्री' है न, वह तो बिजली के बिल से मेरा खून चूस लेती है। मेहनत! हाँ माईजी, यह मिट्टी भी खून मांगती है, और भट्टी की आग तो आत्मा तक जला देती है। बचता क्या है? बस, यह टूटा-फूटा घर और दो वक्त की रूखी रोटी का जुगाड़! चंपावतीजी, जिनकी बेशकीमती कार चार गली दूर खड़ी, अपने ड्राइवर को सता रही थी, ने एक महान समझौता करने का निर्णय लिया। उनकी निगाह में गोकुल को 'लूटना' नहीं, बल्कि 'सामाजिक न्याय' की स्थापना करना था। देख, गोकुलवा! मैं हूँ सेठ की बहू। पाँच-दस दिये वाली ग्राहक नहीं हूँ मैं। मैं पूरे पचास दिये ले लूँगी। लेकिन मेरी एक शर्त है। मैं पचास दिये का एक दाम दूंगी, जिससे तेरा भी फायदा हो और मेरा भी। यह जो तू बीस के दस बता रहा है न, यानी सौ के पचास... तो तू एक काम कर। नब्बे रुपए दे दे। मेरी बात मान ले! मैं तेरा नाम सबको बताऊँगी। गोकुल ने मन ही मन हिसाब लगाया। अगर वह नब्बे में देता है, तो उसकी आज की मेहनत का मोल दो वक्त के खाने जितना भी नहीं बचेगा। पर ग्राहक छोड़ना भी तो आजकल का सबसे बड़ा पाप है। उसने मजबूरन हाथ जोड़े और कहा, माईजी, बस अस्सी मत बोलो। नब्बे रुपए दे दो। अब आया चंपावतीजी का असली रंग। उन्होंने अपनी साड़ी का पल्लू थोड़ा और कस लिया, मानो किसी युद्ध की घोषणा करने जा रही हों। अस्सी! हाँ, अस्सी के पचास! इससे एक रुपया ऊपर नहीं दूंगी मैं! यह 'सौदेबाजी' है, गोकुलवा। तुम नहीं जानते, बाजार में ऐसे ही माल बिकता है। नहीं तो मैं जा रही हूँ। याद रखना, एक बड़े ग्राहक को खोने का पाप लगेगा तुझे! गोकुल का हाथ पैकेट से हटा, उसने नम आँखों से 'न हो पायेगा, माईजी' कहकर पैकेट पीछे खींच लिया। उसका दिल जानता था, इस सौदेबाजी में उसकी कला, उसकी विरासत, और उसकी 'अस्सी' साल की माँ की दवा का मोल लगाया जा रहा था। चंपावतीजी ने एक अंतिम 'विजयी' मुस्कान दी, अपनी अकड़ बरकरार रखी और कार में बैठकर, धूल उड़ाती हुई, शहर की ओर चली गईं। कुछ ही घंटों बाद, चंपावतीजी एक ऐसे मॉल के स्वर्गिक, वातानुकूलित और भव्य प्रांगण में थीं, जहाँ की जगमगाहट में गोकुल के दीयों की रोशनी एक जुगनू के समान भी न ठहर पाती। बर्तन, क्रॉकरी, चीनी मिट्टी के खिलौने, विदेशी सजावटी वस्तुएँ—सब कुछ 'सेल' के नाम पर दुगुने दाम पर बिक रहा था। भीड़ इतनी थी कि आदमी-आदमी नहीं, केवल 'ट्रॉली' दिख रहे थे। बिल काउंटर के सामने दो घंटे की लाइन लगी थी।

उत्पन्ना एकादशी :अगहन कृष्ण की 11वीं तिथि पर प्रकट हुई थीं देवी एकादशी

स्कंद पुराण के वैष्णव खंड में एकादशी महात्म्य नाम के अध्याय में सालभर की सभी एकादशियों के बारे में बताया गया है। भगवान विष्णु के शरीर से एक दिव्य शक्ति प्रकट हुई थी, जिसने मूर नाम के असुर का अंत किया था। यही शक्ति एकादशी देवी कहलायी। भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को एकादशी व्रत का महत्व बताया था।

उत्पन्ना एकादशी व्रत से भक्त के नकारात्मक विचार दूर होते हैं, क्रोध शांत होता है और विष्णु जी की कृपा से परेशानियां दूर होती हैं। जो लोग एकादशी व्रत नहीं रख पाते हैं, उन्हें कम से कम भगवान विष्णु और महालक्ष्मी की पूजा जरूर करनी चाहिए।

ऐसे कर सकते हैं एकादशी व्रत

एकादशी व्रत दशमी तिथि की शाम से ही शुरू हो जाता है। उत्पन्ना एकादशी के एक दिन पहले यानी आज दशमी तिथि (14 नवंबर) की शाम भगवान विष्णु का पूजन करें, पूजा के बाद सात्विक भोजन करें। इसके बाद एकादशी तिथि की सुबह सूर्योदय से पहले जागें और स्नान करके सूर्य को जल चढ़ाएं।

घर के मंदिर में विष्णु-लक्ष्मी के सामने एकादशी व्रत और पूजन करने का संकल्प लें। इसके बाद भगवान विष्णु-लक्ष्मी का विधिवत अभिषेक करें। पूजा में ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें। तुलसी के साथ मिठाई का भोग लगाएं।

पूजा के बाद दिनभर निराहार रहें। भूखे रहना संभव न हो तो एक समय फलाहार कर सकते हैं, दूध और फलों के रस का सेवन कर सकते हैं। शाम को भी विष्णु पूजा करें। अगले दिन यानी द्वादशी तिथि पर भी जल्दी जागें। सुबह पूजा करने के बाद जरूरतमंद को खाना खिलाएं, इसके बाद स्वयं भोजन करें। इस तरह एकादशी व्रत पूरा होता है।

इस व्रत में पूजा-पाठ के साथ ही भगवान विष्णु और उनके अवतारों की कथाएं भी पढ़नी-सुननी चाहिए।

एकादशी पर कर सकते हैं ये शुभ काम

विष्णु-लक्ष्मी की पूजा की शुरुआत प्रथम पूज्य गणेश जी के ध्यान के साथ करें। गणेश जी को दूर्वा और मोदक चढ़ाएं, पूजा में ऊँ गं गणपतयै नमः मंत्र का जप करें।

शिवलिंग पर जल, बिल्व पत्र, धतूरा, आंकड़े के फूल चढ़ाएं। चंदन का लेप करें। धूप-दीप जलाएं। मिठाई का भोग लगाएं। ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करें।

हनुमान जी के सामने दीपक जलाएं और हनुमान चालीसा का पाठ करें। समय हो तो सुंदरकांड का पाठ भी कर सकते हैं। आप चाहें तो राम नाम का जप भी कर सकते हैं।

अभी ठंड का समय है, इसलिए जरूरतमंद लोगों को कंबल, ऊनी वस्त्र, जूते-चप्पल दान करें। भोजन कराएं। अन्न, धन का भी दान कर सकते हैं। किसी गौशाला में गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें। गायों को हरी घास खिलाएं।

अगर घर में घुस आई नेगेटिविटी, तो नमक के डिब्बे में रख दें पीली सरसों !

पीली सरसों- पीली सरसों के दानों को नमक के साथ मिलाकर रखने से घर में सकारात्मक बदलाव आने की मान्यता है। नमक की तरह ही, पीली सरसों के दाने भी बुरी नज़र और नकारात्मक ऊर्जा को तुरंत खींच लेने की क्षमता रखते हैं। ये दोनों मिलकर इस प्रक्रिया को और भी शक्तिशाली बना देते हैं।

ज्योतिष शास्त्र में पीली सरसों को देव गुरु बृहस्पति का प्रतिनिधि माना जाता है। बृहस्पति ग्रह को ज्ञान, समृद्धि, भाग्य और विवाह का कारक माना जाता है। जब घर में बृहस्पति की कृपा होती है, तो धन आगमन के नए रास्ते खुलते हैं, आर्थिक स्थिति में सुधार होता है और घर में बरकत बनी रहती है। यह उपाय घर में पैसे के अनावश्यक खर्च को रोकने और बचत को बढ़ाने में भी सहायक माना जाता है।

नमक के डिब्बे में पीली सरसों रखने की विधि

डिब्बा कैसा हो ? नमक रखने के लिए हमेशा कांच या प्लास्टिक के डिब्बे का उपयोग करें। वास्तु शास्त्र के अनुसार, लोहे के बर्तन में नमक कभी नहीं रखना चाहिए, क्योंकि इसे राहु का कारक माना जाता है और यह नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। डिब्बे को रसोई घर के दक्षिण-पश्चिम कोने में रखना सबसे शुभ माना जाता है।

उपाय करने का तरीका

सबसे पहले, नमक के डिब्बे में साबुत सेंधा नमक या खड़ा नमक डालें। पिसे हुए बारीक नमक की जगह सेंधा नमक या समुद्री खड़ा नमक का उपयोग अधिक प्रभावी माना जाता है, क्योंकि यह ऊर्जा को बेहतर तरीके से अवशोषित करता है।

आप इन दानों को या तो किसी साफ, पीले कपड़े की छोटी पोटली बनाकर नमक के बीच में दबाकर रख सकते हैं, या फिर उन्हें सीधे ही नमक के अंदर मिला सकते हैं। यह उपाय आप गुरुवार के दिन या शुक्रवार के दिन करना शुरू कर सकते हैं, जिसे धन और समृद्धि के लिए शुभ माना जाता है। नमक के डिब्बे को हमेशा भरकर रखें। नमक का डिब्बा खाली होना अशुभ माना जाता है।

कब बदलें ?

हर 15 दिन या महीने में एक बार पुराने नमक और सरसों को किसी बहते हुए पानी में या घर से बाहर मिट्टी में विसर्जित कर दें। फिर से नया नमक और पीली सरसों के दाने डालकर डिब्बे को भरकर रखें।

उत्पन्ना एकादशी पर राशि अनुसार करें दान

– **मेष राशि:** एकादशी के दिन भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए लाल रंग का फूल अर्पित करें।

– **वृषभ राशि:** उत्पन्ना एकादशी के दिन सफेद चीजों का दान करें। मान्यता है कि इससे सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

– **मिथुन राशि:** इस दिन हरे रंग के वस्त्र भगवान विष्णु को अर्पित करें। इससे भगवान प्रसन्न होते हैं।

– **कर्क राशि:** भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए खीर का भोग अर्पित करें। मान्यता है कि इससे घर में खुशियां आती हैं।

– **सिंह राशि:** पीले रंग का वस्त्र भगवान विष्णु को अर्पित करें और पीले रंग का वस्त्र धारण भी करें। इससे भगवान प्रसन्न होते हैं।

– **कन्या राशि:** आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं तो सफेद मिठाई के साथ केसर अर्पित करें। इससे घर में सालभर सुख-शांति बनी रहेगी।

– **तुला राशि:** इस दिन सफेद चीजों का दान करें। इससे वैवाहिक जीवन में प्रेम बढ़ता है और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

– **वृश्चिक राशि:** नौकरी-व्यापार में तरक्की पाने के लिए गुड़ का दान करें। इससे नारायण की कृपा बनी रहेगी।

– **धनु राशि:** भगवान विष्णु का आशीर्वाद पाने के लिए पीले वस्त्र, पीले चंदन और पीले फल का दान करें।

– **मकर राशि:** दही और इलायची का भोग अर्पित करें। इससे भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है।

– **कुंभ राशि:** पीपल के पेड़ के नीचे तिल के तेल का दीपक जलाएं। इससे भगवान प्रसन्न होते हैं।

– मीन राशिः गरीबों की सेवा करें, दान करें और भगवान को मिश्री का भोग लगाएं।

इन 4 दिनों में नाखून काटने से आएगी गरीबी !

हमारी परंपराओं में माना जाता है कि कुछ छोटे-छोटे अनुष्ठान करने से शुभता और समृद्धि आती है। इसी तरह, विद्वानों का कहना है कि कुछ खास दिनों में नाखून काटना अशुभ होता है और दरिद्रता लाता है। शास्त्रों के अनुसार, नकारात्मक ऊर्जा से जुड़े इन चार दिनों में नाखून काटने से देवी लक्ष्मी का प्रकोप हो सकता है और आर्थिक तंगी आ सकती है।

शनिवार : ऐसा माना जाता है कि शनिवार को नाखून काटने से शनिदेव क्रोधित होते हैं। इससे शनि का प्रकोप बढ़ता है, जीवन में परेशानियाँ और कठिनाइयाँ बढ़ती हैं। आर्थिक नुकसान और व्यापार में हानि होने की संभावना रहती है।

मंगलवार : ज्योतिषियों का कहना है कि मंगलवार को नाखून काटने से घर में कर्ज़ बढ़ता है और कोर्ट-कचहरी की समस्याएं आती हैं। मंगलवार शक्ति और आक्रामकता से जुड़ा दिन है; इस दिन नाखून काटने से घर में अशुभ घटनाएं घट सकती हैं।

गुरुवार : गुरुवार को भी नाखून नहीं काटने चाहिए। यह दिन भगवान विष्णु को समर्पित है। बड़े-बुजुर्गों का कहना है कि गुरुवार को नाखून और बाल काटने से आयु कम होती है और सौभाग्य नष्ट होता है। ऐसा करने से घर में धन का ठहराव नहीं होता।

अमावस्या : किसी भी महीने की अमावस्या तिथि अशुभ मानी जाती है। इस दिन नाखून काटने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। मानसिक तनाव और भय बना रहता है। देवी लक्ष्मी की कृपा नहीं रहती।

नाखून काटने के शुभ दिनः सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार नाखून काटने के लिए शुभ दिन हैं। विशेषकर शुक्रवार को नाखून काटने से देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। घर में धन-संपत्ति बढ़ती है। इन नियमों का पालन करें और दरिद्रता को दूर भगाएं।

भारतीय महिलाएं क्यों पहनती हैं अपने पैरों में बिछिया ?

भारतीय महिलाएं पैरों में बिछिया पहनती हैं, इसके पीछे गहरे धार्मिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक कारण हैं।

धार्मिक और सांस्कृतिक कारण

विवाह का प्रतीक

बिछिया को सुहाग की निशानी माना जाता है। यह सोलह श्रृंगार का हिस्सा है और दर्शाता है कि महिला विवाहित है।

शुभता और देवी का आशीर्वाद

शास्त्रों के अनुसार, पैरों की दूसरी और तीसरी उंगली में बिछिया पहनने से वैवाहिक जीवन सुखमय होता है और मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने का प्रतीक भी है।

चांदी का महत्व

बिछिया हमेशा चांदी की ही पहनी जाती है क्योंकि चांदी को चंद्रमा का कारक माना गया है। यह मन को शांत रखती है और ग्रहों की बाधा दूर करती है। सोने की बिछिया नहीं पहनी जाती क्योंकि सोना भगवान विष्णु से जुड़ा है और पैरों में पहनना अपमान माना जाता है।

रामायण से जुड़ा प्रसंग

जब रावण सीता का हरण कर रहा था, तब सीता ने अपने आभूषणों के साथ अपने बिछिया भी मार्ग में फेंक दिए थे ताकि श्रीराम उन्हें पहचान सकें। इससे इसका महत्व और बढ़ गया।

वैज्ञानिक और स्वास्थ्य कारण

एक्यूप्रेशर प्रभाव

पैरों की दूसरी और तीसरी उंगली की नसें गर्भाशय और हृदय से जुड़ी होती हैं। बिछिया पहनने से इन नसों पर हल्का दबाव पड़ता है, जिससे प्रजनन क्षमता बढ़ती है और गर्भधारण में मदद मिलती है।

हार्मोन संतुलन

यह दबाव महिलाओं के हार्मोन सिस्टम को संतुलित करता है, जिससे मासिक धर्म नियमित रहता है और थायराइड जैसी समस्याओं की संभावना कम होती है।

चांदी के गुण

चांदी ठंडी प्रकृति की धातु है, जो शरीर की गर्मी को नियंत्रित करती है और नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है। यह पृथ्वी की ध्रुवीय ऊर्जा को भी अवशोषित करती है।

बिछिया पहनना सिर्फ परंपरा नहीं है, बल्कि यह धार्मिक आस्था, ऊर्जा संतुलन, और महिला स्वास्थ्य से जुड़ा एक वैज्ञानिक रूप से लाभकारी अभ्यास है।

अमीर बनने के बावजूद भी गरीब क्यों रहते हैं कुछ लोग ? जानिए वह एक रहस्य

किसी गांव में एक महात्मा अपने दो शिष्यों के साथ आ पहुंचे। वहां की शांति और हरियाली देखकर कुछ दिन वह वहीं ठहर गए। एक दिन महात्मा जी जब भिक्षा मांगने जा रहे थे, सड़क पर एक सिक्का दिखा, जिसे उठाकर उन्होंने झोली में रख लिया। दोनों शिष्य इससे हैरान थे। वे मन में सोच रहे थे कि काश सिक्का उन्हें मिलता, तो वे बाजार से मिठाई ले आते। महात्मा जी भांप गए। बोले यह साधारण सिक्का नहीं है, मैं इसे किसी सुपात्र को दूंगा। पर कई दिन बीत जाने के बाद भी उन्होंने सिक्का किसी को नहीं दिया।

एक दिन महात्मा जी को खबर मिली कि यहां के राजा अपनी विशाल सेना के साथ पड़ोसी राज्य पर हमला करने के लिए इधर से गुजर रहे हैं।

महात्मा जी ने शिष्यों से कहा, ''वत्स! यह स्थान छोड़ने की घड़ी आ गई है।'' शिष्यों के साथ महात्मा जी चल पड़े। तभी राजा जी की सवारी आ गई। मंत्री ने राजा को बताया कि ये महात्मा जा रहे हैं। बड़े ज्ञानी हैं। राजा ने हाथी से उतर कर महात्मा जी को प्रणाम किया और कहा, ''कृपया मुझे विजयी होने का आशीर्वाद दें।''

महात्मा जी ने झोले से सिक्का निकाला और राजा की हथेली पर उसे रखते हुए कहा, ''हे नरेश, तुम्हारा राज्य धन-धान्य से सम्पन्न है, फिर भी तुम्हारे लालच का अंत नहीं है। तुम और पाने की लालसा में युद्ध करने जा रहे हो। मेरे विचार में तुम सबसे बड़े दरिद्र हो इसलिए मैंने तुम्हें यह सिक्का दिया है।''

राजा इस बात का मतलब समझ गए। उन्होंने सेना को वापस चलने का आदेश दिया।

महाभारत में अर्जुन ने किया था सुभद्रा का हरण

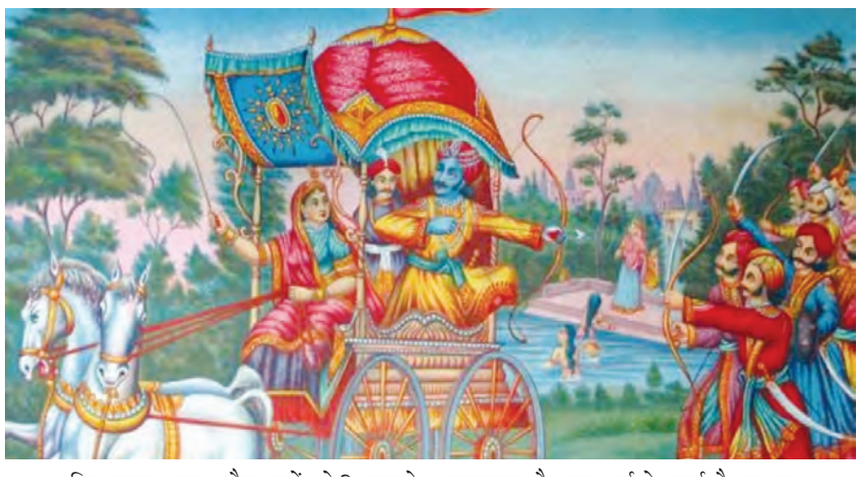

श्रीकृष्ण की बलराम को सीख- रिश्तों में कभी कोई निर्णय क्रोध में नहीं, बल्कि दूरदृष्टि और विवेक के साथ लेना चाहिए श्रीकृष्ण, बलराम और इनकी बहन सुभद्रा से जुड़ा किस्सा है। बलराम चाहते थे कि सुभद्रा का विवाह दुर्योधन से हो। वे मानते थे कि ये गठबंधन कौरवों और यादवों के बीच मित्रता को मजबूत करेगा, लेकिन सुभद्रा अर्जुन से विवाह करना चाहती थीं।

अर्जुन उस समय वनवास में थे, अर्जुन द्वारका आए और श्रीकृष्ण से मिले। श्रीकृष्ण ने अर्जुन के मन की बात जान ली। उन्होंने मुस्कराते हुए कहा कि पार्थ। सुभद्रा भी तुमसे विवाह करना चाहती है। तुम उसका हृदय जीत चुके हो। अब तुम्हें उसका हाथ भी जीतना होगा।

श्रीकृष्ण ने समझाया कि परिस्थिति मुश्किल है, लेकिन सच्चे प्रेम और योग्य निर्णय में साहस की आवश्यकता होती है। श्रीकृष्ण की अनुमति पाकर अर्जुन ने सुभद्रा का अपहरण किया।

जब ये बात यदुवंशियों को मालूम हुई तो बलराम क्रोधित हो गए। उन्होंने आदेश दिया कि युद्ध की तैयारी करो। अर्जुन ने हमारे कुल का अपमान किया है।

बलराम का आदेश मानकर यदुवंश के सभी योद्धा शस्त्र संभालने लगे, लेकिन श्रीकृष्ण मौन बैठे रहे।

श्रीकृष्ण को मौन देखकर बलराम ने पूछा कि कृष्ण। तुम मौन क्यों हो? तुम्हारे कहने पर हमने अर्जुन का सत्कार किया और आज उसने जिस थाली में खाया, उसी थाली में छेद कर दिया है।

श्रीकृष्ण बोले कि भैया, क्रोध में निर्णय कभी सही नहीं होता। सोचिए, अर्जुन को मार देंगे तो सुभद्रा विधवा हो जाएगी और अर्जुन कोई साधारण व्यक्ति नहीं है। वह कुंतीपुत्र, महान धनुर्धर और धर्म का रक्षक है। क्या अपनी बहन का जीवन ऐसे व्यक्ति के साथ बंधना बुरा है?

उन्होंने आगे कहा कि रिश्तों का निर्णय केवल वर्तमान देखकर नहीं करना चाहिए। विवाह एक ऐसा बंधन है, जिसमें अतीत, वर्तमान और भविष्य, तीनों का संतुलन देखना चाहिए। दुर्योधन का भविष्य तो अंधकारमय है; वह अहंकार में डूबा हुआ है, लेकिन अर्जुन का भविष्य उज्जवल है। वह धर्म के मार्ग है। सुभद्रा जैसी पवित्र आत्मा के लिए वही उचित है। इस समय अर्जुन के पास मेरा ही रथ है। मेरे ही अद्भुत घोड़े हैं। उससे युद्ध करना आसान नहीं है। हमें तो उसका स्वागत करना चाहिए कि हमारी बहन ने एक योग्य व्यक्ति को अपना जीवन साथी बनाया है।

श्रीकृष्ण की बातें सुनकर बलराम का क्रोध शांत हो गया। उन्होंने कहा कि अर्जुन और सुभद्रा का रिश्ता स्वीकार कर लिया।

श्रीकृष्ण की सीख

श्रीकृष्ण का ये प्रसंग हमें संदेश दे रहा है कि क्रोध में कभी कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। केवल भावनाओं या परिस्थितियों के आधार पर निर्णय लेने से बचना चाहिए, बल्कि जरूरी निर्णय दूरदृष्टि और विवेक के साथ लेना चाहिए।

वर्तमान के साथ ही भविष्य पर भी ध्यान दें

कई बार हम किसी निर्णय में केवल वर्तमान को देखते हैं। जैसे पैसा, स्थिति या सुविधा, लेकिन सफल निर्णय वही होता है जो भविष्य में स्थिरता और संतोष लेकर आता है। श्रीकृष्ण ने दुर्योधन की शक्ति नहीं, बल्कि उसके स्वभाव और कर्मों को देखा, जो उसे आगे चलकर विनाश की ओर ले जाने वाले थे। हमें भी वर्तमान के साथ ही भविष्य पर ध्यान देते हुए निर्णय लेना चाहिए।

भावनाओं में आकर नहीं, सोच-विचार कर निर्णय लें

क्रोध, अहंकार या आवेश में लिया गया निर्णय हमें अक्सर पछतावा देता है। बलराम क्षणिक क्रोध में युद्ध करना चाहते थे, लेकिन श्रीकृष्ण ने उन्हें संयम और समझदारी का मार्ग दिखाया। हमें जरूरी निर्णय भावनाओं में आकार या क्षणिक आवेश में नहीं लेना चाहिए, बल्कि शांत मन से सोच-विचार करके निर्णय लेने से भविष्य में सफलता मिलने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी।

रिश्तों में योग्यता और संस्कार पर भी ध्यान दें

विवाह हो या कोई साझेदारी, रिश्तों से जुड़े निर्णय लेते समय व्यक्ति का चरित्र, सोच, संस्कार और दृष्टिकोण भी ध्यान दें। योग्यता केवल बाहरी नहीं होती, बल्कि वह संस्कारों से भी झलकती है।

मेरी माँ चाहती हैं कि मैं आसमान छू लूं : 'हरनाज संधू'

वह रात, जब मुझे मिस यूनिवर्स का ताज पहनाया गया- उसी पल सब कुछ बदल गया । वह जीत सिर्फ मेरी नहीं, बल्कि भारत की थी।

चंडीगढ़ में पली-बढ़ी हरनाज संधू, सुष्मिता सेन और लारा दत्ता के बाद तीसरी भारतीय मिस यूनिवर्स है । आगे बढ़कर, उसने महिलाओं के स्वास्थ्य और शिक्षा, मासिक धर्म समानता और संवैधानिक अधिकारों के मुद्दों पर खुलकर काम किया है। मिस यूनिवर्स के अपने कार्यकाल के दौरान और उसके बाद भी वह कई सामाजिक अभियानों और परोपकारी पहलों से जुड़ी रही है । अब वह सिनेमा की दुनिया में कदम रख चुकी है, जहां वह सिर्फ एक अभिनेत्री नहीं, बल्कि सशक्तिकरण की आवाज बनना चाहती है। साजिद नाडियाडवाला की फिल्म 'बागी 4', के साथ इसी साल उसने अपनी बॉलीवुड यात्रा शुरू की है।

किन कलाकारों या निर्देशकों के साथ काम करना चाहेगी ?

"मैं खुद को हमेशा सिनेमा की छात्रा मानती हूं। मुझे बहुत कुछ सीखना और समझना है । और जब सफर की शुरुआत ही इतने बड़े प्रोडक्शन हाऊस से हुई है, तो इससे बड़ा आशीर्वाद क्या हो सकता है? मैं बेहद आभारी हूं और चाहती हूं कि सब कुछ भगवान की कृपा से आगे बढ़े। आगे भी मैं अच्छे फिल्मकारों और कलाकारों के साथ काम करने की उम्मीद करती हूं।

वह पल जिसने जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी ?

'वह रात, जब मुझे मिस यूनिवर्स का ताज पहनाया गया - उसी पल सब कुछ बदल गया । वह जीत सिर्फ मेरी नहीं, बल्कि भारत की थी । उस पल ने 21 साल बाद भारत के लिए मुझे सिखाया कि मेरीमिस यूनिवर्स आवाज और मेरी का खिताब जीतना कैसा लगा ? "मेरा दिल गर्व, सम्मान और आभार कहानी मायने रखती है।

मैं पहले मिस इंडिया और अब मिस यूनिवर्स कहलाने लायक बनी। मुझे यह अवसर मिला कि मैं दुनियाभर की महिलाओं, खासकर रंगभेद झेलने वाली महिलाओं की प्रतिनिधि बन सकूं और समाज में बदलाव लाने के लिए काम कर सकूं। फिल्मों में आने के फैसले पर परिवार का क्या रिएक्शन था ? " मेरा परिवार हमेशा मेरे साथ खड़ा रहा। खासकर मेरी मां, जो मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। वह मेरे पंखों के नीचे की हवा हैं - वह तो बस चाहती हैं कि मैं आसमान छू लूं।

आत्मविश्वास किसने बढ़ाया ?

'बहुत से लोगों ने मुझे प्रेरित किया, लेकिन मेरे पापा ने सबसे ज्यादा। वह मुझे 'शेरनी' कहते थे - पंजाब की, भारत की शेरनी ।'वह कहते - बस खुद बनो, सबको दिखा दो कि हरनाज यहां थी और उसने कमाल कर दिखाया। उनके शब्दों ने मुझे हिम्मत दी कि अब वक्त मेरा है और मुझे इसे चमक से भर देना है ।

3 पसंदीदा फिल्में ?

फिल्म 'मुझसे शादी करोगी' क्योंकि यह मनोरंजन से भरपूर है । 'पद्मावत' उसमें दिखी स्त्री की शक्ति और निडरता मुझे प्रेरित करती है । 'तमाशा' - क्योंकि आत्म-खोज सबसे अनदेखा विद्रोह है । '

हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए कौन-सी तीन चीजें करनी चाहिएं ? 'मैडिटेशन करें, खूब पानी पिएं और खुद को पॉजिटिव एनर्जी से घेरें । डाइट में क्या शामिल करती हैं ? 'मैं घर का बना खाना पसंद करती हूं जिसमें हाई प्रोटीन, फाइबर, नट्स और आइसक्रीम की एक छोटी स्कूप जरूर होती है - ताकि खुश और सेहतमंद दोनों रह सकूं।

प्रेरित रहने का राज ?

खुद पर विश्वास रखो और हमेशा वर्तमान में जियो।

वह हीरोइन, जिनसे हमेशा प्रभावित रही हैं ?

"प्रियंका चोपड़ा।"

हॉरर या कॉमेडी - क्या पसंद है ? कॉमेडी ।

कौन-सा फिल्मी किरदार आपको सबसे ज्यादा अपने जैसा लगता है ? फिल्म 'शोले' की बसंती ।

आपके लिए सुंदरता क्या है ?

'एक पवित्र दिल और शांत मन । '

भारत की सबसे उम्रदराज अभिनेत्री कामिनी कौशल का निधन, 98 की उम्र में ली अंतिम सांस

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के स्वास्थ्य को लेकर चल रहीं खबरों के बीच बॉलीवुड से एक दुखद खबर सामने आई है। भारत की सबसे उम्रदराज अभिनेत्री कामिनी कौशल ने 98 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया है। कामिनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थीं। कामिनी कौशल ने अपने अभिनय से इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई थी। बतौर हीरोइन काम करने के बाद, उन्होंने कई फिल्मों में मां के भी यादगार किरदार निभाए थे।

1927 में लाहौर में हुआ था जन्म

कामिनी कौशल का जन्म लोकप्रिय वनस्पतिशास्त्री प्रोफेसर एसआर कश्यप के घर 24 जनवरी 1927 को लाहौर में हुआ। उनका असली नाम उमा कश्यप था। वे दो भाइयों और तीन बहनों में सबसे छोटी थीं।

20 साल की उम्र में हासिल किया स्टारडम

कामिनी कौशल ने साल 1946 में फिल्म 'नीचा नगर' नगर से करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में कामिनी कौशल ने रूपा की भूमिका निभाई थी। फिल्म 'नीचा नगर' का पहला प्रदर्शन 29 सितंबर 1946 को फ्रांस के कान अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में हुआ। वहां इस फिल्म को 'गोल्डन पाम' पुरस्कार मिला।

ये हैं चर्चित फिल्में

अगर कामिनी कौशल की प्रमुख फिल्मों की बात करें तो इनमें शहीद (1948), नदिया के पार (1948), आग (1948), जिद्दी (1948), शबनम (1949), आरजू (1950) और बिराज बहू (1954) जैसी फिल्में शामिल हैं। 'बिराज बहू' के लिए उन्हें 1954 में सर्वश्रेष्ठ फिल्म अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला। कामिनी कौशल के अभिनय के साथ-साथ उनकी खूबसूरती के चर्चे भी खूब मशहूर रहे। उन्होंने हर दौर के सितारों के साथ काम किया है। फिल्म 'कबीर सिंह' में वे शाहिद कपूर की दादी के रूप में नजर आईं। वहीं, 'चेन्नई एक्सप्रेस' में उन्हें शाहरुख खान की दादी के रोल में देखा गया।

दिलीप कुमार की पहली प्रेमिका रहीं कामिनी

फिल्मों को लेकर ही नहीं, कामिनी कौशल अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहीं। दिलीप कुमार के साथ उनके प्यार के चर्चे खूब थे। कामिनी को दिलीप कुमार की पहली प्रेमिका कहा जाता है। दोनों की जोड़ी ऑनस्क्रीन भी खूब पसंद की गई थी। साल 1948 में रिलीज हुई फिल्म 'शहीद' में कामिनी और दिलीप ने साथ काम किया था। यहीं से दोनों की नजदीकियां बढ़ी थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कामिनी के भाई को जब दोनों के प्यार की खबर लगी तो वे आगबबूला हो गए। दरअसल, कामिनी पहले से शादीशुदा थीं। शादीशुदा रहते हुए वे दिलीप कुमार को दिल दे बैठी थीं।

बहन के बच्चों की खातिर जीजा से हुई शादी

कामिनी कौशल की शादी अपने ही जीजा से हुई थी। अपनी बड़ी बहन के पति से उनकी शादी हुई। दरअसल, कामिनी की बहन का एक सड़क हादसे में निधन हो गया था। बहन की संतानों की खातिर कामिनी ने जीजा से शादी रचा ली।

कामिनी कौशल से जुड़ी खास बातें

10 साल की उम्र में उन्होंने अपना खुद का कठपुतली थिएटर बनाया।

1946 में फिल्म 'नीचा नगर' नगर से करियर शुरू किया।

29 सितंबर 1946 को फ्रांस के कान अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में 'नीचा नगर' का प्रदर्शन हुआ।

1954 में सर्वश्रेष्ठ फिल्म अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार 'बिराज बहू' के लिए मिला।

1948 में 'शहीद' में काम करते हुए दिलीप कुमार के साथ शुरू हुआ अफेयर।

2022 में उन्हें आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में देखा गया।

2024 में जयपुर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल (जिफ) में आउटस्टैंडिंग लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया गया।

अचानक मिली प्रसिद्धि को सम्भाला सबा आजाद ने

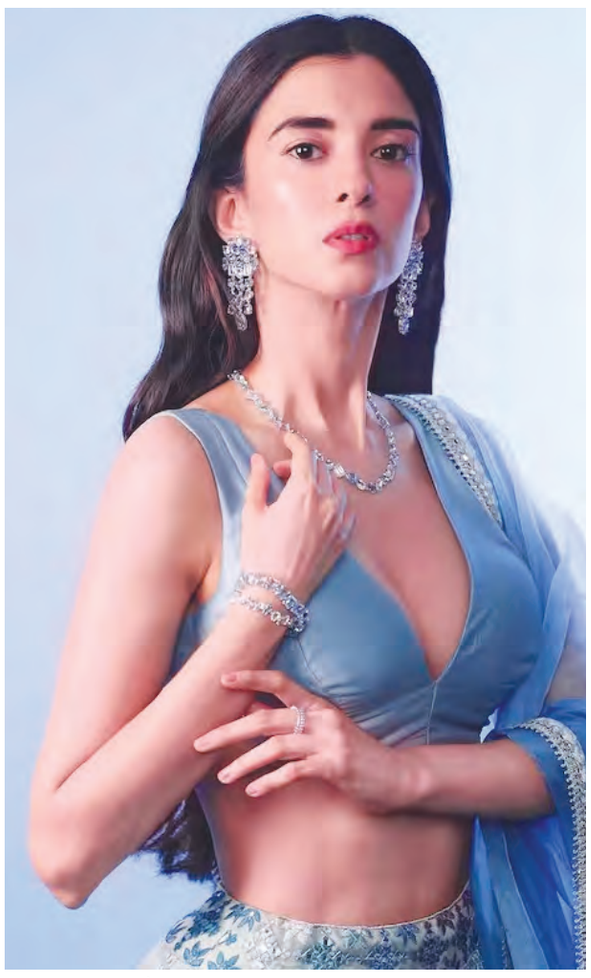

सबा आजाद और ऋतिक रोशन ₹ मेरे

सबा आजाद और ऋतिक रोशन ने 2022 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया। सबा खुद भी एक अभिनेत्री है और इमाद शाह के साथ उसका अपना एक म्यूजिक बैंड भी है लेकिन ऋतिक के साथ उसकी नजदीकियां बढ़ने के बाद अचानक उसे खूब सुर्खियां मिलने लगीं और उसकी चर्चा बढ़ गई।

एक इंटरव्यू में, ऋतिक का नाम लिए बिना, सबा से पूछा गया कि उसने इस अचानक मिले सार्वजनिक आकर्षण को कैसे संभाला।

इस इंटरव्यू में इमाद शाह भी उसके साथ था। दोनों की दोस्ती काफी लम्बे समय से है। वे डेटिंग कर रहे थे, लेकिन ब्रेकअप के बाद भी दोस्त बने रहे ।

सबा ने बताया कि इमाद, जो जीवन ने के अधिकांश समय सार्वजनिक नजरों में रहे हैं, ने भी उस समय उसे सही दृष्टिकोण अपनाने में मदद की थी। ऋतिक का नाम लिए बिना ही, उसने स्वीकार किया कि उनके रिश्ते में काफी सामान्यता है। उसने कहा, ₹ मेरे

आसपास, और मेरे रिश्ते में भी बहुत सामान्यता है। यह केवल एक अनुमान है कि लोग सोचते हैं कि सार्वजनिक नजरों में रहने वाले लोग एक सामान्य जीवन नहीं जीते। हर कोई बस अपने जीवन में आगे बढ़ रहा है, दिन से अगले दिन तक। ₹ पूछा गया कि लोगों की नजरों में रहना ऐसी चीज है जिसे ऋतिक ने उससे ज्यादा सामान्य बना लिया है तो सबा ने जवाब दिया, "हां, वह मुझसे लंबे समय से सार्वजनिक नजरों में हैं और इसके लिए एक अच्छा कारण भी है लेकिन मैं ऐसे दोस्तों से घिरी हूं जिन्हें प्रसिद्धि की कोई परवाह नहीं है। मेरे जीवन में कभी भी ऐसा कोई पल नहीं आया जब मेरी जिंदगी असामान्य हो और यह अब भी काफी सामान्य है।

उसने आगे कहा, "मैं यह भी पाती कि यदि आप वास्तव में उस ध्यान की मांग नहीं कर रहे हैं, तो आप लोगों की निगाहों की चपेट से बचकर सामान्य जीवन जी सकते हैं।

शुरुआत और अंत शानदार, अजय पर भारी पड़े माधवन, रकुल हैं कमजोर कड़ी

दे दे प्यार दे 2 मूवी रिव्यू

कलाकार : अजय देवगन , आर माधवन , रकुल प्रीत सिंह , मीजान जाफरी , जावेद जाफरी , इशिता दत्ता और गौतमी कपूर

अजय देवगन दो नंबर के हीरो बन गए हैं। दरअसल, ऐसा उनकी फिल्मोग्राफी देखकर कहना पड़ रहा है। 'रेड 2' और 'सन ऑफ सरदार 2' के बाद अब अजय देवगन 'दे दे प्यार दे 2' लेकर आए हैं। ये साल 2019 में आई 'दे दे प्यार दे' का सीक्वल है। अब छह साल बाद आए सीक्वल में कुछ नए कलाकारों को जोड़ा गया है और फिल्म को पहली फिल्म से थोड़े बड़े स्तर पर बनाने का प्रयास किया गया है। कैसी है यह फिल्म, जानने के लिए पढ़िए यह रिव्यू

कहानी

फिल्म की कहानी वहीं से शुरू होती है, जहां पर 'दे दे प्यार दे' खत्म हुई थी। आयशा (रकुल प्रीत सिंह) आशीष (अजय देवगन) के परिवार से मिल चुकी है। अब बारी है आशीष के आयशा के परिवार से मिलने की। आयशा की फैमिली चंडीगढ़ में रहती है। आयशा के परिवार में उसके पिता (आर माधवन), मां (गौतमी कपूर), भाभी (इशिता दत्ता) और भाई (तरुन गहलोत) हैं। आयशा की भाभी प्रेग्नेंट हैं और घर में इसको लेकर सब उत्साहित हैं। इस बीच आयशा अपनी फैमिली से आशीष को मिलवाना चाहती है। अब 28 साल की आयशा 52 साल के अपने बॉयफ्रेंड आशीष से कैसे अपने परिवार को मिलाती है?

कैसी है फिल्म

फिल्म की कहानी कहीं न कहीं काफी प्रेडेक्टिबल है। क्योंकि सबको ही पता है कि अंत में कहानी में क्या होना है। फिल्म का फर्स्ट हाफ बेहतर है। ये आपको पूरे टाइम हंसाता रहेगा और एक अच्छी रोमांटिक-कॉमेडी होने का भरोसा देगा। लेकिन जैसी ही फर्स्ट हाफ खत्म होता और सेकंड हाफ आगे बढ़ता है। आपका भरोसा टूटने लगता है। मेकर्स सेकंड हाफ में जबरन इमोशन घुसेड़ने के चक्कर में असल कहानी से भटक गए। जो कहानी आपको हंसाने से शुरू होती है, वो दूसरे हाफ में आपको थोड़ा उबाने लगती है।

एक्टिंग

एक्टिंग के पहलू को देखने के बाद ये कहने में कोई दोराय नहीं कि आर माधवन अजय देवगन समेत फिल्म की पूरी कास्ट पर भारी पड़े हैं। कॉमेडी से लेकर सख्त पिता और इमोशनल सीन तक में आप उनसे जुड़ पाते हैं

फिल्म की सबसे कमजोर कड़ी हैं रकुल प्रीत सिंह। 2019 में जब 'दे दे प्यार दे' आई थी, तब रकुल की खूबसूरती के काफी चर्चे हुए थे और अपने रोल में वो फिट बैठी थीं। लेकिन इस बार जहां रकुल फीमेल लीड में अकेली ही थीं, उन्होंने पूरी तरह निराश किया है।

अपने डांस स्टेप से सुर्खियां बटोरने वाले मीजान जाफरी की एंट्री ही सेकंड हाफ की शुरुआत में होती है। फिल्म में उन्हें सिर्फ हीरोइन को इंप्रेस करके दिखाना था, वो उन्होंने बखूबी किया है।

निर्देशन :फिल्म का निर्देशन अंशुल शर्मा ने किया है, एक नए निर्देशक के तौर पर उनका काम ठीक-ठाक ही है।

संगीत : 'दे दे प्यार दे' का संगीत पसंद किया गया था।

खूबियां : फिल्म की शुरुआत शानदार है। पहला पार्ट खूब हंसाता है और फनी लगता है। क्लाइमैक्स में एक ट्विस्ट है, जब वो आता है तो बेशक एक बार को आप भी हैरान रह जाते हो।

देखें या न देखें : 'दे दे प्यार दे 2' की सबसे बड़ी खासियत ये है कि इसे आप पूरे परिवार के साथ देख सकते हैं। ये एक फैमिली एंटरटेनर है। अगर वीकेंड पर आप खाली हैं, तो फिल्म को एंजॉय कर सकते हैं।

कभी लिट्टी-चोखा बेचा, आज 32 करोड़ की संपत्ति के मालिक; जानिए कौन हैं खेसारी लाल यादव?

भोजपुरी सिनेमाई दुनिया के जाने-माने अभिनेता खेसारी लाल यादव बिहार की राजनीति की वजह से चर्चा में हैं। अभिनेता छपरा सीट से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। आज शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव का परिणाम आ रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या होता है। अभिनेता ने एक साधारण परिवार से निकलकर सुपरस्टार बनने तक का सफर तय किया है, जो लोगों के लिए काफी प्रेरणादायी है। इस लेख में जानेंगे अभिनेता के करियर और संघर्ष के बारे में।

शुरुआती दिनों में किया संघर्ष

खेसारी लाल यादव का जन्म 15 मार्च 1986 को बिहार के छपरा जिला में हुआ था। उनका नाम पहले शत्रुघ्न कुमार यादव था, बाद में वो सिनेमाई दुनिया में खेसारी लाल यादव नाम से दर्शकों के बीच चर्चित हुए। अभिनेता शुरुआत से ही गायन और नृत्य में माहिर थे। उनका गायक बनने का सपना था, लेकिन गरीबी में पले-बढ़े खेसारी के लिए यह आसान नहीं था। इस ख्वाब को पूरा करने के लिए उन्होंने लिट्टी-चोखा तक बेचा। लंबे संघर्ष के बाद उन्होंने भोजपुरी एल्बम गाना शुरु किया। खेसारी ने सैकड़ों भोजपुरी हिट गीत गाए, जिनमें 'पियवा गए रे हमर सऊदी रे भौजी', 'सैयां अरब गइले न' और 'सैयां आइबा की न आइबा' जैसे गाने उनके प्रसिद्ध एल्बम गीतों में से एक हैं।

भोजपुरी इंड्स्ट्री में गायक के रूप में पहचान बनाने वाले खेसारी लाल यादव ने अभिनय की दुनिया में कदम रखने का मन बनाया। उनकी पहली बड़ी फिल्म 'साजन चले ससुराल' थी, जिसने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी सफल रही थी। इस फिल्म ने खेसारी को भोजपुरी सिनेमा का 'नया हीरो' बना दिया। इसके बाद खेसारी लाल यादव ने 'नागिन', 'सपूत', 'बेताब', 'प्रतिज्ञा 2' जैसी फिल्मों में काम किया, जिन्होंने उन्हें दिग्गज अभिनेताओं में शामिल कर दिया।

बॉलीवुड में भी किया कमाल

भोजपुरी की दुनिया में कमाल करने के अलावा खेसारी लाल यादव ने बॉलीवुड में भी अपनी खास जगह बनाई है। अभिनेता-गायक ने साल 2014 में फिल्म 'कोयलांचल' के गाने 'AK-47' से बॉलीवुड में कदम रखा। इसके अलावा उन्होंने साल 2016 में फिल्म 'ग्लोबल बाबा' के लिए अपना दूसरा बॉलीवुड गाना 'होली में उड़े गुलाल' गाया था। इस गाने को दर्शकों ने काफी पंसद किया था।

कभी एक-एक पैसों के लिए लिट्टी-चोखा बेचने वाले खेसारी लाल यादव आज 32 करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं। अभिनेता ने संपत्ति की जानकारी अपने चुनावी हलफनामे में बताया है।

बड़ी फिल्मों के आगे 'आगरा' को शो न मिलने पर मेकर्स ने जताई नाराजगी, मनोज बाजपेयी ने किया समर्थन

हर शुक्रवार की तरह इस बार भी कई फिल्में रिलीज हुई हैं। इन फिल्मों में एक नाम कनु बहल की फिल्म 'आगरा' का भी शामिल है। साल 2023 में कान फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई इस फिल्म को काफी सराहना भी मिली थी। अब 14 नवंबर को यह फिल्म भारत में रिलीज हुई है। यह एक स्वतंत्र फिल्ममेकर की फिल्म है, नतीजा फिल्म का उतना शोर-शराबा नहीं है। लेकिन अब फिल्म के निर्देशक कनु बहल ने 'आगरा' को पर्याप्त स्क्रीन न मिलने की बात कहते हुए बड़ी मल्टीप्लेक्स सिनेमा चेन्स पर तंज कसा है। इसके पीछे उन्होंने कथित बड़ी फिल्मों को कारण बताया है। अब दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी ने कनु की इन

बातों का समर्थन किया है।

कनु बहल ने ट्वीट कर जताई नाराजगी

निर्माता कनु बहल ने फिल्म 'आगरा' की रिलीज को लेकर एक ट्वीट किया। इस ट्वीट में कनु ने 'आगरा' पर अपडेट देते हुए लिखा, 'हमें तथाकथित 'बड़ी ब्लॉकबस्टर' फिल्मों और छोटी फिल्मों के मल्टीप्लेक्स चेन प्रोग्रामिंग में फिट न होने के कारण शो देने से मना किया जा रहा है। अब यह आप दर्शकों पर निर्भर है। बोलिए और चेन को टैग कीजिए। कहिए कि आप फिल्म देखना चाहते हैं।' अपने इस ट्वीट में कनु ने किसी फिल्म का नाम तो नहीं लिया है, लेकिन उनका इशारा उन कथित बड़े स्टार्स और बड़े बजट वाली कमर्शियल फिल्मों की ओर ही है। इस हफ्ते भी रिलीज हुई फिल्मों में अजय देवगन और आर माधवन की फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' इसी तरह की बड़े बजट और बड़ी स्टार वाली फिल्म है।

मनोज बाजपेयी ने किया समर्थन

कनु बहल की इन बातों का मनोज बाजपेयी ने समर्थ किया है। मनोज बाजपेयी ने कनु बहल के ट्वीट को रीट्वीट करते हुए एक्स पर लिखा, 'इस लड़ाई को लड़ते हुए बहुत समय हो गया है।

इंडी निर्माताओं और उनकी कला को अक्सर व्यापक सिनेमा जगत में नजरअंदाज कर दिया जाता है। लगे रहो, कानू तुम्हारा प्रयास सचमुच मायने रखता है। सभी को आगे आकर छोटे और सार्थक सिनेमा का समर्थन करना चाहिए और अपने सिनेमाघरों से इन फिल्मों को उचित मौका देने का अनुरोध करना चाहिए।'

बुमराह ने टेस्ट क्रिकेट में 16वीं बार 5 विकेट लिया

पंत के डाइविंग कैच से मार्करम आउट, स्पेशल सिक्के से हुआ टॉस

कोलकाता टेस्ट के पहले दिन साउथ अफ्रीका पहली पारी में 159 रन पर ऑलआउट हो गई। दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने एक विकेट खोकर 37 रन बना लिए हैं। शुक्रवार को जसप्रीत बुमराह ने 16वीं बार 5 विकेट लिया। ऋषभ पंत के डाइविंग कैच से ऐडन मार्करम आउट हुए।

बुमराह ने टेस्ट क्रिकेट में 16वीं बार 5 विकेट लिया

जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट क्रिकेट में 16वीं बार 5-विकेट हॉल लिया। उन्होंने यह कारनामा 51वें टेस्ट में किया। भारत के लिए सबसे ज्यादा 5-विकेट हॉल रविचंद्रन अश्विन ने नाम हैं। उन्होंने 106 टेस्ट में 37 बार 5 विकेट लिए हैं।

जसप्रीत बुमराह ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ चौथी बार एक पारी में पांच विकेट लिए। इस लिस्ट के टॉप पर भी रविचंद्रन अश्विन हैं। उन्होंने यह कारनामा पांच बार किया है।

1. स्पेशल सिक्के से टॉस हुआ

कोलकाता टेस्ट में टॉस के दौरान महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला की तस्वीर वाला सिल्वर कॉइन इस्तेमाल किया गया। सिक्के के एक तरफ महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला की तस्वीर है। वहीं, दूसरी तरफ फ्रीडम ट्रॉफी लिखी है। इसका वजन 20 ग्राम है और इस पर गोल्ड की एक परत भी है।

2. अनिल कुंबले ने घंटी बजाकर मैच शुरू किया

पूर्व भारतीय स्पिनर अनिल कुंबले ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम की घंटी बजाकर मैच शुरू किया। कुंबले भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट ने सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर हैं। उन्होंने 401 मैच में 953 विकेट चटकाए हैं।

3. दिल्ली धमाके के बाद ईडन गार्डन्स में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

दिल्ली में हुए धमाके के बाद कोलकाता पुलिस ने ईडन गार्डन्स स्टेडियम के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी।

4. पंत के डाइविंग कैच ने मार्करम को पवेलियन भेजा

13वें ओवर में विकेटकीपर ऋषभ पंत के डाइविंग कैच से ऐडन मार्करम पवेलियन लौटे। मार्करम 31 रन बनाकर आउट हुए। बुमराह ने 11वें ओवर में रियान रिकेल्टन को बोल्ड किया था।

5. जुरेल के कैच से बावुमा आउट

16वें ओवर की आखिरी बॉल पर साउथ अफ्रीका का तीसरा विकेट गिरा। यहां कुलदीप यादव ने कप्तान टेम्बा बावुमा को लेग स्लिप पर ध्रुव जुरेल के हाथों कैच करा दिया। बावुमा कुलदीप की फुलर लेंथ बॉल पर फ्लिक करना चाहते थे। यहां जुरेल ने लो-कैच पकड़ा।

6. डी जॉर्जी के हेलमेट पर कुलदीप की बॉल लगी

24वें ओवर में कुलदीप यादव की बॉल पर टोनी डी जॉर्जी के हेलमेट पर लगी। टोनी लेग स्टंप की गुड लेंथ बॉल पर स्विप करना चाहते थे, लेकिन बॉल को ज्यादा उछाल मिला। बॉल टोनी के हेलमेट की जाली पर लगी।

7. जुरेल से शॉर्ट लेग पर काइल वेरिने का कैच छूटा

34वें ओवर में ध्रुव जुरेल से शॉर्ट लेग में विकेटकीपर काइल वेरिने का लो-कैच छूट गया। यहां वेरिने 4 रन ही बना सके थे। उन्होंने कुलदीप की फुलर लेंथ बॉल पर फ्लिक किया। बॉल ने बल्ले का किनारा लिया और जुरेल के पास लो कैच पहुंचाया। जुरेल ने इसे पकड़ भी लिया था, लेकिन बॉल आखिरी टाइम पर छूट गई।

8. सिराज को ओवर में दो विकेट, वेरिने-यानसन आउट

45वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने दो विकेट झटके। उन्होंने पहली बॉल पर विकेटकीपर काइल वेरिने को LBW किया। वेरिने 16 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद चौथी बॉल पर मार्को यानसन को बोल्ड कर दिया। यानसन खाता भी नहीं खोल सके।

मार्को यानसन को बोल्ड करने के बाद सिराज ने सियु सेलिब्रेशन किया। ये सेलिब्रेशन मशूहर फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो करते हैं।

9. बुमराह को ओवर में 2 विकेट, अफ्रीका 159 पर ऑलआउट

55वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने दो विकेट झटके। उन्होंने तीसरी बॉल पर साइमन हार्मर (5 रन) को बोल्ड कर दिया। इसके बाद छठी बॉल पर आखिरी बल्लेबाज केशव महाराज (शून्य) को LBW कर दिया। महाराज के विकेट के साथ साउथ अफ्रीका की टीम पहली पारी में 159 रन पर ऑलआउट हो गई।

तीन मैच में हार, फिर विश्व कप पर विजय

शेफाली वर्मा व हरमनप्रीत कौर

महिला क्रिकेट टीम ने दो नवंबर को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में पहली बार एकदिवसीय विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया। यह केवल एक जीत नहीं बल्कि लाखों-करोड़ों के लिए प्रेरणा है। बालीवुड में कहा गया है- हार कर जीतने वाले को बाजीगर कहते हैं, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यह वास्तव में करके दिखाया। लगातार तीन मैच हारने के बाद सेमीफानल में पहुंचना, जहां सात बार की विश्व विजेता टीम को टूर्नामेंट से बाहर करना और फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर विश्व विजेता बनना, किसी फिल्म की कहानी से कम मनोरंजक नहीं है।

इससे पहले पुरुष वर्ग में युवराज सिंह ने 2011 के एकदिवसीय विश्व कप के ग्रुप मुकाबले में आयरलैंड के खिलाफ ऐसा किया था। उन्होंने 50 रन बनाने के साथ पांच विकेट भी लिए थे। हालांकि, दीप्ति आफ स्पिनर है। विश्व कप से पहले उन्होंने गेंदबाजी के साथ अपनी बल्लेबाजी में भी कड़ी मेहनत की, जिसका सबूत विश्व कप के लगभग सभी मैचों में देखने को मिला। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व कप के फाइनल मुकाबले में पांचवे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए दीप्ति ने 58 गेंदों में 58 रन की पारी खेली। उनकी इस बल्लेबाजी ने भारत के स्कोर को 300 के पार जाने में अहम भूमिका निभाई। पूरे टूर्नामेंट में दीप्ति के बल्ले से नौ मैचों की सात पारियों में 215 रन निकले हैं, जिसमें तीन अर्धशतक भी शामिल हैं।

शायद ही किसी ने उम्मीद की होगी कि भारत विश्व कप जीतेगा, लेकिन भारतीय महिलाओं ने यह कारनामा कर देश की अन्य लड़कियों के लिए प्रेरणा बन गया। इस पूरे टूर्नामेंट में हर खिलाड़ी ने अपना 100 फीसद दिया। प्रतीका रावल भले

विश्व कप क्रिकेट

भारत इससे पहले भारत दो बार 2005 और 2017 में विश्व कप के फाइनल में पहुंचा था, लेकिन दोनों ही बार उसे हार का सामना करना पड़ा। ग्रुप मुकाबले में लगातार तीन हार के बार भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो चुकी ती, लेकिन न्यूजीलैंड को हराकर महिला टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां उनका सामना सात बार विश्व कप चैंपियन आस्ट्रेलिया से हुआ। हालांकि, किसी को भी उम्मीद नहीं था कि भारतीय महिला टीम सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया जैसी चैंपियन टीम को हराकर फाइनल में पहुंचेगी। बल्लेबाज फोबे लीचफील्ड (119) की शतकीय पारी और एलिस पेरी (77) व एशले गार्डनर (63) की अर्धशतकीय पारी के बदौलत आस्ट्रेलिया ने भारत के सामने जीत के लिए 339 रन का लक्ष्य रखा।

इस पहाड़ जैसे लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत कमजोर रही, लेकिन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी जेमिमा रोड्रिग्स ने पारी को संभाला और नाबाद 127 रन की पारी खेलकर भारत को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने अपनी पारी में 14 चौके भी लगाए। इस मैच में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जेमिमा का अच्छा साथ दिया। उन्होंने 10 चौकों और दो छक्के की मदद से 89 रन की विस्फोटक पारी खेली। पूरे टूर्नामेंट की स्टार आलराउंडर दीप्ति शर्मा ने भी इस जीत में महत्त्वपूर्ण पारी खेली।

सेमीफाइनल फाइनल में आस्ट्रेलिया को हराकर भारतीय महिला टीम ने यह संकेत दे दिया था कि विश्व कप विजेता टीम में एक नया नाम जुड़ने वाला है। भारत को छोड़कर अबतक केवल तीन ही टीम एकदिवसीय विश्व कप जीत चुकी है, जिसमें आस्ट्रेलिया सात बार इंग्लैंड चार और न्यूजीलैंड ने एक बार खिताब जीता। हालांकि, इस सूची में अब भारत का भी नाम जुड़ चुका है। ग्रुप मुकाबले में लगातार तीन मैच हारने के बाद भारतीय टीम को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। भारत का विश्व कप जीतना कुछ ऐसा था, जैसे 2023 में पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में ग्रुप मुकाबले में आस्ट्रेलिया बनाम अफगानिस्तान का मुकाबला। इस मुकाबले में 17 पर सात विकेट गिरने के बावजूद आस्ट्रेलिया ने हार नहीं मानी थी और आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल की दोहरे शतक के बदौलत आस्ट्रेलिया ने न केवल वह मैच जीता, बल्कि विश्व कप भी अपने नाम किया था।

विश्व कप जीतने के साथ महिला टीम में युवा लड़कियों में खेल की रुचि को बढ़ाया है। पूरे टूर्नामेंट में कप्तान हरमनप्रीत अपने बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन जहां टीम को उनकी जरूरत पड़ी, वहां उन्होंने कप्तानी पारी खेली। इसका उदाहरण ग्रुप मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए मैच में देखने को मिलता है। भले ही भारत यह मैच हार गया था, लेकिन हरमनप्रीत ने टीम को जीत की तरफ ले जाने में पूरी कोशिश की। इस मैच में उन्होंने 10 चौकों की मदद से 70 गेंदों में 70 रन की पारी खेली। उपकप्तान स्मृति मंधाना ने पारी को संभालते हुए 87 रन की पारी खेली। भारत और इंग्लैंड के बीच यह मैच कांटे की टक्कर से कम नहीं था। इस मैच में आखिरी ओवर के आखिरी गेंद पर अमजोत कौर ने चौका तो लगाया, लेकिन इसके बावजूद भारत महज चार रन से मैच हार गया था।

युवा आलराउंडर दीप्ति शर्मा ने पूरे टूर्नामेंट में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। दीप्ति ने फाइनल में अर्धशतकीय पारी खेलने के साथ पांच विकेट भी लिया। इसी के साथ विश्व कप में ऐसा करने वाली वह पहली महिला क्रिकेटर भी बन गई।

ही चोटिल हो गई, लेकिन उनके बदले टीम में शामिल हुई शेफाली ने भी मौके का फायदा उठाया। फाइनल में उपकप्तान और सलामी बल्लेबाजी स्मृति मंधाना का बखूबी साथ निभाते हुए उन्होंने 78 गेंदों में 87 रन की विस्फोटक पारी खेली। इस पारी के दौरान उन्होंने सात चौके और दो छक्के भी लगाए थे।

फाइलन जीतना केवल भारतीय टीम के लिए एक जीत नहीं था, यह टीमवर्क, कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प, और कभी हार न मानने वाली जज्बे की मिसाल थी। कोच अमोल मजूमदार ने टीम भारत को मिली तीन हार के बाद भी हार मानने नहीं दिया। उन्होंने टीम पर विश्वास बनाए रखा। इस जीत ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है।

लखनऊ सुपर जाएंट्स ने छोड़ा शार्दुल का साथ, इस टीम ने किया ट्रेड

आईपीएल 2026 के लिए होने वाली खिलाड़ियों की नीलामी से पहले लखनऊ सुपर जाएंट्स ने अनुभवी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर का साथ छोड़ दिया है। शार्दुल को मुंबई इंडियंस ने लखनऊ से ट्रेड किया है और अब वह आगामी सीजन में हार्दिक पांड्या की अगुआई वाली टीम की जर्सी में नजर आएंगे। घरेलू क्रिकेट में मुंबई का प्रतिनिधित्व करने वाले शार्दुल को लखनऊ ने आईपीएल के 18वें सीजन में इंजुरी रिप्लेसमेंट के तौर पर दो करोड़ रुपये में खरीदा था।

पिछले सीजन खेले थे 10 मैच

शार्दुल ने पिछले सीजन लखनऊ के लिए 10 मुकाबले खेले थे। शार्दुल को मुंबई ने दो करोड़ रुपये में ही लखनऊ से ट्रेड किया है। शार्दुल आईपीएल 2025 के लिए हुई मेगा नीलामी में नहीं बिके थे, लेकिन लखनऊ ने चोटिल मोहसिन खान की जगह शार्दुल को लिया था। शार्दुल मोहसिन के आधार मूल्य पर लखनऊ में शामिल हुए थे। शार्दुल ने टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था और पहले दो मैचों में छह विकेट लिए थे जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ चार विकेट लेना भी शामिल है।

दो बार आईपीएल की चैंपियन टीम का रहे हिस्सा

शार्दुल हालांकि इस लय को बरकार नहीं रख सके थे और उन्होंने 10 मैचों में 11.02 की इकॉनोमी से 13 विकेट लिए। शार्दुल ने अब तक आईपीएल करियर में 105 ९मैच खेले हैं और 107 विकेट अपने नाम करने में सफल रहे हैं। बल्ले से उन्होंने 325 रनों का योगदान दिया है। वह दो बार आईपीएल की विजेता टीम का हिस्सा रहे हैं। 2018 और 2021 में शार्दुल चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में शामिल थे जिसने इन दो सीजन में आईपीएल का खिताब जीता था।

आईपीएल ने बयान में कहा, मुंबई के इस ऑलराउंडर को लीग के 18वें सत्र के लिए चोटिल खिलाड़ी के विकल्प के तौर पर लखनऊ सुपर जाएंट्स ने दो करोड़ रुपये में खरीदा था जहां उन्होंने 10 मैच खेले थे। इस ऑलराउंडर को मुंबई इंडियंस को उनकी दो करोड़ रुपये की मौजूदा फीस पर ट्रेड किया गया।

'रोहित-कोहली के लिए हर सीरीज अहम', पुजारा ने रोहित-कोहली के भविष्य पर दिया बयान

भारतीय टीम के दो स्टार बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली के वनडे भविष्य को लेकर लगातार चर्चाओं का बाजार गर्म रहता है और अब पूर्व भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने इसे लेकर प्रतिक्रिया दी है। रोहित और कोहली 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप में खेल पाएंगे या नहीं, ये अभी कोई भी स्पष्ट रूप से नहीं बोल सकता, लेकिन इसमें कोई शक नहीं है कि इन दोनों के दिमाग में इस वैश्विक टूर्नामेंट में शामिल होना चल रहा होगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में शामिल थे रोहित-कोहली

पुजारा ने कहा कि कोहली और रोहित के लिए 2027 वनडे विश्व कप से पहले अब हर द्विपक्षीय सीरीज काफी अहम होगी। रोहित और कोहली ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में हिस्सा लिया था। रोहित ने दूसरे वनडे में अर्धशतक और तीसरे वनडे में शतक लगाया था, जबकि कोहली ने आखिरी वनडे में रोहित के साथ मिलकर भारत को जीत दिलाई थी। अब इन दोनों के 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में खेलने की उम्मीद है।

पुजारा ने कहा, रोहित-कोहली के लिए हर सीरीज अहम होगी क्योंकि अगर आप एक ही प्रारूप खेल रहे हैं तो खेल से जुड़े रहना अहम है। दोनों ब्रेक के बाद खेलेंगे तो यह अधिक चुनौतीपूर्ण होगा। मुझे एक ही प्रारूप खेलने का अनुभव है जिसके आधार पर मैं कह सकता हूं कि लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने पर लय हासिल करना अहम होता है। सफेद गेंद के क्रिकेट में यह आसान होता है। उम्र के कारण उन्हें और मेहनत करनी होगी जो वे कर रहे हैं। उन्होंने रन बनाए हैं और उम्मीद है कि वे 2027 विश्व कप तक खेलते रहेंगे।

शमी को लेकर क्या बोले पुजारा?

वनडे विश्व कप 2023 के बाद टखने का ऑपरेशन कराने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने मार्च के बाद से भारत के लिए नहीं खेला है। उन्हें वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में जगह नहीं मिल सकी। शमी ने भारत के लिए आखिरी बार 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लाल गेंद के प्रारूप का मुकाबला खेला था।

यह पूछने पर कि क्या शमी के लिए रास्ते बंद हो चुके हैं? इस पर पुजारा ने कहा, मैं इसका जवाब कैसे दे सकता हूं। चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन को उनसे ईमानदारी से बात करनी चाहिए। वे उसे चुनना चाहते हैं या युवा खिलाड़ियों पर फोकस होगा। अगर उसे सूचना दी जाती है तो आगे खेलना या नहीं खेलना, उसका फैसला होगा।

सिर्फ संजू सैमसन ही नहीं, नीलामी में ये तीन धाकड़ भी होंगे सीएसके के निशाने पर; अश्विन का बड़ा खुलासा

भारत और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने आईपीएल को लेकर सीएसके की संभावित रणनीति पर महत्वपूर्ण बयान दिया है। जहां एक तरफ संजू सैमसन और रवींद्र जडेजा के बीच होने वाली संभावित ट्रेड ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है, वहीं अश्विन ने साफ किया कि फ्रेंचाइजी की निगाहें सिर्फ एक ट्रेड पर नहीं टिकी हैं। उन्होंने तीन ऐसे खिलाड़ियों के नाम बताए हैं, जिन पर चेन्नई मेगा ऑक्शन में बड़ा दांव लगा सकती है।

सीएसके के तीन बड़े टारगेट

अश्विन के मुताबिक, सीएसके अगले ऑक्शन में दो खिलाड़ियों को लेकर बेहद गंभीर हो सकती है। उन्होंने कहा, 'मुझे पता है कि कैमरून ग्रीन को सीएसके में शामिल करने को लेकर काफी चर्चा हो रही है, लेकिन मुझे लगता है कि वे खास तौर पर दो खिलाड़ियों को चुनेंगे। एक डेविड मिलर और दूसरे मोहम्मद शमी। अश्विन का कहना है कि दोनों खिलाड़ी रिलीज हो सकते हैं और अगर ऐसा होता है, तो चेन्नई उन पर बड़ा निवेश करने से पीछे नहीं हटेगी।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल एश की बात पर कहा, 'डेविड मिलर अगर रिलीज होते हैं तो सीएसके

उनके लिए जाएगी। मोहम्मद शमी भी संभवतः रिलीज होंगे। एक और नाम राहुल चाहर का भी हो सकता है।' इतना साफ है कि सीएसके एक अनुभवी फिनिशर, मजबूत डेथ बॉलर और एक बैकअप लेग-स्पिन विकल्प की तलाश में है और ये तीनों नाम उसी टेम्पलेट को फिट करते हैं।

सैमसन-जडेजा ट्रेड

संजू सैमसन और रवींद्र जडेजा के बीच संभावित ट्रेड को लेकर अटकलें जारी हैं। अश्विन ने माना कि यह ट्रेड ब्रांड वैल्यू और नेतृत्व के हिसाब से सीएसके के लिए आकर्षक हो सकता है, लेकिन टीम की जरूरतों के हिसाब से वे थोड़े संदेह में हैं।

उन्होंने कहा, 'यह ट्रेड सैमसन और सीएसके दोनों के लिए ब्रांड आइडेंटिटी के लिहाज से शानदार है। एक टॉप-ऑर्डर कीपर-बैटर और कप्तानी की संभावना, सब फिट बैठता है। लेकिन टीम को चाहिए क्या था? एक पावर-हिटर और फिनिशर।' अश्विन के मुताबिक, आरसीबी जैसी टीमें इस वक्त चुपचाप मुस्कुरा रही हैं, क्योंकि उनके पास टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड जैसे फिनिशर पहले से मौजूद हैं।

'पंजाब क्यों छोड़ेगी मैक्सवेल को?'

सोशल मीडिया पर कई फैंस कह रहे हैं कि पंजाब किंग्स को ग्लेन मैक्सवेल को रिलीज करना चाहिए। इस पर अश्विन ने जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'फैंस बोलते रहते हैं कि पंजाब किंग्स मैक्सवेल को रिलीज करे। भाई वह ऐसा क्यों करेंगे? रिकी पोंटिंग हेड कोच हैं, जेम्स होप्स असिस्टेंट कोच हैं और टीम फाइनल में पहुंची। ऐसे में कौन रिलीज करेगा?'

जडेजा-सीएसके अलगाव पर अश्विन की नाराजगी

अश्विन ने जडेजा के संभावित सीएसके से बाहर होने पर निराशा जाहिर की। उनके मुताबिक, 'सीएसके की पहचान स्थिरता और खिलाड़ियों पर विश्वास थी। इन मूल्यों के कारण यह ब्रांड बना। जडेजा का जाना इस छवि से बिल्कुल उलट है।' उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर फैंस गुस्से में हैं, और वीडियो के कॉमेंट सेक्शन में उन्हें भी खरी-खोटी सुनाई जा रही है। अश्विन ने कहा, 'लोग हमको ही गालियां दे रहे हैं, जैसे हमने जडेजा को ट्रेड कर दिया हो! लोग मुझे ट्रेड को रोकने को कह रहे हैं।' अश्विन के मुताबिक, यह ट्रेड दो अलग-अलग चीजें हैं, लेकिन दोनों टीमों ने अपनी-अपनी जरूरतें देखते हुए फैसला लिया है।

सीएसके की रणनीति सिर्फ ट्रेड नहीं..

अश्विन की राय साफ करती है कि सीएसके सिर्फ एक बड़े ट्रेड की तरफ नहीं देख रही, बल्कि आईपीएल को एक रीबिल्डिंग फेज की तरह देख रही है। मिलर, शमी और राहुल चाहर जैसे अनुभवी विकल्प चेन्नई को एक नई दिशा दे सकते हैं। वहीं, सैमसन-जडेजा ट्रेड इतिहास के सबसे बड़े आईपीएल सौदों में से एक साबित हो सकता है।

कैसे महान बनेगा अमेरिका?

जीडीपी से 3 .5 गुना पहुंच चुका है कर्ज

नई दिल्ली,14 नवंबर (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका को फिर से महान बनाने के वादे के साथ राष्ट्रपति चुनाव जीता था। लेकिन उनके राष्ट्रपति बनने के बाद भी देश का कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है। देश का कुल कर्ज 105.2 ट्रिलियन डॉलर पहुंच चुका है जो उसकी जीडीपी के करीब 3.5 गुना है। इसमें संघीय सरकार का कर्ज 38.2 ट्रिलियन डॉलर है। साथ ही इसमें पर्सनल डेट (26.4 ट्रिलियन डॉलर), मोर्टगेज डेट (21.3 ट्रिलियन डॉलर) और स्टूडेंट लोन डेट (1.8 ट्रिलियन डॉलर) शामिल है। अमेरिका में फेडरल गवर्नमेंट का कर्ज लगातार बढ़ रहा है और हर साल अरबों डॉलर कर्ज का ब्याज चुकाने में जा रहे हैं। अक्टूबर 1995 में यह 4.9 ट्रिलियन डॉलर था जबकि अक्टूबर 2005 में यह 8 ट्रिलियन डॉलर पहुंचा। अक्टूबर 2015 में यह 18.1 ट्रिलियन डॉलर पहुंचा और अब 38.2 ट्रिलियन डॉलर पहुंच चुका है। माना जा रहा है कि 2028 तक यह 50 ट्रिलियन डॉलर पहुंच सकता है।

कोरोना के बाद कर्ज

महामारी के बाद से अमेरिका का कर्ज 15 ट्रिलियन डॉलर बढ़ चुका है। हालत यह हो गई है कि अमेरिका को रोजाना 3 अरब डॉलर ब्याज चुकाने पर खर्च करने पड़ रहे हैं। इससे साफ है कि ट्रंप भले ही इकॉनमी को लेकर जो भी दावे करें, लेकिन देश में कर्ज की स्थिति लगातार भयावह होती जा रही है। अगर इसमें जल्दी सुधार नहीं किया गया तो सरकार के पास विकास के बाकी कामों के लिए पैसे नहीं रह जाएंगे और सारा पैसा कर्ज चुकाने में ही निकल जाएगा।

बिहार चुनाव के रुझानों से अडानी ग्रुप के शेयरों में तेजी

52 हफ्ते के टॉप पर पहुंचे दो शेयर

नई दिल्ली,14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनावों की आज हो रही मतगणना में शुरुआती रुझानों में सत्तारूढ़ एनडीए को भारी बहुमत मिलता दिख रहा है। इस बीच शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद अडानी ग्रुप के शेयरों में काफी तेजी आई है। बिहार विधानसभा चुनावों में अडानी का नाम भी उछला था। विपक्षी दलों खासकर कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि बिहार में भागलपुर के पीरपैंती में 10 लाख पेड़ और 1,050 एकड़ जमीन गौतम अडानी को पावर प्लांट लगाने के लिए सालाना 1 रुपये में दे दी गई। चुनावी रुझानों के बीच अडानी पावर का शेयर 1.5 फीसदी अधिक तेजी के साथ 156 रुपये पर पहुंच गए। अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर भी 2 फीसदी से अधिक तेजी के साथ 2553 रुपये पर पहुंच गया। अडानी पोर्ट एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन का शेयर 1 फीसदी से अधिक उछल के साथ 1,523.45 रुपये पर पहुंच गया जो इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर है। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर भी 1 फीसदी से ज्यादा उछलकर 1,050 रुपये पर पहुंच गया। यह इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर है। अडानी टोटल गैस का शेयर भी करीब 2 फीसदी उछलकर 635.10 रुपये पर पहुंचा।एनडीटीवी के शेयर भी कारोबार के दौरान 2 फीसदी उछलकर 89.90 रुपये पर पहुंचे। अंबूजा सीमेंट का शेयर 4.5 फीसदी से अधिक उछलकर 564.80 रुपये पर पहुंचा। केवल एसीसी और अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में गिरावट रही। बीएसई सेंसेक्स आज 400 अंक से ज्यादा गिरावट के साथ खुला। अमेरिका और एशिया के शेयर बाजारों में गिरावट के कारण ऐसा हुआ। दोपहर बाद 1.20 बजे सेंसेक्स 240.01 अंक यानी 0.28% गिरावट के साथ 84,238.66 अंक पर ट्रेड कर रहा था।

देश में बढ़ती खपत का असर

भारत ने 2024–25 में आयात किए 1.6 करोड़ टन खाद्य तेल

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। खाद्य तेलों की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए भारत ने 2024-25 विपणन वर्ष (अक्तूबर तक) में 1.6 करोड़ टन खाद्य तेलों का आयात किया, जिसकी कुल लागत 1.61 लाख करोड़ रुपये रही। यह जानकारी उद्योग संस्था सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) की ओर गुरुवार को जारी किए गए आंकड़ों से सामने आई है।

भारत के खाद्य तेल की खपत में लगातार हो रही वृद्धि

वहीं, 2023-24 विपणन वर्ष (नवंबर-अक्तूबर) में भारत का खाद्य तेल आयात 15.96 मिलियन टन था, जिसकी कुल कीमत 1.32 लाख करोड़ रुपये रही। इस वृद्धि से साफ है कि भारत में खाद्य तेल की खपत में लगातार वृद्धि हो रही है, जो आयात पर निर्भरता को बढ़ा रही है। वैश्विक स्तर पर ऊंची कीमतों के कारण मूल्य के संदर्भ में खाद्य तेल के आयात में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

पिछले 20 वर्षों में आयात की मात्रा 2.2 गुना बढ़ी

भारत पाम तेल इंडोनेशिया और मलेशिया से आयात करता है, जबकि सोयाबीन तेल अर्जेंटीना और ब्राजील से आयात करता है। एसोसिएशन ने कहा कि आपूर्ति और मांग के बीच के अंतर को पाटने के लिए भारत 1990 के दशक से आयात का सहारा ले रहा है। शुरुआती दौर में आयात की मात्रा बहुत कम थी। हालांकि, पिछले 20 वर्षों (2004-05 से 2024-25) में आयात की मात्रा 2.2 गुना बढ़ गई है। वहीं आयात की लागत लगभग 15 गुना बढ़ गई है।

क्या कहते हैं एसईए के आंकड़े?

इसमें कहा गया है कि 2024-25 में भारत को 160 लाख टन (16 मिलियन टन) खाद्य तेलों के आयात के लिए लगभग 1.61 लाख करोड़ रुपये (18.3 अरब डॉलर) खर्च करने होंगे। मात्रा के लिहाज से खाद्य तेलों का आयात 2022-23 में 16.47 मिलियन टन, 2021-22 में 14.03 मिलियन टन और 2020-21 विपणन वर्ष में 13.13 मिलियन टन रहा। तेल विपणन वर्ष 2024-25 के दौरान, एसईए के आंकड़ों से पता चला है कि पिछले वर्ष 19,31,254 टन की तुलना में 17,37,228 टन रिफाइंड तेलों का आयात किया गया था। हालांकि, विपणन वर्ष 2023-24 में कच्चे खाद्य तेलों का आयात 140,31,317 टन से बढ़कर 142,73,520 टन हो गया। सोयाबीन तेल के आयात ने 2024-25 में 54.7 लाख टन का नया रिकॉर्ड बनाया, जो 2015-16 के 42.3 लाख टन के पिछले उच्चतम स्तर को पार कर गया। एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, पाम तेल का आयात 90 लाख टन से तेज़ी से घटकर 75.8 लाख टन रह गया।

'निगेटिव' हुई एलन मस्क की नेटवर्थ

एक झटके में फुर्र हो गए 20 . 5 अरब डालर

नई दिल्ली,14 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया को टॉप 10 अरबतियों में से 8 की नेटवर्थ में गुरुवार को गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क रहे। उनकी कंपनी टेस्ला के शेयरों में 6.64 फीसदी गिरावट आई ।ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ 20.5 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 430 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 2.83 अरब डॉलर की गिरावट आई है। टेस्ला के शेयरहोल्डर्स ने हाल में मस्क के लिए 1 ट्रिलियन डॉलर का पैकेज मंजूर किया है। लैरी एलिसन की नेटवर्थ में 10.8 अरब डॉलर की गिरावट आई। वह 275 अरब डॉलर के साथ दुनिया के दूसरे बड़े रईस हैं। उनकी नेटवर्थ में इस साल 82.6 अरब डॉलर की तेजी आई है। जेफ बेजोस ने गुरुवार को 5.77 अरब डॉलर गंवाए और उनकी नेटवर्थ अब 259 अरब डॉलर रह गई है। लैरी पेज की नेटवर्थ में से 6.36 अरब डॉलर निकल गए जबकि सर्गेई ब्रिन ने 5.89 अरब डॉलर गंवाए।

बफे की नेटवर्थ

फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के सीईओ मार्क जकरबर्ग की झोली में 335 मिलियन डॉलर आए। वह 216 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में छठे नंबर पर हैं। फ्रांसीसी कारोबारी बर्नार्ड आरनॉल्ट ने 2.04 अरब डॉलर, स्टीव बालमर ने 2.51 अरब डॉलर और जेंसन हुआंग ने 5.89 अरब डॉलर गंवाए। जाने-माने निवेशक वॉरेन बफे की नेटवर्थ में 2.56 अरब डॉलर की तेजी आई। इस बीच भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में गुरुवार को 29.9 मिलियन डॉलर की गिरावट आई। इसके साथ ही उनकी नेटवर्थ 106 अरब डॉलर रह गई है। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 18वें नंबर पर बने हुए है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 15.3 अरब डॉलर की तेजी आई है। गौतम अडानी की नेटवर्थ में 108 मिलियन डॉलर की तेजी आई। वह 90.9 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ 19वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 12.2 अरब डॉलर की तेजी आई है।

अमेरिका-ईयू सहित अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत जारी : उद्योग मंत्री पीयूष गोयल

'नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। भारत की अमेरिका, यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू और चिली जैसे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत जारी है। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को सीआईआई पार्टनरशिप समिट 2025 में यह जानकारी दी।

आंध्र मंडपम को भारत मंडपम के तर्ज पर बनाया जाएगा

गोयल ने यह भी कहा कि इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन (आईटीपीओ) राज्य सरकार के साथ मिलकर एक विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर विकसित करने को तैयार है। प्रस्तावित आंध्र मंडपम को नई दिल्ली के भारत मंडपम की तर्ज पर बनाया जाएगा।

वैश्विक स्तर पर व्यापार बाधाओं को कम करने पर जोर

मंत्री ने कहा कि वैश्विक स्तर पर व्यापार बाधाओं को कम करने से वस्तुओं, सेवाओं और पूंजी के मुक्त प्रवाह को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। भारत पहले ही यूएई, ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए जैसे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते लागू कर चुका है। गोयल ने कहा कि कारोबार में आसानी को बढ़ावा देने के लिए केंद्र ने 42,000 अनुपालनों को हटा दिया है और 1,500 कानूनों को समाप्त कर दिया है।

अनिल अंबानी ने ईडी के सामने वर्चुअली पेश होने की पेशकश की

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी ने शुक्रवार को फेमा के तहत जारी समन के बाद प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष आभासी तरीके से (वर्चुअली) पेश होने की पेशकश की है। 66 वर्षीय व्यवसायी अनिल अंबानी के प्रवक्ता की ओर से जारी एक बयान में यह बात कही गई है। अनिल अंबानी ने जांच एजेंसी को पत्र लिखकर विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत की जा रही जांच में 'पूर्ण सहयोग' का आश्वासन दिया है।

क्या है पूरा मामला यहां जानिए?

सूत्रों के अनुसार, एजेंसी ने अंबानी को शुक्रवार को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर फेमा के तहत अपना बयान दर्ज कराने को कहा था। यह जांच जयपुर-रींगस राजमार्ग परियोजना से संबंधित है। ईडी को संदेह है कि हवाला के जरिए लगभग 100 करोड़ रुपये की धनराशि विदेश भेजी गई। ईडी ने कुछ कथित हवाला डीलरों सहित विभिन्न व्यक्तियों के बयान दर्ज किए हैं, जिसके बाद उन्होंने अंबानी को तलब करने का फैसला किया है। हवाला से तात्पर्य धन के अवैध आवागमन से है, जो मुख्यतः नकदी में होता है। व्यवसायी से ईडी द्वारा एक बार मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ की जा चुकी है। यह उनके समूह की कंपनियों के खिलाफ कथित तौर पर 17,000 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी से जुड़ा है।

रिलायंस ने अपने बयान में क्या कहा?

बयान में कहा गया है, यह मामला (फेमा मामला) 15 वर्ष पुराना है, 2010 का है और एक सड़क की ठेकेदारी से जुड़ा हुआ है। 2010 में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को जेआर टोल रोड (जयपुर-रींगस राजमार्ग) के निर्माण के लिए ईपीसी अनुबंध दिया गया था। यह पूर्णतः घरेलू अनुबंध था, इसमें किसी भी प्रकार से विदेशी मुद्रा घटकों को शामिल नहीं किया गया। बयान के अनुसार, जेआर टोल रोड पूरी तरह से बनकर तैयार हो चुका है और 2021 से यह पिछले चार वर्षों से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के पास है। अंबानी रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के बोर्ड के सदस्य नहीं हैं। बयान में कहा गया है, उन्होंने अप्रैल 2007 से मार्च 2022 तक लगभग पंद्रह वर्षों तक कंपनी में गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में काम किया और कंपनी के दैनिक प्रबंधन में कभी शामिल नहीं रहे।

सोना 1,126 गिरकर 1.25 लाख पर आया

चांदी आज 2,074 सस्ती हुई; इस साल सोना 49,000 और चांदी 74 हजार महंगी हुई

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 14 नवंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम सोना आज 1,126 रुपए गिरकर 1,25,428 रुपए पर पहुंच गया है। कल इसका भाव 1,26,554 रुपए प्रति 10 ग्राम था। वहीं, चांदी 2,074 रुपए गिरकर 1,60,656 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। कल यह 1,62,730 रुपए प्रति किलो थी। 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए और 14 अक्टूबर को चांदी ने 1,78,100 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

इस साल सोना 49,266 और चांदी 74,639 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 49,266 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,25,428 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 76,713 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,60,656 रुपए प्रति किलो हो गई है।

शहरों में सोने के अलग दाम होने की 4 वजह

ट्रांसपोर्टेशन के खर्चेः सोना एक फिजिकल चीज है, तो इसे ले जाने में खर्चा लगता है। ज्यादातर आयात हवाई जहाज से होता है। फिर सोने को अंदरूनी इलाकों तक पहुंचाना पड़ता है। ट्रांसपोर्टेशन के खर्चे में फ्यूल, सिक्योरिटी, गाड़ी, स्टाफ का पैसा वगैरह शामिल होता है।

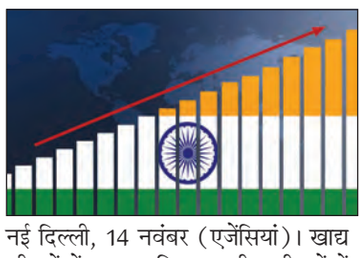

खाद्य कीमतों में गिरावट और मजबूत अर्थव्यवस्था से राहत, आरबीआई से ब्याज दर कटौती की उम्मीद बढ़ी

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। खाद्य कीमतों में लगातार गिरावट, जीएसटी दरों में कटौती और खुदरा मुद्रास्फीति अक्तूबर 2025 में 0.25 प्रतिशत के ऐतिहासिक निम्नतम स्तर पर आ गई है। वहीं उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) निम्न स्तर पर आने की वजह से विशेषज्ञों का कहना है कि वित्त वर्ष 2026 के शेष समय में स्थिति अच्छी रहने की उम्मीद है। इसकी वजह से बाजार को उम्मीद है कि भारतीय रिजर्व बैंक ब्याज दरों के कटौती चक्र को दोबारा शुरू कर सकता है।वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में पिछले महीने की तुलना में अक्तूबर 2025 में (-) 1.21 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। यह लगातार चौथे महीने भी नकारात्मक क्षेत्र में रही। मजबूत आर्थिक परिदृश्य के कारण हो सकती है ब्याज दरों में कटौती रेटिंग्स एजेंसी क्रिसिल का कहना है, वित्तिय स्थिति सूचकांक ने महीने दर महीने घरेलू वित्तीय स्थितियों में सुधार दर्शाया है। यह अक्तूबर 2025 में -0.3 बढ़ी है। चार महीने बाद विदेशी पोर्टफोलियों निवेशक (एफपीआई) की भारतीय बाजारों में वापसी , जो अक्तूबर में वित्तीय स्थितियों में सुधार का प्रमुख कारण रही है। क्रिसिल के अनुसार एफपीआई में वृद्धि से घरेलू बाजार को फायदा हुआ है। वहीं अक्तूबर में ऋण वृद्धि में सुधार और मोटे तौर पर स्थिर रुपये ने भी वित्तीय स्थिति सूचकांक के मूल्य में वृद्धि में योगदान दिया है। इसलिए हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026 के शेष समय के लिए आरामदायक स्थिति रहेगी। यह भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) को सीआरआर में कटौती करने और अपने दर कटौती चक्र को फिर से शुरू करने को प्रभावित कर सकती है। जियोजित इंवेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसांधन प्रमुख विनोद नायर कहते हैं कि अक्तूबर में मुद्रास्फीति के रिकॉर्ड नीचले स्तर पर पहुंचने से धातु और रियल्टी जैसे ब्याज दरों के प्रति संवेदनशील क्षेत्र निवेशकों के लिए आकर्षक हो गए है। हालांकि एफपीआई की निकासी अभी जारी है और रुपये में कमजोर रुझान के बीच बिहार चुनाव परिणामों का भी असर मौजूदा बाजार पर देखने को मिल रहा है। सितंबर 2025 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई मुद्रास्फीति को भी संशोधित किया गया है, जिसमें जीएसटी कटौती को शामिल किया है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अब वित्त वर्ष 2026 में मुद्रास्फीति के लगभग दो प्रतिशत का रहने का अनुमान है, जो आरबीआई के 2.6 प्रतिशत के अनुमान से लगभग 50 आधार कम है।

बिहार चुनाव के नतीजों के बीच हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 84 अंक चढ़ा

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी शुक्रवार को शुरुआती गिरावट से उबरकर मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। शुरुआती सत्र में भारी दबाव दिखा था, बीएसई सेंसेक्स 449.35 अंक (0.53%) टूटकर 84,029.32 पर और एनएसई निफ्टी 138.35 अंक (0.53%) गिरकर 25,740.80 पर खुला।हालांकि, दिन के अंतिम चरण में निवेशकों की ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी लौटने से बाजार ने रफ्तार पकड़ी। इसके साथ ही, दोनों प्रमुख सूचकांकों ने लगातार चौथे दिन बढ़त दर्ज की। कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 84.11 अंक या 0.10 प्रतिशत उछलकर 84,562.78 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 30.90 अंक या 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,910.05 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में इटरनल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, ट्रेंट, एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, सन फार्मास्यूटिकल्स, एशियन पेंट्स, अदानी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी, पावरग्रिड, टाटा मोटर्स लिमिटेड के वाणिज्यिक वाहन कारोबार और बजाज फिनसर्व लाभ में रहे। वहीं इंफोसिस, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी इंडिया और लार्सन एंड टुब्रो पिछड़ गए।एसबीआई सिक्योरिटीज के तकनीकी अनुसंधान एवं डेरिवेटिव्स प्रमुख सुदीप शाह ने कहा कि निवेशकों का ध्यान आगामी आरबीआई एमपीसी और यूएस फेड एफओएमसी बैठकों पर केंद्रित हो गया है, जिससे वे प्रतीक्षा और देखो की स्थिति में हैं।एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्केई 225 और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के व्यापक बाजारों में गिरावट देखी गई। गुरुवार को अमेरिकी बाजारों में भी रात भर के कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.51 प्रतिशत बढ़कर 63.93 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इस बीच, विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार चौथे दिन शुद्ध बिकवाल रहे और गुरुवार को 383.68 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने अपनी खरीदारी जारी रखी और 3,091.87 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। गुरुवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 12.16 अंकों की बढ़त के साथ 84,478.67 पर बंद हुआ।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य -	तुला	में	तुला----	04-20	बजे
चंद्र -	कन्या	में	वृश्चिक...	06-29	बजे
मंगल-	वृश्चिक	में	धनु......	08-43	बजे
बुध -	वृश्चिक	में	मकर...	10-50	बजे
गुरु	कर्क	में	कुंभ....	12-49	बजे
शुक्र -	तुला	में	मीन....	14-18	बजे
शनि	मीन	में	मेष.....	15-54	बजे
राहु	कुंभ	में	वृष....	17-39	बजे
केतु	सिंह	में	मिथुन..	19-38	बजे
			कर्क...	21-54	बजे
			सिंह---	00-04	बजे
			कन्या---	02-10	बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय **06-18**
भोग्य कलि वर्ष-**426874** सूर्यास्त. **17-41**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष शनिवार **15 Nov**
तिथि - एकादशी **02-37** तक उपरान्त द्वादशी
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी **23-34** तक हस्त
योग - वैधृति **06-25** तक विष्कुंभ
करण - बव **13-40** तक उप बालव
व्रत उतप्ति एकादशी व्रत सर्वे
त्योहार श्री पदमप्रभु पुण्य

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गौचर के आधार पर लिया गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 09-11 10-36

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया	रात का चौघडिया
काल 06-23 - 07-47 अशुभ	लाभ 17-37 - 19-15 शुभ
शुभ 07-47 - 09-11 शुभ	उत्पात 19-15 - 20-50 अशुभ
रोग।। 09-11 - 10-36 अशुभ	शुभ 20-50 - 22-25 शुभ
उत्पात 10-36 - 12-01 अशुभ	अमृत 22-25 - 00-01 शुभ
चंचल 12-01 - 13-25 शुभ	चंचल 00-01 - 01-36 शुभ
लाभ 13-25 - 14-50 शुभ	रोग 01-36 - 03-12 अशुभ
अमृत 14-50 - 16-14 शुभ	काल 03-12 - 04-47 अशुभ
काल 16-14 - 17-37 अशुभ	लाभ 04-47 - 06-23 शुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
यह आपके लिए अपने आप से किये हुए वादों और अपनी योजनाओं को अमल में लाने का बहुत अच्छा समय है ।नयी योजनायें भी जल्दी ही कामयाब होंगीं । हालाँकि, दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है । इसीलिए शाम को सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने की योजना बना सकते हैं ।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी । अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें ।आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं । आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी ।अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें । आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं । आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है ।आप आज शांत किन्तु दृढ हैं । आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं । कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगें । किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है । घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे । बोद्धिक उन्नति होगी ,प्रियजनों की और से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी ।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपको अपना अधूरा काम समय पर पूरा करने के बहुत से मौके मिलेंगे । आपकी दूसरी परेशानियां भी तुरंत दूर हो जायेंगी ,उनके बारे में चिंता ना करें । आज अधिक से अधिक काम करने की कोशिश करें क्योकि आपको आज के अपने सब कामों में सफलता मिलेगी । आप अपने किसी करीबी से सलाह ले सकते हैं ।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है । अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपके दिमाग में आज कोई अद्भुत विचार आएगा और आपको इसे हाथोहाथ केवल इसीलिए रद्द नही क्र देना चाहिए क्योंकि आपको इसका हो पाना मुश्किल लग रहा है ।आज बड़ा सोचने और ऊँचाइयों को छूने का दिन है । ऐसा करने के लिए आपको बाधाओं की सूची बनाकर अच्छी योजना बनानी अहि और आप पायेंगे कि परेशानियों से खुद-ब-खुद समाधान नजर आने लगेंगे ।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
अपने वादों का सम्मान करें। आपको इसके लिए अपने मजे तथा आनंद के समय से समझौता करना पड़ सकता है परन्तु अगर आप दूसरों को दुःख नही पहुंचना चाहते तो आपको यह करना पड़ेगा । आपकी कल्पनात्मक शक्ति आपको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करेगी । आप मानवीय आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं, आपकी प्रगति तय है ।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपके परिवारवालों को नजदीकी संबंधियों से होने वाली परेशानी के कारण आपको भी प्रतिबंधों का सामना करना होगा । ये लम्बे समय तक नही रहेंगे लेकिन आपको काफी प्रभावित करेंगे,इसीलिए इनके प्रभाव से बचने की कोशिश करें । आज आप कोई घरेलू उपयोग का उपकरण खरीदेंगे ,या घर की नियमित साफ़-सफाई के चलते कम उपयोगी सामान को बेच देंगें ।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आपके लिए गंभीरता से मेहनत करने का दिन है । आप काफी लम्बे समय से लटक रहा एक काम संतोषजनक ढंग से पूरा करने में सफल रहेंगे । इससे आपके अफसर प्रभावित होंगे । आज आप पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की भी नजर पड़ेगी और इस बात का आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा ।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप अपने गुस्से के कारण तुरंत प्रतिक्रिया देने के मूड में हैं । लेकिन आपके लिए सुझाव यह है कि अपने दिमाग को शांत रखकर गंभीरता से सोचें । आपके पास अच्छी संचार-कुशलता है और इसे अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करें । तनाव घटाने के लिए,किसी साहसिक यात्रा पर जा सकते हैं लेकिन शारीरिक आनंद के चक्कर में न पड़ें।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपकी सफलता हासिल करने की इच्छा आज और बलवती होती जायेगी । आप आज अपनी लिखित और वक्ता कला में सुधार के लिए कोशिश कर सकते हैं । सफलता के लिए महत्वपूर्ण टिप्स पढ़ें या किसी कुशल आदमी से मार्गदर्शन ले लें। हालाँकि इन सबके चक्कर में उनकी भी उपेक्षा ना करें जो लम्बे समय से आपके ध्यान और समय की प्रतीक्षा में हैं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

छत्तीसगढ़ में पहली बार डीजीपी-आईजी कॉन्फ्रेंस

3 दिन राष्ट्र सुरक्षा पर चिंतन, केंद्रीय गृहमंत्री शाह करेंगे उद्घाटन, पीएम मोदी समापन में अफसरों से करेंगे चर्चा

रायपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में पहली बार देशभर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और महानिरीक्षक (आईजी) का सबसे बड़ा मंच होस्ट होने जा रहा है। 28 से 30 नवंबर तक नवा रायपुर स्थित आईआईएम परिसर में 60वां अखिल भारतीय डीजीपी-आईजी सम्मेलन होगा। गृहमंत्री विजय शर्मा ने इसकी पुष्टि की है।

तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में आंतरिक सुरक्षा के अहम मुद्दों पर गहन मंथन किया जाएगा। उद्घाटन सत्र में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और समापन सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौजूद रहेंगे। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह का बंगला अस्थाई पीएमओ बनेगा।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, सम्मेलन में नक्सलवाद से निपटने की रणनीति, आतंकवाद विरोधी प्रयास, ड्रग्स नियंत्रण, साइबर सुरक्षा, और सीमा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा होगी। खास बात यह है कि इस बार फोकस नक्सल प्रभावित इलाकों, विशेषकर बस्तर पर रहेगा। हाल के महीनों में राज्य पुलिस और केंद्रीय बलों ने संयुक्त रणनीति के तहत कई बड़ी सफलता हासिल की है। यही वजह है कि बस्तर मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर कैसे मजबूत किया जाए, इस पर भी विचार होगा।

बस्तर में हाल ही के ऑपरेशनों की सफलता को लेकर अधिकारी बताते हैं कि ग्राउंड इंटेलिजेंस, आधुनिक हथियारों और संयुक्त ऑपरेशन के कारण नतीजे प्रभावी रहे हैं। सम्मेलन में आगे की रणनीति का ब्लूप्रिंट भी तैयार होने की उम्मीद है।

पिछले साल 2024 में डीजीपी-आईजी कॉन्फ्रेंस भुवनेश्वर में हुआ था। इसमें पीएम मोदी ने हिस्सा लिया था। छत्तीसगढ़ पहली बार इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी कर रहा है, जो राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 से 30 नवंबर तक नवा रायपुर स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में होने वाली डीजीपी कॉन्फ्रेंस में शामिल होने छत्तीसगढ़ आएंगे। यह विशेष है, क्योंकि एक महीने में पीएम मोदी का यह दूसरा दौरा होगा।

इससे पहले 1 नवंबर को वे राज्य स्थापना दिवस पर रायपुर पहुंचे थे, जहां उन्होंने सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में बच्चों से मुलाकात की। आदिवासी संग्रहालय का उद्घाटन किया और राज्य उत्सव में हिस्सा लिया।

विधानसभा अध्यक्ष का बंगला बनेगा अस्थाई पीएमओ

रायपुर में होने वाली डीजीपी कॉन्फ्रेंस के दौरान नवा रायपुर का बंगला एम-01 तीन दिनों के लिए मिनी पीएमओ में बदल दिया जाएगा। यह बंगला विधानसभा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह का आवास है।

सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, एनएसए अजित डोभाल सहित 70 डीजी, पैरामिलिट्री चीफ और कुल 500 शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे। कार्यक्रम को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं और एनएसजी कमांडोज की तैनाती होगी। वीवीआईपी मूवमेंट के लिए 400 वाहनों का बेड़ा भी तैयार किया गया है।

पाकुड़ गोलीकांड का खुलासा पत्थर व्यवसायी समेत 3 गिरफ्तार

जमीन विवाद में हुई थी घटना, 7 .65 एमएम पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद

पाकुड़, 14 नवंबर (एजेंसियां)। पाकुड़ पुलिस ने नगर थाना क्षेत्र के सोलागढ़िया में 27 अक्टूबर 2025 को हुए गोलीकांड का खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें चर्चित पत्थर व्यवसायी जियाउल शेख, उनके पुत्र शोएब अख्तर और अलाउद्दीन शेख शामिल हैं।

एसपी निधि द्विवेदी ने अपने कार्यालय कक्ष में जानकारी देते हुए बताया कि 27 अक्टूबर को हुए इस गोलीकांड में कासिम अंसारी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस संबंध में नगर थाना में कांड संख्या 275/25 दर्ज किया गया था।

मामले के खुलासा के लिए महेशपुर एसडीपीओ विजय कुमार के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था।

गिरफ्तार आरोपियों ने गोलीकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली

एसपी ने बताया कि एसआईटी ने तकनीकी सहायता का उपयोग करते हुए जांच आगे बढ़ाई। गुप्त सूचना के आधार पर जियाउल शेख, शोएब अख्तर और अलाउद्दीन शेख को 7.65 एमएम पिस्टल और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों ने गोलीकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है।

पुलिस के अनुसार, यह गोलीकांड मुख्य रूप से जमीन के लेन-देन को लेकर हुआ था। घायल कासिम अंसारी एक जमीन ब्रोकर हैं और जमीन की ब्रोकरी को लेकर ही यह विवाद सामने आया था। एसपी ने यह भी बताया कि मामले का अनुसंधान अभी जारी है और जल्द ही कुछ और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं।

रायपुर स्टेडियम को लीज पर चलाएगा छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ

धान खरीदी के लिए 15,000 करोड़ की गारंटी, साय कैबिनेट के 7 बड़े फैसले

रायपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय (महानदी भवन) में कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक में 7 महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। इनमें नवा रायपुर क्रिकेट स्टेडियम छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ को लीज पर देने का निर्णय लिया गया है।

इसके अलावा धान खरीदी के लिए 15,000 करोड़ की गारंटी और 11,200 करोड़ अतिरिक्त स्वीकृति दी गई है।

सार्वजनिक उपक्रम विभाग का वाणिज्य-उद्योग विभाग में विलय। बीस सूत्रीय विभाग का योजना-आर्थिक-सांख्यिकी विभाग में विलय किया जाएगा।

दलहन-तिलहन का समर्थन मूल्य खरीदी जारी रहेगी

इसके साथ ही दलहन-तिलहन का समर्थन मूल्य पर उपार्जन पीएसएस योजना के तहत जारी रहेगा।

ईडब्ल्यूएस-एलआईजी के अविकृत मकान किसी भी आय वर्ग को बेचने की अनुमति दी गई है। बल्क पर्चेस में व्यक्ति/संस्था कई मकान खरीद सकेगी, लेकिन सरकार से कोई अनुदान नहीं मिलेगा।

कैबिनेट मीटिंग में एक महीने पहले 3 निर्णय लिए गए

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट मीटिंग हुई। बैठक में 3 प्रमुख फैसले लिए गए। दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए 24.50 करोड़ रुपए की बकाया राशि एकमुश्त चुकाने का निर्णय लिया गया था। साथ ही 100 स्पेशल एजुकेटर की भर्ती करने का फैसला भी लिया गया। साथ ही शासकीय सेवकों को आकस्मिक वित्तीय जरूरत पर वेतन के विरुद्ध अल्पावधि ऋण उपलब्ध करने के प्रस्ताव पर भी मुहर लगी।

सरकारी कर्मचारियों की अचानक आने वाली वित्तीय जरूरतों को देखते हुए उन्हें वेतन के विरुद्ध अल्पकालिक ऋण देने का फैसला लिया गया। 9 जून 2025 को सुकमा में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान शहीद हुए एएसपी आकाश राव गिरेपूंजे की पत्नी स्नेहा गिरेपूंजे को राज्य पुलिस सेवा में उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) के पद पर अनुकंपा नियुक्ति दी गई।

भूपेश बघेल बोले-बिहार में धांधली पर धांधली, बेहिसाब धांधली

कहा–चुनाव आयुक्त बीजेपी का सहयोगी, 64 लाख वोट काटे, बीजेपी बोली–राहुल गांधी लें हार की जिम्मेदारी

रायपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार चुनाव की तस्वीर साफ हो गई है। 243 में से 202 सीटों के साथ एनडीए रिकॉर्ड जीत की ओर है, जबकि महागठबंधन के खाते में 35 सीटें आ रही हैं। इस बीच छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम और बिहार विधानसभा चुनाव के सीनियर ऑब्जर्वर भूपेश बघेल ने कहा कि ये करिश्मा निर्वाचन आयोग ही कर सकता है।

भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया X पर पोस्ट कर लिखा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बिहार चुनाव में जीत की बधाई। आपने बहुत मेहनत की, 64 लाख मतदाताओं के वोट काटे, 16 लाख नए मतदाताओं ने आवेदन किया, आपने 21 लाख वोट जोड़ दिए। पूर्व सीएम ने कहा, धांधली

पर धांधली, बेहिसाब धांधली, भाजपा को आपसे अच्छा सहयोगी नहीं मिल सकता। आवेदन 16 लाख हो और 5 लाख नए वोटरों को जोड़कर 21 मतदाता बना दिए जाएं। तो ये करिश्मा निर्वाचन आयोग ही कर सकता है। इसके लिए कोई जिम्मेदार है तो निर्वाचन आयोग है।

वहीं भूपेश बघेल के आरोपों पर सीएम साय के मीडिया सलाहकार पंकज कुमार झा ने लिखा कि बहुत पीड़ा की बात है। गलती से भी जीत गए तो राहुल गांधी जी श्रेय लेने टूट पड़ते हैं, जबकि यहां भूपेश जी को आगे कर दिया। यह अनुचित है। बघेल जी के समर्थक दस जनपथ की इस साजिश का उचित जवाब देंगे।

कुमार झा ने कहा कि इतनी बड़ी हार की जिम्मेदारी सबसे पहले राहुल गांधी को लेनी चाहिए, उसके बाद ही अन्य नेताओं को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। वहीं दूसरी तरफ एनडीए को बढ़त मिलने पर भारतीय जनता पार्टी ने जश्न मनाया। मुख्यमंत्री साय ने अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने भी चुनाव आयोग पर आरोप लगाते हुए कहा कि 'चुनाव आयोग ने सत्तारूढ़ पक्ष से मिलकर चुनाव लड़ा। मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट की अनदेखी करते हुए महिलाओं को 10,000 ट्रांसफर किए गए, बिहार में एसआइआर से लाखों वोट काटे गए। बिहार चुनाव के नतीजे लोकतंत्र की हत्या का प्रतीक हैं।'

बिहार चुनाव की तस्वीर साफ हो गई है। 243 में से 202 सीटों के साथ एनडीए रिकॉर्ड जीत की ओर है। जबकि महागठबंधन के खाते में 37 सीटें आ रही हैं। इस बीच पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा है कि ये सुशासन की जीत है। एनडीए को 2020 के मुकाबले 70 से ज्यादा सीटों का फायदा हो रहा है।

वहीं महागठबंधन को लगभग इतनी ही सीटों का नुकसान हो रहा है। प्रचंड जीत के बीच सम्राट चौधरी, ललन सिंह ने नीतीश कुमार से मुलाकात की।

पिछली बार 43 सीटों पर सिमटी जेडीयू की झोली में इस बार 80+ सीटें हैं। वहीं 90 सीटों के साथ बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

बड़े चेहरों में राघोपुर से तेजस्वी यादव करीब 12 हजार वोटों से जीत गए हैं। तेजप्रताप यादव महुआ से चुनाव हार गए हैं। उनकी पार्टी जेजेडी ने हार के बाद फेसबुक पर पोस्ट किया है। इसमें लिखा है- तेजस्वी फेलस्वी हो गया। आरजेडी को जयचंदों ने खोखला कर दिया। मोदी विश्व के मजबूत नेता हैं।

एनडीए को उसकी एकता ने जिताया। महागठबंधन में राजद के खाते में 26, जबकि कांग्रेस 6 सीटों पर जीत की ओर है। पीके की पार्टी जन सुराज और वीआइपी का खाता भी नहीं खुला है।

घाटशिला उपचुनाव में जेएमएम उम्मीदवार सोमेश चंद्र सोरेन की जीत

भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन 38,601 वोट से हारे, जेएलकेएम रहा तीसरे नंबर पर

जमशेदपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में झामुमो (जेएमएम) प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन की जीत हुई है। उन्हें 1,04936 मत मिले। सोमेश चंद्र सोरेन ने भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन को 38,601 वोट से हराया।

20 राउंड की काउंटिंग में सोमेश चंद्र सोरेन ने शुरू से ही बढ़त बनाए रखी। वहीं, झारखण्ड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के उम्मीदवार रामदास मुर्मू तीसरे नंबर पर हैं। उन्हें 11,563 मत प्राप्त हुए।

जमशेदपुर के को-ऑपरेटिव कॉलेज मतगणना केंद्र में शुक्रवार को 20 राउंड में मतों की गिनती पूरी हुई। मतगणना के लिए हर टेबल पर एक मतगणना पर्यवेक्षक, एक मतगणना सहायक

और एक माइक्रो ऑब्जर्वर की नियुक्ति की गई थी।

घाटशिला विधानसभा में उपचुनाव जेएमएम के गद्दावर नेता और प्रदेश के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के आकस्मिक निधन के बाद खाली हुई सीट की वजह से हुआ। 11 नवंबर को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त मतदान सम्पन्न हुआ। शाम 5 बजे तक कुल 74.63 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था।

इधर, घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की ओर से पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के बेटे बाबूलाल सोरेन और झामुमो से दिवंगत विधायक रामदास सोरेन के पुत्र सोमेश चंद्र सोरेन आमने-सामने थे। 2024 के विधानसभा चुनाव में इस सीट पर झामुमो के रामदास सोरेन ने बाबूलाल सोरेन को शिकस्त दी थी। विधानसभा चुनाव में रामदास सोरेन को 98,356 वोट मिले थे। जबकि बाबूलाल सोरेन को 75,910 मत प्राप्त हुआ था।

बताते चलें कि झारखंड राज्य बनने के बाद साल 2005 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान घाटशिला सीट पर कांग्रेस के प्रदीप कुमार बलमुचू ने जीत दर्ज कराई थी। 2009 के इलेक्शन में जेएमएम के टिकट पर रामदास सोरेन की जीत हुई थी। 2014 के चुनाव में भाजपा के लक्ष्मण टुडू यहां से विधायक चुने गए थे।

झारखंड के कई हिस्से में शीत लहर चलने की संभावना

रांची, 14 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड में अब रोजाना ही ठंड में वृद्धि दर्ज की जा रही है। हिमालय से आने वाली उत्तरी ठंडी हवाओं के असर से राज्य के कई हिस्सों में तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, 15 नवंबर को कई जिलों का न्यूनतम तापमान 8-9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

वहीं, शुक्रवार को गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा और इनके निकटवर्ती मध्य क्षेत्रों में कहीं-कहीं शीत लहर चलने की संभावना है। सुबह में कोहरा या धुंध और बाद में आसमान मुख्यत साफ एवं मौसम शुष्क रह सकता है। शनिवार को जिन जिलों में न्यूनतम तापमान 8-9 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है, उसमें कोडरमा, चतरा, गढ़वा, लातेहार, लोहरदगा, पलामू, रामगढ़, हजारीबाग, रांची, खूंटी और गुमला शामिल है।

डकैत बोले-सौम्या के पैसे कहां हैं, बताओ नहीं तो मार डालेंगे

चौरसिया की क्लासमेट के घर डकैती, कनपटी पर बंदूक तानी, बंधक बनाकर कैश, जेवर लेकर भागे

कोरबा, 14 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में सौम्या चौरसिया की क्लासमेट के घर पर डकैती हुई है। 15 से अधिक हथियारबंद डकैतों ने परिवार 11 सदस्यों को बंधक बना लिया। डकैत पूछ रहे थे कि सौम्या चौरसिया का पैसा कहां है बताओ, नहीं तो सभी लोगों को मार डालेंगे। मामला बालको नगर थाना क्षेत्र के तराईडांड गांव का है।

जानकारी के मुताबिक पीड़ित किसान का नाम शत्रुघ्न दास है। उनकी बेटी का नाम बबीता दास है। पहले सौम्या चौरसिया के घर पर बबीता रहती थी। इसीलिए डकैत बंदूक और तलवार लेकर आए थे। डकैतों ने बच्चों और परिवार के लोगों की कनपटी पर बंदूक तानकर रखी थी। डकैत कैश और जेवर लेकर भाग गए।

दरअसल, तराईडांड गांव में मंगलवार की रात करीब 10 बजे खाना खाने के बाद शत्रुघ्न दास के परिवार के लोग अपने-अपने कमरे में सोने चले गए थे। देर रात करीब 1 बजे, 15 से अधिक हथियारबंद डकैत घर के पिछले हिस्से की दीवार फांदकर अंदर घुसे।

इस दौरान डकैतों ने शत्रुघ्न दास और उनकी पत्नी की कनपटी पर बंदूक तान दी। परिवार के 11 सदस्यों को बंधक बना लिया। सभी सदस्यों को बंधक बनाया। इसके बाद डकैतों ने पूछा कि पूर्व सीएम भूपेश बघेल की उपसचिव रहीं सौम्या चौरसिया के 20-25 लाख रुपए कहां हैं।

इस दौरान डकैतों ने बच्चों से पैसों के बारे में जानकारी लेने की धमकी भी दी। वे कह रहे थे कि अगर उन्होंने पैसों के बारे में उन्हें नहीं बताया, तो वे सबको मार डालेंगे। डकैत साढ़े 5 लाख रुपए के गहने और डेढ़ लाख रुपए कैश लेकर फरार हो गए। ये गहने बेटी की शादी के लिए खरीदे गए थे।

घर के मुखिया शत्रुघन दास ने बताया कि बबीता दास मेरी बेटी है, जो मुख्यमंत्री कार्यालय में उप सचिव रहीं सौम्या चौरसिया की क्लासमेट थी। कांग्रेस शासनकाल में सौम्या चौरसिया के घर पर ही रहती थी, लेकिन सौम्या चौरसिया की गिरफ्तारी के बाद बबीता घर लौट आई है।

शत्रुघन दास ने बताया कि डकैतों को बबीता और सौम्या के बारे में जानकारी रही होगी, तभी साजिश के तहत हथियार लेकर आए थे। डकैतों के हाथों में तलवार और बंदूकें थी। डकैतों ने बच्ची को कब्जे में लेकर पूरे घर की तलाशी ली।

शत्रुघन दास ने बताया कि पहले दिन वे दहशत में होने के कारण ज्यादा कुछ नहीं बता पाए थे। आरोपी बार-बार सौम्या चौरसिया का नाम लेकर उसके पैसे के बारे में पूछ रहे थे और धमकी दे रहे थे। डकैतों ने तीन बच्चों पर कट्टा तान दिया था, जबकि कुछ तलवार लेकर खड़े थे।

जामताड़ा के लधना डैम पर बोट फेस्टिवल, पानी पर रोमांच

हजारों पर्यटक उमड़े, 5 एडवेंचर बोट्स का आनंद लिया

जामताड़ा, 14 नवंबर (एजेंसियां)। जामताड़ा के लधना डैम पर शुक्रवार को बोट फेस्टिवल का आयोजन किया गया। जामताड़ा पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित इस उत्सव में धनबाद, गिरिडीह, देवघर और जामताड़ा सहित विभिन्न क्षेत्रों से हजारों नौकायन प्रेमी और पर्यटक पहुंचे। पूरा इलाका मेले जैसे उत्साह और स्पीड बोट्स की आवाज से गूंज उठा।

कार्यक्रम स्थल पर पुलिस बल और जिला प्रशासन की पूरी टीम मुस्तैद रही। इससे भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई, जिससे पर्यटक बिना किसी परेशानी के रोमांच का आनंद ले सकें।

गिरिडीह से आए वॉटर स्पोर्ट्स

इंस्ट्रक्टर मोहम्मद सईद अख्तर ने बताया कि इस बार फेस्टिवल में पांच लेटेस्ट एडवेंचर बोट शामिल की गई थीं।

इन बोट्स ने पर्यटकों को पानी पर विभिन्न प्रकार के रोमांचक अनुभव प्रदान किए।

उपलब्ध गतिविधियों में बोटिंग बोट शामिल थी, जहां परिवार आराम से पानी पर तैरने का आनंद ले सकते थे।

रिंगो राइड में दो लोग हाई-स्पीड थ्रिल का अनुभव कर रहे थे, जबकि डिस्को राइड में चार लोगों की टीम पानी के बीच घूमते हुए रोमांच का एहसास कर रही थी।

इसके अतिरिक्त, छह लोगों के लिए बनाना राइड एक ग्रुप एडवेंचर प्रदान कर रही थी। बच्चों के लिए वॉटर रोलर सबसे आकर्षक गतिविधि थी, जिसमें वे पानी पर चलते हुए एक अनूठे रोमांच का अनुभव कर रहे थे। लधना डैम पूरे दिन पर्यटकों से भरा रहा, जहाँ उत्साह और रोमांच का माहौल बना रहा।

जामताड़ा का यह बोट फेस्टिवल पूर्वी झारखंड का एक प्रमुख वाटर एडवेंचर हब बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हाइवा की चपेट में आने से युवक की मौत

धनबाद, 14 नवंबर (एजेंसियां)। धनबाद जिले के झरिया-सिंदरी मुख्य मार्ग पर नूनूडीह मोड़ के पास शुक्रवार को एक सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसी बाइक पर सवार एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। कोयला लदे एक तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक को टक्कर मार दी। मृतक की पहचान लोको बाजार ईदगाह मोहल्ला निवासी 30 वर्षीय हैदर अली उर्फ मोनू अंसारी के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मोनू अंसारी झरिया की ओर से अपने घर लौट रहा था। नूनूडीह दुर्गा मंदिर के पास पहुंचते ही पीछे से चासनाला की ओर जा रहे कोयला लोडेड हाइवा ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

महिला की सिर काटकर हत्या

धड़ घर में मिला, परिजन फोरेंसिक जांच के लिए अड़े, एक संदिग्ध हिरासत में

गिरिडीह, 14 नवंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के धनवार थाना क्षेत्र के अम्बाटांड़ (पलंगी) में गुरुवार देर रात एक 62 वर्षीय महिला की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। हमलावरों ने महिला शांति देवी का सिर धड़ से अलग कर दिया। मृतका स्थानीय गंगा सिंह की पत्नी थीं।

घटना के बाद गांव में अफरातफरी मच गई। ग्रामीणों ने तत्काल धनवार थाना पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही धनवार थाना प्रभारी सत्येंद्र कुमार पाल के नेतृत्व में घोड़थम्भा, जमुआ और हीरोडीह थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने इलाके को घेरकर जांच शुरू की।

तलाशी के दौरान घटनास्थल से कुछ दूरी पर मृतका का सिर बरामद किया गया, जबकि धड़ घर के भीतर ही मिला। इस हत्या को लेकर परिजनों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। परिजनों का कहना है कि हत्या का तरीका किसी साजिश और योजना की ओर इशारा करता है।

परिजनों ने मांग की कि जब तक फोरेंसिक टीम मौके पर नहीं पहुंचेगी और वैज्ञानिक तरीके से जांच नहीं होगी, तब तक हत्या की असली वजह स्पष्ट नहीं हो सकेगी। पुलिस द्वारा शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की तैयारी की गई, लेकिन परिजनों ने उठाने से इनकार कर दिया।

उनके विरोध के कारण पुलिस को अपनी प्रक्रिया रोकनी पड़ी और अधिकारियों ने वरिष्ठ अधिकारियों को स्थिति की जानकारी दी। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। धनवार थाना प्रभारी सत्येंद्र कुमार पाल ने बताया कि वृद्ध महिला की हत्या धारदार हथियार से की गई है। परिजनों की शिकायत और प्रारंभिक जांच के आधार पर एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है, जिससे पूछताछ जारी है। मामले की हर पहलू से गहन जांच की जा रही है।

18 घंटे काम कर रहीं जापान की नई पीएम

सुबह 3 बजे मीटिंग बुलाई, घोड़े की तरह काम करने को कहा, क्या लौटेगा ओवरवर्क से मौत का कल्चर

टोक्यो, 14 नवंबर (एजेंसियां)। जापान में नई प्रधानमंत्री साने ताकाइची द्वारा रात 3 बजे मीटिंग बुलाने के बाद देश में वर्क लाइफ बैलेंस पर बहस फिर तेज हो गई है। ताकाइची पहले दिन से ही अपने "काम, काम, काम और सिर्फ काम" वाले रवैये को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने तो यहां तक कह दिया कि वह 18 घंटे काम करती हैं और वर्क लाइफ बैलेंस पर भरोसा नहीं करतीं। वह चाहती हैं कि लोग "घोड़े की तरह काम करें।"

जापान पहले भी अपनी कठोर वर्क कल्चर की वजह से बदनाम रहा है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद तेज आर्थिक विकास के दौरान काम का दबाव इतना बढ़ा कि कई लोग दिल के दौरे और तनाव के कारण अचानक मरने लगे। इन मौतों को कहा गया- करोशी यानी ओवरवर्क से मौत।

करोशी रोकने के लिए सरकार को ओवरटाइम की सीमा तय करने और कर्मचारियों को आराम देने के कड़े नियम बनाने पड़े। लेकिन ताकाइची की कार्यशैली से अब यह डर बढ़ गया है कि कहीं

जापान में ओवरवर्क का वही पुराना कल्चर फिर से लौट न आए।

पूर्व पीएम बोले- 3 बजे मीटिंग बुलाना पागलपन

जापानी संसद में 7 नवंबर को बजट से जुड़ी एक बैठक होने वाली थी। सुबह 3 बजे पीएम ने अपने सलाहकारों को बुलाया और मीटिंग शुरू कर दी।

इस बैठक को जापान के मीडिया में '3 ए.एम. स्टडी सेशन' कहा गया। पूर्व प्रधानमंत्री और मुख्य विपक्षी दल के नेता योशिहिको नोदा ने इस फैसले को "पागलपन" बताया।

नोदा ने कहा कि जब वह प्रधानमंत्री थे (2011-12), वे सुबह 6 या 7 बजे काम शुरू करते थे। नोदा बोले, "वह चाहे जितना काम करें, लेकिन उन्हें दूसरों को इसमें शामिल नहीं करना चाहिए। उस समय तो हर कोई सो रहा होता है। देश की पीएम का ये रवैया बहुत निराशाजनक है।"

इस विवाद के बाद उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि उनके घर की फैक्स मशीन खराब हो गई थी। इसलिए वह प्रधानमंत्री आवास पर गईं, क्योंकि उन्हें सुबह 9 बजे संसद के बजट सत्र के लिए जरूरी तैयारी करनी थी।

यह विवाद ऐसे समय हुआ है जब सरकार ओवरटाइम की ऊपरी सीमा बढ़ाने पर विचार कर रही है। ताकाइची ने खुद इस प्रस्ताव को समर्थन दिया है।

जापान में काम करने की स्टैंडर्ड लिमिट 8 घंटे प्रति दिन है। वहीं, ओवरटाइम की लिमिट प्रति महीने 45 घंटे है। यानी कि ऑफिस में बहुत ज्यादा काम की जरूरत हो तो स्टाफ से एक दिन में 9:30 घंटे काम कराए जा सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि सरकार ओवरटाइम लिमिट को और बढ़ाने पर विचार कर रही है। इसे लेकर देश में पीएम ताकाइची की आलोचना शुरू हो गई है। आलोचकों का कहना है कि वह गलत मिसाल पेश कर रही हैं और इससे स्टाफ पर बेवजह दबाव बढेगा।

1945 में दूसरे विश्व युद्ध के बाद जापान पूरी तरह तबाह हो गया था। यहां की इंडस्ट्री बर्बाद हो गई थी। सरकार ने देश को बचाने के लिए ज्यादा काम करने की सलाह दी। इस दौरान जापानी कंपनियों ने 'लाइफटाइम जॉब मॉडल' शुरू किया। इसमें लोगों को आजीवन नौकरी दी गई थी। बदले में कर्मचारियों से 'पूरी वफादारी' और 'लंबे घंटे काम' की उम्मीद की जाती थी।

इसका नतीजा यह हुआ कि कर्मचारी रात-रात तक ऑफिस में रुककर काम करते थे। इसका फायदा यह हुआ कि जापान दुनिया की सबसे तेज इकोनॉमी बन गया। लेकिन 100-100 घंटे काम करने का असर लोगों की सेहत पर पड़ने लगा था। जापान में 1960–70 के दशक में काम का इतना दबाव बढ़ा कि ऑफिस में ही गिरकर मर जाने, ट्रेन से उतरते समय बेहोश होकर मरने की संख्या बढ़ने लगी।

अंतरिक्ष में फंसे चीन के एस्ट्रोनॉट्स धरती पर लौटेंगे

मिशन के दौरान यान में खराबी से अटकी थी वापसी

बीजिंग, 14 नवंबर (एजेंसियां)। अंतरिक्ष में फंसे चीन के तीन एस्ट्रोनॉट्स जल्द ही धरती पर वापस लौटेंगे। अंतरिक्ष मिशन के दौरान इनके यान से अंतरिक्ष के मलबे का एक टुकड़ा टकरा गया था। अब नया क्रू अंतरिक्ष भेजा जा रहा है और उनके यान में ये अंतरिक्ष यात्री धरती पर वापस लौटेंगे।

चीन के सरकारी मीडिया ने बताया कि ये तीनों अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष स्टेशन पर छह महीने के रोटेशन पर थे और 1 नवंबर को नए दल के पहुंचने के चार दिन बाद वापस धरती पर लौटने वाले थे। हालांकि अंतरिक्ष यात्रियों के शेनझोउ-20 अंतरिक्ष यान के अंतरिक्ष मलबे के एक छोटे से टुकड़े से टकराने की आशंका के बाद उनकी वापसी रद्द कर दी गई थी। सरकारी मीडिया के अनुसार, अब वे शेनझोउ-21 यान से वापस आ रहे हैं। तीनों अंतरिक्ष यात्री - चेन डोंग, चेन झोंगरुई और वांग जी - अप्रैल में तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन गए थे।

उड़ान के लिए छह घंटे तक फंसे रहे एथलीट

वेतन ना बढ़ाने पर इंजीनीयर्स ने जानबूझकर कराई देरी

इस्लामाबाद, 14 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस यानी पीआईए में इंजीनियरों के साथ लंबे समय से चल रहे विवाद ने देश की उड़ान सेवाओं को गंभीर रूप से प्रभावित कर दिया है। इसी विवाद के बीच इस्लामिक सॉलिडेरिटी गेम्स में हिस्सा लेने जा रही पाकिस्तान की एथलेटिक्स टीम शुक्रवार को लाहौर एयरपोर्ट पर छह घंटे से अधिक समय तक फंसी रही। टीम में ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट अरशद नदीम और उनके कोच सलमान बट भी शामिल हैं।

एथलीटों की टीम सुबह छह बजे लाहौर एयरपोर्ट पहुंची थी, लेकिन पीआईए की रियाद जाने वाली फ्लाइट 9.25 बजे उड़ान भरने के बजाय छह घंटे से अधिक देरी से चल रही थी। सलमान बट ने बताया कि देर का कारण 'तकनीकी समस्या' बताया गया, लेकिन वास्तविक वजह इंजीनियरों और पीआईए प्रबंधन के बीच जारी तकरार है, जिसके चलते उड़ानें बार-बार प्रभावित हो रही हैं।

एसएईपी से जुड़े इंजीनियर पिछले कई सप्ताह से

एयरवर्थीनेस सर्टिफिकेट जारी नहीं कर रहे हैं, जिससे कई विमान ग्राउंडेड हो गए। इससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय रूटों पर बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द या प्रभावित हुई हैं। इंजीनियरों की नाराजगी वेतन वृद्धि, बेहतर सुविधाओं और पुर्जों की समय पर उपलब्धता को लेकर है। वहीं, पीआईए प्रबंधन का कहना है कि इंजीनियर एसेनशियल सर्विसेज ऐक्ट का उल्लंघन कर रहे हैं।

पीआई का दावा है कि उड़ान रद्द होने या देरी का कारण 'शेड्यूल रेशनलाइजेशन' और सामान्य परिचालन कारण हैं। लेकिन पिछले एक महीने से जारी व्यवधानों ने साफ कर दिया है कि इंजीनियरों के साथ संघर्ष ही असली वजह है। लाहौर, कराची और इस्लामाबाद एयरपोर्ट पर शुक्रवार को भी कई उड़ानें रद्द और कई घंटों की देरी से प्रभावित हुईं। पीआईए पहले से ही भारी कर्ज और वित्तीय संकट में है। इसी महीने 20 वर्षों में पहली बार मुनाफा दर्ज करने के बावजूद सरकार एयरलाइन के निजीकरण की दिशा में आगे बढ़ रही है। पीआईए ने एसएईपी पर निजीकरण को 'नुकसान पहुंचाने की कोशिश' का आरोप लगाया है, जबकि इंजीनियरों का कहना है कि वे काम पर हैं, लेकिन बिना पूर्ण जांच के विमान क्लियरेंस देना संभव नहीं है।

क्या है शेख हसीना के खिलाफ वो मामला जिसमें 17 नवंबर को मुकर्रर होगी सजा?

ढाका, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ सभी मामलों में सजा सुनाने की तारीख इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल ने मुकर्रर कर दी है। आईसीटी शेख हसीना के मामले में 17 नवंबर को सजा सुनाएगी। आइए जानते हैं कि बांग्लादेश की पूर्व पीएम के खिलाफ क्या आरोप लगाए गए हैं। शेख हसीना की सरकार जुलाई 2024 में गैर-लोकतांत्रिक तरीके से गिरा दी गई थी। इसके बाद शेख हसीना ने अपना देश छोड़ दिया था। इस बीच उनके ऊपर हत्या और साजिश के आरोप लगाए गए। हसीना के खिलाफ दर्जनों मुकदमे दर्ज किए गए।

जुलाई 2024 में बांग्लादेश में छात्र आंदोलन शुरू हुआ, जिसने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। इसी कथित छात्र आंदोलन की आड़ में शेख हसीना की सरकार को गिराया गया। इसके बाद अगस्त 2024 में पूर्व पीएम शेख हसीना बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गईं। इसके बाद ही बांग्लादेश में नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार का गठन हुआ। वहीं यूएन की रिपोर्ट के अनुसार जुलाई में हुई हिंसा में करीब 1,400 लोगों की मौत हो गई।

हसीना की तत्कालीन सरकार पर हत्या, अपराध रोकने में नाकामी और मानवता के खिलाफ अपराध के अलावा छात्रों को गिरफ्तार कर टॉर्चर करने, एक्स्ट्रा ज्यूडिशियल किलिंग, फायरिंग, और लीथल फोर्स का इस्तेमाल करने का आदेश देने समेत तमाम आरोप लगे हैं।

भारत से लेकर इंडोनेशिया तक ग्लोबल वार्मिंग का कहर

बेलेम कोप 30 में लगी बचाने की गुहार, अमेजन जंगल से निकलेगा रास्ता?

बेलेम, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बेलेम कोप 30: अमेजन के घने जंगलों के बीच बसे एक छोटे से शहर बेलम में संयुक्त राष्ट्र का जलवायु परिवर्तन सम्मेलन कोप 30 गत 10 नवंबर को शुरू हो गया है। यह गर्म हो रही धरती के बढ़ते तापमान को थामने का एक प्रयास है। संयुक्त राष्ट्र का वार्षिक जलवायु सम्मेलन कॉप 30, ब्राज़ील के बेलेम शहर में हो रहा है। इसमें स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने, बाढ़, सूखा, तूफान समेत चरम मौसम घटनाओं से निपटने के लिए सहन क्षमता निर्माण और देशों के बीच सहयोग को मज़बूत करने जैसे समाधानों की पुकार लगाई गई है। जलवायु परिवर्तन से भारत समेत पूरी दुनिया जूझ रही है। भीषण बाढ़ और सूखे की घटनाएं तेज हो गई हैं।

इस बार की बैठक में तीन शब्द बार-बार गूंजे- फॉसिल फ्यूल्स, फाइनेंस और फॉरेस्ट। दुनिया को ग्लोबल वार्मिंग से बचाने के लिए फॉसिल फ्यूल यानी लकड़ी,

कोयला, पेट्रोल छोड़ने, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों जैसे हीट वेव्स, बाढ़, तूफ़ान, बादल फटने से बेघर हुए लोगों और बर्बाद हुए शहरों को क्लाइमेट रेसिलिएंट (जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रतिरोधी बनाए के लिए) फंडिंग बढ़ाने और जंगल बचाने पर दुनिया एकजुट हुई है। फॉसिल ईंधन से मुक्त अर्थव्यवस्था, सस्ती स्वच्छ ऊर्जा और सुरक्षित जंगल, यही वह तीन मोर्चे हैं, जिन पर आने वाले दशक की जलवायु लड़ाई लड़ी जाएगी।

कोप 30 में पेश की गई जर्मन वॉच की नई रिपोर्ट क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स 2026 ने एक बार फिर याद दिलाया है कि जलवायु संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की कहानी है।

रिपोर्ट के मुताबिक साल 1995 से 2024 के बीच दुनिया भर में 9,700 से ज़्यादा चरम मौसम की घटनाओं में 8,32,000 लोगों की मौत हुई और 4.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (मुद्रास्फीति समायोजित) का आर्थिक नुकसान हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, साल 1995 से 2024 के बीच बार बार भारत पर क्लाइमेट का वार हो रहा है और चरम मौसम की घटनाओं से सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल है। रिपोर्ट बताती है कि इस अवधि में भारत दुनिया के 10 सबसे अधिक प्रभावित देशों में नौवें स्थान पर है। भारत को बाढ़, चक्रवात, लू और सूखे जैसी आपदाओं ने बार-बार झकझोरा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की नई रिपोर्ट अनुकूलन अंतराल रिपोर्ट 2025: खाली पर चल रहा है ने चेताया है कि विकासशील देशों को साल 2035 तक हर साल कम से कम 310 अरब डॉलर की ज़रूरत होगी ताकि वे जलवायु प्रभावों से खुद को बचा सकें। लेकिन हकीकत यह है कि साल 2023 में यह मदद सिर्फ़ 26 अरब डॉलर रही, यानि ज़रूरत और मदद के बीच अब 12 से 14 गुना का फासला है।

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में जब्त किया मार्शल द्वीपसमूह के झंडे वाला तेल टैंकर

दुबई, 14 नवंबर (एजेंसियां)। ईरान ने शुक्रवार को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे मार्शल द्वीपसमूह के झंडे वाले एक तेल टैंकर को जब्त कर लिया। ईरान ने इस जहाज को रोककर अपने क्षेत्रीय पानी की ओर मोड़ दिया। रणनीतिक रूप से बेहद अहम इस मार्ग में कई महीनों बाद ऐसी पहली कार्रवाई हुई है। अमेरिका के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। हालांकि, ईरान ने इस जहाज की जब्ती की तत्काल कोई पुष्टि नहीं की है। लेकिन यह घटना ऐसे समय हुई है, जब तेहरान लगातार चेतावनी दे रहा है कि जून में इस्राइल के साथ 12 दिन की जंग और अमेरिकी हमलों से उसके परमाणु ठिकानों पर हुए नुकसान का बदला लिया जा सकता है। अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने खुफिया जानकारी से जुड़े मुद्दों पर नाम न छापने की शर्त पर बात की। उन्होंने कहा, यह जहाज 'तालारा' संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अजमान से सिंगापुर जा रहा था। तभी ईरानी बलों ने उसे रोक लिया। अमेरिकी नौसेना का एमक्यू-4सी ट्राइटन ड्रोन कई घंटों तक उस जगह के ऊपर घूमता रहा, जहां तालारा मौजूद था। इस ड्रोन की उड़ान से जुड़ी जानकारी की जांच एसोसिएटेड प्रेस ने की, जिसमें यह दिखाई दिया कि ड्रोन घटना को देख रहा था। निजी सुरक्षा कंपनी एम्ब्रे ने बताया कि तीन छोटी नावों ने तालारा के पास पहुंचकर उसे घेरा। ब्रिटेन की यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस इकाई ने भी इस घटना की पुष्टि की। उसका कहना है कि 'किसी राज्य की गतिविधि' के कारण तालारा को ईरानी जल क्षेत्र की ओर मुड़ना पड़ा। जहाज के ग्रीक मालिकों ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। अमेरिकी नौसेना पहले भी 2019 में कई टैंकरों पर हुए लिम्पेट माइन हमलों के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहरा चुकी है।

भारतीयों को बड़ा झटका: एच-1बी वीजा खत्म करने की तैयारी में अमेरिका

ट्रंप की पार्टी ला रही विधेयक

वॉशिंगटन, 14 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका जल्द ही भारत को एक और झटका देने जा रहा है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी जल्द ही संसद में एक विधेयक पेश करने वाली है, जिससे एच-1बी वीजा को बंद कर दिया जाएगा। कुछ दिनों पहले ही अमेरिका ने एच-1बी वीजा के शुल्क में भारी बढ़ोत्तरी की थी। इससे भारतीयों के लिए यह वीजा पहले ही एक सपने जैसा बन गया था। इस बीच रिपब्लिकन सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन ने कहा कि वह एच-1बी कार्यक्रम को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करके अमेरिकी कर्मचारियों के बड़े पैमाने पर विस्थापन को समाप्त करने के लिए एक विधेयक पेश कर रही हैं। एच-1बी कार्यक्रम के खिलाफ ट्रंप प्रशासन का यह कदम भारतीय

पेशेवरों के लिए अशुभ संकेत है, जो इस अस्थायी वर्क वीजा के सबसे बड़े लाभार्थी हैं। एच-1बी वीजा का उपयोग ग्रीन कार्ड के माध्यम से अमेरिकी नागरिकता प्राप्त करने के मार्ग के रूप में भी किया जाता है। रिपब्लिकन पार्टी की नेता मार्जोरी टेलर ग्रीन ने अमेरिकी कंपनियों पर अमेरिकी कर्मचारियों के लाभों को कम करने के लिए इस कार्यक्रम का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

उन्होंने गुरुवार को X पर एक पोस्ट में कहा, बड़ी टेक कंपनियां, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दिग्गज कंपनियां, अस्पताल और सभी उद्योगों ने अपने ही लोगों को नौकरी से निकालने के लिए एच-1बी सिस्टम का दुरुपयोग किया है। उन्होंने आगे कहा, अमेरिकी दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली लोग हैं, और मुझे अमेरिकी लोगों पर पूरा भरोसा है। मैं केवल अमेरिकियों की सेवा करती हूं, और मैं हमेशा अमेरिकियों को सर्वोपरि रखूंगी। उन्होंने कहा कि विधेयक में एच-1बी कार्यक्रम को समाप्त करने और प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, इंजीनियरिंग और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में अमेरिकी श्रमिकों को प्राथमिकता देने का प्रस्ताव है।

उन्होंने पोस्ट में कहा, मेरा विधेयक भ्रष्ट एच-1बी कार्यक्रम को समाप्त करता है और प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, इंजीनियरिंग, विनिर्माण और इस देश को चलाने वाले हर उद्योग में अमेरिकियों को फिर से प्राथमिकता देता है! अगर हम चाहते हैं कि अगली पीढ़ी अमेरिकी सपने को साकार करे, तो हमें उन्हें बदलना बंद करना होगा और उनमें निवेश करना शुरू करना होगा।

सऊदी अरब और यूएई को किससे हमले का डर

हवा में गरजे फाइटर जेट, मिसाइलों का मुंह खोला

दुबई, 14 नवंबर (एजेंसियां)। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात की वायुसेनाओं ने कई मित्र देशों के साथ साझा युद्धाभ्यास किया है। इस युद्धाभ्यास में लड़ाकू विमानों के अलावा एयर डिफेंस फोर्सेज ने अपनी ऑपरेशन तैयारियों को परखा है। इस दौरान दोनों देशों की वायुसेनाओं ने हवाई और मिसाइल युद्ध सिमुलेशन के जरिए जंग की तैयारी, समन्वय और ऑपरेशनल योजनाओं की समीक्षा की। माना जा रहा है कि ये दोनों देश यमनी हूती विद्रोहियों से खतरे का सामना कर रहे हैं। हूतियों को ईरान का समर्थन प्राप्त है और उनके पास दोनों देशों पर हमला करने की ताकत भी है।

सऊदी और यूएई के बीच एटीएलसी-35 के नाम से जाना जाने वाला हवाई युद्ध और

मिसाइल रक्षा अभ्यास मध्य पूर्व में सबसे प्रमुख संयुक्त हवाई अभ्यासों में से एक है। संयुक्त अरब अमीरात के हवाई युद्ध और मिसाइल रक्षा केंद्र में आयोजित, यह भाग लेने वाली वायु सेनाओं को जटिल, मल्टी डोमेन मिशन में ट्रेनिंग प्रदान करता है।

इस अभ्यास का उद्देश्य भाग लेने वाले देशों की ऑपरेशन योजना और उसे अंजाम देने की क्षमताओं को मजबूत करना, विभिन्न प्रकार के मिशनों में समन्वय को बढ़ाना और वास्तविक दुनिया के हवाई और मिसाइल युद्ध वातावरण का अनुकरण करना है। इन प्रयासों के माध्यम से, शामिल बल एकजुट रणनीतियां बनाने, आंतरिक ऑपरेशनल क्षमता में सुधार करने और उभरती क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों के लिए संयुक्त प्रतिक्रिया तंत्र को सुदृढ़ करने का प्रयास करते हैं।

सऊदी-यूएई को दुश्मन मानते हैं हूती

यमन के हूती विद्रोही सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को अपना दुश्मन मानते हैं। ये दोनों पक्ष एक दूसरे के खिलाफ युद्ध भी लड़ चुके हैं।

हालांकि, हूतियों ने बाद में सऊदी पर हमला न करने का ऐलान किया थ। हूती विद्रोहियों को ईरान से हथियार और दूसरे तरह से मदद मिलती है। इसकी बदौलत उनकी सैन्य क्षमता काफी ज्यादा है।

ट्रंप ने फोस्टर केयर से बाहर आने वाले बच्चों के लिए नया आदेश किया जारी

मेलानिया की पहल पर फैसला

वॉशिंगटन, 14 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को एक अहम 'फॉस्टरिंग द फ्यूचर' नाम का एक्जिक्यूटिव आदेश पर हस्ताक्षर किए। इसका मकसद उन बच्चों और युवाओं की मदद करना है, जो फोस्टर केयर में बचपन बिताने के बाद अचानक अपने बलबूते जिंदगी शुरू करने को मजबूर हो जाते हैं।

मेलानिया की पहल पर लिया गया फैसला

यह कदम अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप की पहल पर आगे बढ़ाया गया है, जो काफी समय से फोस्टर केयर सिस्टम को आधुनिक और अधिक मानवीय बनाने पर काम कर रही हैं। ट्रंप ने इस मौके पर कहा, 'समाज की असल पहचान यह है कि वह अपने अनाथ और कमजोर बच्चों की कितनी परवाह करता है। हम चाहते हैं कि हर बच्चा सुरक्षित और प्यार भरा घर पाए।'

फोस्टर केयर से निकलने के बाद अकेले पड़ जाते हैं बच्चे

उन्होंने बताया कि हर साल करीब 15,000 बच्चे ऐसे होते हैं जो फोस्टर केयर से बाहर निकलने के बाद पूरी तरह अकेले पड़ जाते हैं और जरूरी संसाधनों की कमी से जूझते हैं। नए आदेश से इन युवाओं को शिक्षा, नौकरी, घर और आत्मनिर्भरता की राह में मदद मिलेगी। ट्रंप ने कहा, 'हमारा मानना है कि हर अमेरिकी बच्चे को सुरक्षित और प्यार भरा माहौल मिलना चाहिए। यह आदेश उन परिवारों को भी समर्थन देगा जो फोस्टर बच्चों की देखभाल करते हैं।'

अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने इसे एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह आदेश सिर्फ एक दस्तावेज नहीं, बल्कि एक पूरे देश में बदलाव की चिंगारी है। उन्होंने कहा, 'यह आदेश मेरे लिए गर्व की बात है। इसमें दया भी है और दूरदर्शिता भी। मुझे यकीन है कि यह छोटा कदम आगे चलकर बड़े बदलाव की शुरुआत बनेगा।'

यह पहल अमेरिकी फोस्टर केयर व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, आधुनिक और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

ऑपरेशन सिंदूर में फेल हुए तुर्की के ड्रोन तो यूरोप की शरण में पाकिस्तान

भारत का दोस्त करेगा मुनीर की मदद? दिल्ली की नजर

इस्लामाबाद, 14 नवंबर (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्की के किलर ड्रोन के बुरी तरह से फेल होने के बाद अब पाकिस्तान की सेना ने खलीफा एर्दोगन के देश से किनारा करना शुरू कर दिया है। पाकिस्तानी सेना के अधिकारी अब भारत के दोस्त रूस, यूक्रेन और यूरोपीय देशों की ड्रोन निर्माता कंपनियों के साथ बात कर रहे हैं। पाकिस्तान इन देशों से मलिट्री ग्रेड के मध्यम ऊंचाई तक लंबे समय तक उड़ने वाले ड्रोन खरीदने के लिए बातचीत कर रही है। पाकिस्तानी सेना की इस चाल पर अब भारत ने पैनी नजर गड़ा दी है। पाकिस्तानी सेना चाहती है कि यूरोपीय कंपनियों और पाकिस्तान के बीच ड्रोन निर्माण की तकनीक का ट्रांसफर किया जाए। अभी तक पाकिस्तानी सेना तुर्की और चीन के ड्रोन पर ज्यादा भरोसा कर रही थी। द हिंदू की रिपोर्ट के मुताबिक एक वरिष्ठ भारतीय अधिकारी ने बताया कि यूरोपीय कंपनी और पाकिस्तान की सरकारी रक्षा कंपनी हैवी इंडस्ट्री तक्षशिला के बीच तकनीक के ट्रांसफर को लेकर समझौते पर हस्ताक्षर हुआ है। उन्होंने कहा, 'हम इस पूरे घटनाक्रम पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं क्योंकि पाकिस्तान इस समझौते को गुप्त रखना चाहता है।' अधिकारी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी सेना के वरिष्ठ अधिकारी यूक्रेन और रूस तथा यूरोप के अन्य ड्रोन निर्माताओं के साथ संपर्क में हैं।

भारतीय अधिकारी ने कहा कि अगर पाकिस्तान यह डील करने में कामयाब हो जाता है तो इससे उसकी ड्रोन वारफेयर की ताकत काफी ज्यादा बढ़ जाएगी। यह घटनाक्रम ऐसे समय पर आगे बढ़ा है जब रूस और यूक्रेन दोनों ही अपने हमलावर ड्रोन का इस्तेमाल एक-दूसरे के ऊर्जा के आधारभूत ढांचे और रक्षा ठिकानों को तबाह करने के लिए कर रहे हैं। लंबी दूरी तक हमला करने में सक्षम ड्रोन रूस और यूक्रेन में तबाही मचा रहे हैं और तेल रिफाइनरी तथा लॉजिस्टिक हब को निशाना बना रहे हैं।

भागवत बोले : संघ किसी को नष्ट करने के लिए नहीं बना

संघ को प्रत्यक्ष अनुभव किए बिना राय मत बनाइए

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक मोहनराव भागवत ने कहा- संघ किसी को नष्ट करने के लिए नहीं बना है। भारतवर्ष में हमारी पहचान हिन्दू है। हिन्दू शब्द सबको एक करने वाला है।

हमारा राष्ट्र संस्कृति के आधार पर एक है, न कि राज्य के आधार पर। भागवत ने कहा- संघ को प्रत्यक्ष अनुभव किए बिना संघ के बारे में राय मत बनाइए। संघ से जुड़ने के लिए शाखा में आइए, जो आपको अनुकूल लगे वह काम आप कर सकते हैं। संघ पूरे समाज को ही संगठित करना चाहता है। पूरा समाज संघ बन जाए, यानी प्रमाणिकता से निस्वार्थ बुद्धि से सब लोग देश के लिए जिएं।

भागवत गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के मौके पर कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित 'उद्यमी

संवादः नए क्षितिज की ओर' कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

भारत को विश्वगुरु बनाना एक व्यक्ति के वश में नहीं

सरसंघचालक ने कहा कि संघ के 100 साल की यात्रा पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम कोई सेलिब्रेशन नहीं है, बल्कि आगे के चरण की दृष्टि से अपने कार्य की वृद्धि का विचार करने के लिए ये कार्यक्रम किए जा रहे हैं। भागवत ने कहा कि राष्ट्र को परम वैभव संपन्न और विश्वगुरु बनाना किसी एक व्यक्ति के वश में नहीं है। नेता, नारा, नीति, पार्टी, सरकार, विचार, महापुरुष, अवतार और संघ जैसे संगठन इसमें सहायक हो सकते हैं, परन्तु मूल कारण नहीं बन सकते।

सरसंघचालक ने संघ कार्य के आगामी चरण के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि सारा समाज देश हित में जिए, यह संघ का आगे का काम है। समाज की सृजन शक्ति जागृत हो, सामाजिक समरसता का वातावरण बने और मंदिर, पानी, श्मशान सबके लिए खुले होने चाहिए।परिवार के सभी सदस्य सप्ताह में कम से कम एक बार एकत्र हों, अपना भोजन, भजन, अपनी भाषा और अपनी परंपरा के अनुसार करें। पानी बचाने, पेड़ लगाने और प्लास्टिक हटाने जैसे पर्यावरण संरक्षण के कार्यों के लिए भी हमें आगे आना चाहिए। 'स्व' का बोध और स्वदेशी का भाव सबके मन में जागृत हो, देश स्वनिर्भर बने। नागरिक कर्तव्य और नागरिक अनुशासन के प्रति हम सजग बनें और नियम, कानून, संविधान का पालन करें। उन्होंने कहा कि सारा समाज देश हित में जिए। सारा समाज एक बनकर अपना-अपना काम अपनी-अपनी पद्धति से करे ताकि हम सभी एक दूसरे के बाधक नहीं, बल्कि पूरक बनें।

डॉक्टर 3.70 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जोधपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) जोधपुर की टीम ने बिलाड़ा सरकारी अस्पताल के डॉक्टर को तीन लाख 70 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए घर से गिरफ्तार किया है। आरोपी डॉक्टर शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर (जनता क्लिनिक) में विभिन्न पदों पर संविदा पर नियुक्ति दिलवाने के नाम पर अभ्यर्थियों से रिश्वत की मांग कर रहा था।

इसके लिए एसीबी के एएसपी चक्रवर्ती सिंह राठौड़ की टीम ने ट्रैप प्लान किया था। शुक्रवार सुबह से एसीबी की टीम सर्जन डॉ. बुधराज विश्नोई के बिलाड़ा स्थित सरकारी आवास पर तलाशी और जांच की कार्रवाई कर रही है। टीम घर और हॉस्पिटल से भी संभावित डॉक्यूमेंट व सबूतों की खोज में जुटी हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि डॉक्टर

सीएमएचओ जोधपुर ग्रामीण डॉ. मोहनदान देथा के लिए रिश्वत ले रहा था।

वैकेंसी के अनुसार रेट तय थे

एएसपी चक्रवर्ती सिंह राठौड़ ने बताया- शिकायतकर्ता ने एसीबी चौकी जोधपुर में रिपोर्ट दी थी। इसमें बताया कि उसके भाई और दोस्त, दोनों की प्लेसमेंट एजेंसी के जरिए जनता क्लिनिक में भर्ती हो रही है। भर्ती के नाम पर ट्रॉमा सेंटर में चिकित्सा अधिकारी डॉ. बुधराज कह रहा था कि सीएमएचओ से बात करके मैं आपको लगवाऊंगा। अलग-अलग भर्ती के हिसाब से पैसे मांग रहा है। जैसे फार्मासिस्ट के पद पर भर्ती के लिए 3 लाख रिश्वत और सफाई कर्मी के लिए 50,000 से 1 लाख तक की रिश्वत की मांग की जा रही थी।

एएसपी ने बताया- हमने उच्चाधिकारियों के निर्देशन में मांग का सत्यापन करवाया। वैरिफिकेशन होने पर आज हमने ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया। इसमें ट्रॉमा सेंटर बिलाड़ा के चिकित्सा अधिकारी डॉ. बुधराज को 3 लाख 70 हजार की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। मामले में कुछ अन्य लोगों की भूमिका संदिग्ध है। इसकी जांच की जा रही है।

चलती ट्रेन से बिजनेसमैन की गर्भवती पत्नी-बेटी गिरी, मौत

4 दिन बाद झाड़ियों में मिले शव; भाई की शादी में शामिल होने आ रहा था परिवार

जालोर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। चलती ट्रेन से गिरने से जालोर के बिजनेसमैन की 5 महीने की प्रेग्नेंट पत्नी और बेटी की मौत हो गई। बिजनेसमैन आंध्र प्रदेश में मोबाइल एसेसरीज का व्यापार करते हैं। 22 नवंबर को बिजनेसमैन के साले की शादी है। इसमें शामिल होने के लिए वह परिवार के साथ राजस्थान आ रहे थे।

हादसा कर्नाटक के रायचूर जिले से करीब 90 किलोमीटर दूर यादगिरी और नालवर स्टेशन के बीच हुआ। मां-बेटी के शव गुरुवार (13 नवंबर) की शाम को रायचूर जिले में ट्रेन की पटरी के पास झाड़ियों में मिले। पोस्टमॉर्टम के बाद शव एम्बुलेंस से जालोर के लिए भेजे गए हैं।

9 नवंबर को आंध्र प्रदेश से रवाना हुआ था परिवार

जालोर के रामसीन थाना इलाके के बासड़ा-धनजी गांव निवासी मांगीलाल देवासी (35) पत्नी पुष्पा देवी (32), बेटी रवीना (5) और बेटे धर्मेंद्र (9) के साथ आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले से जालोर आ रहे थे। वे 9 नवंबर को रात 8:30 बजे अनंतपुर से अहमदाबाद तक चलने वाली ट्रेन (गाड़ी संख्या 22690) से रवाना हुए थे।

रात करीब 10 बजे खाना खाकर पूरा परिवार अपनी सीटों पर सो गया। करीब 11:30 बजे ट्रेन कर्नाटक के रायचूर जिले से 90 किलोमीटर दूर यादगिरी और नालवर के बीच चल रही थी। इस दौरान रात 11:30 से 12 बजे के बीच बेटी रवीना को बाथरूम के लिए पुष्पा देवी साथ लेकर गईं। बाथरूम के बाहर नल पर हाथ धोते समय फर्श पर पानी के कारण रवीना का पैर फिसल गया। रवीना को बचाने के चक्कर पुष्पा भी फिसल गईं। कोच का गेट खुला होने के कारण दोनों ट्रेन से गिर गईं और उनकी मौत हो गई।

आधी रात को पति उठा तो नहीं मिली पत्नी और बेटी

पुलिस ने भरा अनाथ बेटी का मायरा

दुल्हन के माता-पिता की बचपन में हो गई थी मौत, नानी ने पालन-पोषण किया

अजमेर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। अजमेर जिले की पीसांगन थाना पुलिस ने अनाथ बेटी का मायरा भरा। पुलिसकर्मियों ने जब 51,751 रुपए नकद और 20 हजार की ज्वैलरी भेंट की, तो सुमित्रा की आंखें भर आईं। महज तीन साल की उम्र में मां का आंचल छिन गया, और छह साल की होते-होते पिता का साया भी उठ गया।

माता-पिता की मौत के बाद बेसहारा सुमित्रा को नानी और मामा ने सहारा दिया, लेकिन मामा के परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के बावजूद उन्होंने सुमित्रा का लालन-पालन किया।

पीसांगन थानाधिकारी प्रहलाद सहाय ने बताया कि पीसांगन के ब्यावर रोड स्थित नई धाम के मुख्य उपासक महंत श्याम बोहरा ने रिछमालिया गांव निवासी अनाथ सुमित्रा रैदास के बारे में जानकारी दी, जिसके माता-पिता

का निधन हो चुका है। सुमित्रा का लालन-पालन पगारा गांव निवासी उसके मामा बीरम जाटोलिया, सेठू जाटोलिया और हाथीराम जाटोलिया कर रहे हैं। 13 नवंबर को उसका विवाह अजमेर निवासी मिश्रीलाल उंदरीवाल के पुत्र अभिषेक के साथ हो रहा है।

पुलिस टीम ने बेटी सुमित्रा के विवाह पर मायरा भरने का बीड़ा उठाया और राजस्थानी परंपरानुसार मायरे की रस्म निभाते हुए 51,751 रुपए नकद व 20 हजार की ज्वैलरी, जिसमें चांदी की पायजेब, हाथ के कड़े व सोने की बाली भेंट की।

सुमित्रा के मामा बीरम ने भावुक होते हुए बताया कि उनकी बच्ची ने बचपन से बहुत दुख देखे हैं। 3 साल की उम्र में बीमारी के चलते उसकी मम्मी की मौत हो गई थी और 6 साल की उम्र में पिता का साया भी उठ गया। सुमित्रा के माता-पिता की मौत के बाद हमने ही इसका पालन-पोषण किया। पुलिस ने जो मायरा भरा, उससे उनकी बच्ची बहुत खुश थी।

महंत श्याम बोहरा ने कहा कि पुलिस ने बहुत अच्छा काम किया है। इससे गरीब परिवार को कुछ सहायता मिली है। यह समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है

राजस्थान में रजिस्ट्री करवाना हुआ महंगा

सरकार ने 6 साल बाद कंस्ट्रक्शन कॉस्ट बढ़ाई

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में मकान, दुकान समेत अन्य कॉमर्शियल प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री करवाना महंगा हो गया है। राज्य सरकार ने इस बार रजिस्ट्री फीस (स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन शुल्क) और जमीन की डीएलसी दरें न बढ़ाकर कंस्ट्रक्शन कॉस्ट (निर्माण लागत) को बढ़ाया है।

इसका असर आमजन के मकान, दुकान, फ्लैट की खरीद पर नहीं पड़ेगा, क्योंकि शहरों और छोटे कस्बों में जो संपत्तियां खरीदी जाती हैं, उनकी खरीद वैल्यू सरकार की मिनिमम वैल्यू (डीएलसी दर और कंस्ट्रक्शन कॉस्ट) से ज्यादा ही होती है।

वित्त विभाग से जारी आदेशों के मुताबिक, अब आरसीसी छत वाले कंस्ट्रक्शन की वैल्यू को 1200 रुपए से बढ़ाकर 1800 रुपए प्रति वर्ग फीट कर दिया गया है। यानी कंस्ट्रक्शन कॉस्ट में 600 रुपए प्रति वर्ग फीट का इजाफा किया गया है।

इसके अलावा, अगर किसी जमीन पर मल्टी स्टोरी शॉपिंग मॉल बना है, जिसमें बेसमेंट, मल्टीप्लेक्स है, तो उसमें कंस्ट्रक्शन कॉस्ट 1815 रुपए से बढ़ाकर 2100 रुपए कर दी गई है। इसी तरह, बिना मल्टीप्लेक्स वाले शॉपिंग मॉल की लागत को 1430 से बढ़ाकर 2000 रुपए कर दिया गया है।

इसी तरह, किसी जमीन पर होटल, क्लब (5 सितारा रेटिंग या उससे ऊंची कैटेगरी) का बना है तो उसकी कंस्ट्रक्शन कॉस्ट को 2090 रुपए से बढ़ाकर 2500 रुपए और पांच सितारा से नीचे की कैटेगरी के होटल की निर्माण लागत को 1595 से बढ़ाकर 2100 रुपए कर दिया गया है।

कोई ऐसी जमीन जो खाली है और उस पर केवल बाउंड्रीवाल ही बनी है, तो उसकी निर्माण लागत को भी बढ़ाया गया है।

कपड़े उतारकर बस दौड़ाने वाला ड्राइवर निलंबित

अजमेर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। अजयमेरु डिपो के एक चालक को यात्रियों की जान जोखिम में डालने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। सोमवार को एक वीडियो सामने आया था जिसमें चालक को अंडरवियर में बस चलाते हुए देखा जा सकता है। मामले में तीन दिन बाद रोडवेज मुख्यालय ने निलंबन आदेश जारी कर पारसनाथ का मुख्यालय राजसमंद डिपो कर दिया। वह अजयमेरु डिपो में डेपुटेशन पर कार्यरत था।

पारसनाथ का वीडियो सामने आया था, जिसमें वह कपड़े उतारने और स्टेयरिंग पर ही खाना खाते नजर आया। बस में महिलाएं और बच्चों के साथ अन्य सवारियां भी थीं, जिनकी इस लापरवाही से जान जोखिम में पड़ सकती थी। वीडियो सामने आने के बाद दो दिन अजयमेरु डिपो ने चालक पारसनाथ को ऑफ रूट कर दिया, लेकिन खाली बैठे रहने के कारण मुख्यालय से निलंबन आदेश आने से पहले ही मुख्य प्रबंधक ने उसे वापस कोटा रूट पर ही भेज दिया था।

आरएएस अधिकारी ने आरएलपी नेता को गाली दी

कहासुनी हुई तो कहा- पहले इसका इलाज करो

बाड़मेर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर में अतिक्रमण हटाने गए यूआईटी सेक्रेटरी व आरएएस अफसर ने आरएलपी नेता को गाली दी। यूआईटी सेक्रेटरी श्रवण सिंह राजावत और स्थानीय आरएलपी नेता हनुमान बेनीवाल में कहासुनी बढ़ गई। यूआईटी सेक्रेटरी ने यह तक कह दिया कि पहले इसका इलाज करो। यहां तक कि राजावत ने वहां मौजूद टीम को पहले आरएलपी नेता के ढाबे के बाहर अतिक्रमण तोड़ने को कहा। वहीं पुलिस को उन्हें शांति भंग में गिरफ्तार करने के लिए कह दिया।

दरअसल, प्रदेशभर में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत गुरुवार सुबह यूआईटी सेक्रेटरी पुलिस जाब्ता के साथ बाड़मेर-जैसलमेर हाईवे पर अतिक्रमण हटाने पहुंचे थे।

यूआईटी की टीम गुरुवार सुबह 11 बजे हाईवे से सटी दुकानों के अतिक्रमण को हटाने पहुंची थी। इसी लाइन में स्थानीय आरएलपी नेता हनुमान बेनीवाल का भी ढाबा है। जब यूआईटी की टीम आई तो हनुमान बेनीवाल भी वहां पहुंच गए। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि जब 20 नंवबर तक अतिक्रमण हटाना है तो सभी को समय दिया जाना चाहिए। समय देंगे तो अतिक्रमण को हटा लिया जाएगा। इसके साथ ही कार्रवाई भी वहां से शुरू करनी चाहिए, जहां से यूआईटी की सीमा शुरू होती है। अचानक बीच में से ये कार्रवाई करना सही नहीं है। इसी बात को लेकर हनुमान बेनीवाल और यूआईटी सेक्रेटरी श्रवण सिंह राजावत के बीच तकरार हो गई।

वहां मौजूद लोगों का कहना था कि हम लोग अतिक्रमण हटा रहे थे, लेकिन इसके बाद भी इसे जेसीबी से तोड़ने के लिए कहा गया।

इसका विरोध जब बेनीवाल ने किया तो यूआईटी सेक्रेटरी ने आरएलपी नेता को गाली देते हुए वहां मौजूद लोगों से कहा- कौन है ये... इसको छोड़कर आओ और इसका इलाज करो।

नागौर में 61 ट्रैक्टर के साथ पहुंची बारात

दूल्हा रक्षा मंत्रालय में जूनियर इंजीनियर; बड़े भाइयों का था आइडिया

नागौर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। नागौर में शादी समारोह के दौरान एक अनूठी बारात देखने को मिली। बारात में शामिल लोग ट्रैक्टर लेकर पहुंचे। इसमें 10 या 20 नहीं बल्कि 61 ट्रैक्टर शामिल थे।

ये बारात थी रक्षा मंत्रालय में कार्यरत जूनियर इंजीनियर समुंदर सिंह की। ये आइडिया इनके दो बड़े भाइयों ने दिया था। इसके बाद नागौर के मुंडवा चौराहे से गुड़ाला चौराहा स्थित मैरिज होम तक करीब 5 किलोमीटर तक बाराती ट्रैक्टरों में सवार होकर पहुंचे।

दरअसल, समंदर सिंह का परिवार खेती किसानी से जुड़ा है। वे परिवार में सबसे छोटे हैं। ऐसे में इनके दो बड़े भाइयों का ये आइडिया था कि बाराती ट्रैक्टरों में बारात लेकर पहुंचे। इसके लिए 61 ट्रैक्टर बुलाए गए। समुंदर सिंह की पत्नी कीर्ति सिंह पचार भी साइंस में मास्टर्स की डिग्री हासिल कर चुकी हैं।

दोस्त ने की युवक की हत्या, अरेस्ट

लेन-देन को लेकर हुआ झगड़ा, ईंट से सिर फोड़ कर मार डाला

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर में एक दोस्त ने गुस्से में अपने ही साथी की हत्या कर डाली। आपसी लेन-देन की बात को लेकर कहासुनी के बाद झगड़ा हुआ था। गुस्से में आरोपी दोस्त ईंट से सिर फोड़कर अपने साथी की हत्या कर भागा। सेज थाना पुलिस ने मामले में फरार हत्यारे को गुरुवार रात अरेस्ट किया है। पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है।

डीसीपी (वेस्ट) हनुमान प्रसाद ने बताया- हत्या के मामले में आरोपी शिव शंकर लोधा उर्फ बबलू (24) निवासी रुदावल भरतपुर को अरेस्ट किया है। वह सेज के ग्राम झाई में किराए से रहकर मजदूरी का काम करता है। तीन नवम्बर को वह अपने साथी मजदूर मोहम्मद महबूब के साथ ग्राम झाई सेज में निर्माणाधीन दुकान के पास बैठा था। खाने के रुपयों की लेन-देन की बात को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई। झगड़ा होने पर गाली-गलौच होने पर शंकर लोधा ने गुस्से में पास ही पड़ी ईंट उठा ली।

ईंट से अपने साथी मोहम्मद महबूब के सिर पर वार किया। सिर फोड़कर मोहम्मद महबूब की हत्या कर आरोपी शिव शंकर लोधा फरार हो गया। पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक के चाचा शहाब उद्दीन की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज फरार आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने गुरुवार रात भरतपुर के रुदावल में दबिश देकर आरोपी शिव शंकर लोधा को धर-दबोचा। पूछताछ में लेन-देन की बात में झगड़े पर साथी की हत्या करना कबूल किया।

स्पेनिश महिला के लिए पुष्कर आए तीन देशों के दोस्त

आत्मा की शांति के लिए सरोवर में की पूजा, इंडोनेशिया में हुई थी हत्या

पुष्कर (अजमेर), 14 नवंबर (एजेंसियां)। तीन देशों से आए 30 विदेशी पर्यटकों ने अपनी दोस्त की आत्मा की शांति के लिए पुष्कर में पूजा की। इटली, फ्रांस और स्पेन से आए पर्यटकों ने स्पेनिश दोस्त मटिल्डे मुनोज के लिए गुरुवार देर शाम वराह घाट पर प्रार्थना की। मटिल्डे मुनोज का इंडोनेशिया में मर्डर कर दिया गया था। मटिल्डे मुनोज (72) को दोस्त करुणा नाम से बुलाते थे। करुणा करीब 22 सालों से पुष्कर आ रही थी। पुष्कर से करुणा का गहरा लगाव था। पुष्कर की हर आरती और घाटों पर उनका आध्यात्मिक जुड़ाव था।

हमेशा पुष्कर की बातें करती थीं

स्पेन की श्लोकिया ने बताया- करुणा हर साल पुष्कर आती थी। वो यहां के घाटों पर घंटों तक बैठे रहती थी। पुष्कर से करुणा का अलग ही रिश्ता बन गया था। यहां से जाने के बाद भी जब कभी उनसे फोन पर बात होती तो वो बस पुष्कर की बातें करती और वापस यहां आने की योजना बनाती रहती थी।

कलमेन ने बताया- जुलाई 2025 में करुणा इंडोनेशिया गई थीं। इंडोनेशिया के लोम्बोक आइलैंड पर उनकी हत्या हो गई। कुछ लोगों ने पैसों के लालच में होटल के रूम में उनका गला घोंट कर हत्या कर दी। अगस्त 2025 में दोस्तों को करुणा की हत्या का पता चला। सब दोस्त दुखी हुए और करुणा के लिए कुछ करना चाहा। करुणा को पुष्कर से गहरा लगाव था। ऐसे में सभी दोस्तों ने दोस्तों ने मिलकर पुष्कर आकर सरोवर पर पूजा करने और उन्हें अंतिम विदाई देने का निर्णय लिया था। सभी दोस्त एकत्रित हुए और नवंबर में पुष्कर आने की योजना बनाई।

अंता उपचुनाव में कांग्रेस के प्रमोद जैन भाया जीते

बारां, 14 नवंबर (एजेंसियां)। अंता (बारां) विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के प्रमोद जैन भाया जीत गए। उन्होंने भाजपा के मोरपाल सुमन को 15594 वोटों से हराया। निर्दलीय नरेश मीणा तीसरे नंबर पर रहे। नतीजों पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा है कि - वो जनता का आदेश स्वीकारते हैं। वहीं, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने भाया को जीत की बधाई दी है।

हार के बाद निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने कहा- जनता ने जो प्यार-आशीर्वाद दिया, उसके लिए सिर झुकाता हूं। हमारी लड़ाई भ्रष्टाचार के खिलाफ थी। ईमानदारी हार गई- भ्रष्टाचार जीत गया।

उन्होंने समर्थकों से कहा- ईश्वर हमारी परीक्षा ले रहा है, हमारी त्याग-तपस्या में शायद कोई कमी रही होगी। अब हमें दोगुनी ताकत से काम करना पड़ेगा।

ट्रैक्टर की टक्कर से जूनियर अकाउंटेंट की मौत

पीछे से बाइक को टक्कर मारकर भाग गया ट्रैक्टर ड्राइवर

जैसलमेर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। जैसलमेर में बाड़मेर रोड स्थित गोविंदसर मंदिर के पास गुरुवार शाम एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार नारायण दान (35), निवासी उजला की मौत हो गई, जबकि मनोज दान (19), निवासी कोडा गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

आसपास के लोगों ने तुरंत दोनों को जवाहिर हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां नारायण दान को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल मनोज दान का इलाज कर एडमिट किया। घटना की जानकारी मिलने पर शहर कोतवाली पुलिस हॉस्पिटल पहुंची और हादसे के कारणों की पड़ताल के साथ साथ ट्रैक्टर ड्राइवर की तलाश शुरू की।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, नारायण दान (35) बाइक पर घर की तरफ जा रहा था। इस दौरान 19 वर्षीय मनोज दान ने रास्ते में नारायण दान से लिफ्ट ली थी। दोनों गड़ीसर सर्किल से शहीद जयसिंह भाटी सर्किल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अचानक बाइक के सामने एक गाय आ गई। बाइक ने अचानक ब्रेक लगाए तो पीछे से तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी तेज थी कि नारायण दान ट्रैक्टर के नीचे आ गया। वहीं मनोज दूर जाकर गिरा।

राहगीरों ने तत्काल दोनों को जवाहिर हॉस्पिटल पहुंचाया। नारायण दान के गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई। वहीं मनोज दान का इलाज डॉक्टरों की निगरानी में जारी है। घटना की जानकारी मिलने पर शहर कोतवाली पुलिस हॉस्पिटल पहुंची और हादसे के कारणों की पड़ताल के साथ साथ ट्रैक्टर ड्राइवर की तलाश शुरू की

जनवरी में ही जॉइन की थी नौकरी

नारायण दान उजला (35) जैसलमेर के उजला गांव का निवासी था। वो कार्यालय अधीक्षण भू वैज्ञानिक, खान एवं भू-विज्ञान विभाग, जैसलमेर में कनिष्ठ लेखाकार (जूनियर अकाउंटेंट) के पद पर जनवरी से काम कर रहा था। नारायण दान भारतीय नेवी से रिटायर्ड होकर सरकारी सेवा में आए थे। उनकी मौत की खबर सुनकर विभाग के अधिकारी कर्मचारी हॉस्पिटल पहुंचे। विभाग में भी शोक की लहर है।

सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस के एसएचओ प्रेमदान रतनू व सब इंस्पेक्टर अल्ताफ हुसैन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बाइक जब्त कर जांच शुरू कर दी है। ट्रैक्टर ड्राइवर की तलाश जारी है।

भट्टी ने तेलंगाना के वैज्ञानिक भविष्य का संकल्प लिया

हैदराबाद, 14 नवबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में जनता की सरकार एक वैज्ञानिक तेलंगाना के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने शुक्रवार को रवींद्र भारती में विज्ञान दर्शिनी द्वारा आयोजित पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के 80वें वैज्ञानिक दृष्टिकोण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार तेलंगाना को वैज्ञानिक विकास की प्रयोगशाला बनाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि सभी कैबिनेट मंत्री शिक्षित हैं और पूरा मंत्रिमंडल यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है कि तेलंगाना विकास के सभी पहलुओं में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करे। उन्होंने कहा, अगर पंडित जवाहरलाल नेहरू इस देश के पहले प्रधानमंत्री नहीं बने होते, तो हम कल्पना भी नहीं कर सकते कि आज भारत किस स्थिति में होता। पहले प्रधानमंत्री बनकर, नेहरू ने न केवल विज्ञान, बल्कि लोकतंत्र की भी नींव रखी, जिससे भारत दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हुआ। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि जहां भारत को 15 अगस्त, 1947 की मध्यरात्रि को स्वतंत्रता मिली, वहीं तेलंगाना को एक साल बाद स्वतंत्रता मिली।

स्वतंत्रता के शुरूआती वर्षों में, देश को खाद्यान्नों की भारी कमी और शिक्षा क्षेत्र में चुनौतियों का सामना करना पड़ा। अगर प्रधानमंत्री नेहरू ने वैज्ञानिक सोच और वैज्ञानिक सोच को प्राथमिकता न दी होती, तो आज लोगों को भारी कष्ट सहना पड़ता। नेहरू ने बुद्धिजीवियों से विचार-विमर्श के बाद पंचवर्षीय योजनाएं तैयार कीं ताकि यह तय किया जा सके कि किन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है। उन्होंने कृषि और उद्योग पर जोर दिया और दोनों को जोड़कर, मिश्रित आर्थिक नीतियों का ढांचा तैयार किया। उन्होंने पूरे भारत में समाजवादी विचारों को लोकप्रिय बनाया और राष्ट्र को आगे बढ़ाने के लिए भारतीय संविधान में समाजवाद और लोकतंत्र का सम्मिश्रण किया। उन्होंने कहा कि लगभग उसी समय स्वतंत्रता प्राप्त करने वाले पड़ोसी देशों में दूरदर्शी नेतृत्व की कमी के कारण, वहां लोकतंत्र का पतन हो गया और तानाशाही हावी हो गई।

भारत जैसे विशाल देश में, हर पांच साल में चुनाव होते हैं, और जो भी पार्टी बहुमत हासिल करती है, वह सुचारू रूप से सत्ता संभाल लेती है। सत्ता का यह शांतिपूर्ण हस्तांतरण केवल जवाहरलाल नेहरू की दूरदर्शी नीतियों के कारण ही संभव हुआ है। उन्होंने कहा, जब समाज का शासन दूरदर्शी लोगों द्वारा नहीं, बल्कि अभिशाप द्वारा किया जाता है। पंडित नेहरू बच्चों को राष्ट्र का भविष्य मानते थे और उन्हें प्यार से गले लगाते थे। उन्होंने यूजीसी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों जैसे संस्थानों की स्थापना की, जिससे निरंतर शोध संभव हुआ और राष्ट्र को अपनी वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिली। तेलंगाना के बच्चे विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें, यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक युवा भारत एकीकृत आवासीय विद्यालय का निर्माण कर रही है। प्रत्येक विद्यालय 25 एकड़ में 200 करोड़ के निवेश से बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आईटीआई को उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों में उन्नत किया जा रहा है। उभरते भविष्य के शहर में वैज्ञानिक सोच को बनाए रखने के लिए, कौशल विश्वविद्यालय का काम तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। उपमुख्यमंत्री ने उच्च विद्यालयों और महाविद्यालयों को विज्ञान प्रदर्शनियां शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया और आश्वासन दिया कि सरकार सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने ट्राइकोर के अध्यक्ष बेल्लाय्या नाइक से इन प्रयासों का समन्वय करने का अनुरोध किया।

जुबली हिल्स ने विकास के लिए वोट दिया है : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन एवं छायांकन मंत्री, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी की शानदार जीत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जुबली हिल्स के मतदाताओं ने विकास के लिए स्पष्ट जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और पूरी मंत्रिपरिषद ने मिलकर काम किया और यह परिणाम सरकार के शासन मॉडल के प्रति जनता के समर्थन को दर्शाता है। मंत्री ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाले जन-केंद्रित प्रशासन में अपना विश्वास फिर से जताने के लिए जुबली हिल्स के मतदाताओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने रहमत नगर संभाग के निवासियों को भी चुनाव प्रचार के दौरान दिए गए अपने आश्वासन पर कायम रहने और शानदार बहुमत दिलाने के लिए धन्यवाद दिया। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने फिल्म उद्योग के उन कार्यकर्ताओं का विशेष धन्यवाद किया जिन्होंने उनके आह्वान पर प्रतिक्रिया दी और कांग्रेस पार्टी के साथ मजबूती से खड़े रहे। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के समर्पित जमीनी स्तर के समन्वय, बूथवार समीक्षा और अनुशासित चुनाव प्रबंधन की सराहना की, जिससे मतदाताओं को मजबूती से एकजुट करने में मदद मिली।

किशन रेड्डी ने राहुल गांधी से 'वोट चोरी' वाले बयान पर माफ़ी मांगने की मांग की

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने गुरुवार को मांग की कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी बिहार में 'वोट चोरी' और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दों पर अपनी टिप्पणियों के लिए चुनाव आयोग के अधिकारियों और देश की जनता से माफ़ी मांगें। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता 'समझ की कमी' के कारण चुनाव आयोग पर 'निराधार आरोप' लगा रहे हैं और कहा कि इस तरह की आलोचना से कांग्रेस को वोट नहीं मिलेंगे, जैसा कि बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों में देखा गया है। रेड्डी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस ने मतदाता सूची से अवैध प्रवासियों के नाम हटाने का विरोध किया था, लेकिन बिहार की जनता ने चुनाव आयोग के कदम का समर्थन किया। बिहार के नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि एनडीए की जीत 'जंगल राज' की वापसी को रोकने और नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकास जारी रखने की जनता की इच्छा को दर्शाती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किए गए सुधार देश की आर्थिक प्रगति को गति दे रहे हैं, और हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार के हालिया चुनाव परिणामों ने दिखा दिया है कि लोगों ने कांग्रेस को 'विदाई' दे दी है। उन्होंने कहा, अगर अभी चुनाव होते हैं, तो कांग्रेस शासित राज्य भी हार जाएंगे। जुबली हिल्स उपचुनाव के नतीजों पर, रेड्डी ने कहा कि भाजपा ने वहां कभी सीट या पार्षद का पद भी नहीं जीता था, लेकिन कड़ी मेहनत की थी क्योंकि यह क्षेत्र भाजपा सांसदों के निर्वाचन क्षेत्र में आता है। उन्होंने कहा, फिर भी, हम कोशिश कर रहे हैं। चूंकि जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र भाजपा सांसदों के निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है, इसलिए हमने जिम्मेदारी ली है और कड़ी मेहनत की है। हमने एक राजनीतिक दल के रूप में अपना कर्तव्य निभाया है। हम परिणामों की समीक्षा करेंगे। हम और कड़ी मेहनत करेंगे। हम अगले जीएचएमसी चुनावों में मेयर की सीट जीतने के लिए काम करेंगे। कांग्रेस पर एआईएमआईएम के समर्थन और पैसे बांटकर जीतने का आरोप लगाते हुए, उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराएगी। उन्होंने दावा किया, यह रेवंत रेड्डी के शासन पर जनमत संग्रह नहीं है। कांग्रेस केवल पैसे बांटने के कारण जीती है। रेड्डी ने विधानसभा, संसदीय और विधान परिषद चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन का हवाला देते हुए कहा कि तेलंगाना में भाजपा लगातार बढ़त बना रही है। उन्होंने कहा, युवाओं और शिक्षकों ने हमारा समर्थन किया। आने वाले दिनों में भाजपा का और विस्तार होगा।

श्रीधर बाबू ने हाईटेक्स में 'खाद्य एवं पेय व्यापार मेले' का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत के प्रमुख खाद्य, पेय और संबद्ध उद्योग व्यापार मेले 'फूड ए फेयर 2025' का दूसरा संस्करण शुक्रवार को माधापुर स्थित हाईटेक्स प्रदर्शनी केंद्र में शुरू हुआ। इस कार्यक्रम का उद्घाटन सूचना प्रौद्योगिकी, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने किया। उद्घाटन समारोह में पद्म भूषण पुलेला गोपीचंद, डॉ.तारा सत्यवती, डॉ.जे. स्टेनली, विशाला रेड्डी और डॉ.जी.बी.के. राव सहित उद्योग जगत के अन्य दिग्गज उपस्थित थे। इस संस्करण में 'फूड ए फेयर कलिनरी कॉर्नर' की शुरूआत की गई है, जिसमें पूरे भारत के शेफ द्वारा लाइव पाक कला प्रदर्शन, टेस्टिंग सत्र और अनुभवात्मक प्रदर्शन शामिल हैं। इस मेले का उद्देश्य खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं, निर्माताओं, खाद्य प्रसंस्करणकर्ताओं, प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तकों, स्टार्ट-अप और संस्थागत खरीदारों को एक मंच पर जोड़ना है। अगले तीन दिनों में, एक्सपो में बी2बी बैठकें, उत्पाद लॉन्च, उद्योग जगत से बातचीत और प्रदर्शन आयोजित किए जाएँगे, जिनका समापन 16 नवंबर को होगा। पत्रकारों से बातचीत में, श्रीधर बाबू ने कहा कि सरकार एक आधुनिक, सुदृढ़ और नवाचार-संचालित खाद्य पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण और तेलंगाना को खाद्य एवं कृषि-आधारित उद्योगों के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत के प्रथम पीएम पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर एबिड्स चौराहे पर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए एएमसी बोइनपल्ली के वरिष्ठ सरकारी सलाहकार ए. गौतम जैन, साथ में पी. राजेंद्र यादव, गजानन चौधरी, रघुनंदन गोप, प्रेमचंद मुणोत, एम. नरसिंग राव, किशन शर्मा व अन्य।

अग्रवाल हेल्थ चेकअप शिविर 16 नवंबर को

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की दोमलगुड़ा शाखा के द्वारा मानव सेवा के क्षेत्र में पिछले 22 वर्षों से संचालित अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक के द्वारा 16 नवंबर, रविवार के दिन एक निशुल्क हेल्थ कैंप का आयोजन होगा। शाखा के मानद मंत्री प्रतीक अग्रवाल के द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार दोमलगुड़ा क्षेत्र में स्थित किड्हुड प्री स्कूल के समीप अग्रवाल हेल्थ क्लीनिक परिसर में यह शिविर सुबह 11:00 से दोपहर 2:00 बजे तक चलेगा और आवश्यक पंजीकरण सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक होगा।

उक्त शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल के अनुसार कैम्प में ब्लड शुगर, बीपी, 2डी इको, ईसीजी के साथ ही आवश्यकतानुसार निशुल्क चिकित्सक परामर्श और दवाइयां भी उपलब्ध होगी। शिविर के उप-संयोजक अजय डालमिया, रितेश झुनझुनवाला विजय कुंच्छल और विनय अग्रवाल के साथ ही क्लिनिक समिति और शाखा के सदस्यों तथा अन्य के सहयोग से संपन्न होने वाले इस हेल्थ चेकअप शिविर में सभी वर्ग के लोग लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

बकरे की अवैध बलि का वीडियो वायरल, एफआईआर दर्ज

पेटा इंडिया और एसएएफआई की शिकायत पर तंगल्लापल्ली पुलिस की कार्रवाई

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स इंडिया (पेटा इंडिया) ने स्ट्रे एनिमल फाउंडेशन ऑफ इंडिया (एसएएफआई) के साथ मिलकर एक बकरे की अवैध बलि के मामले में एफआईआर दर्ज कराने में मदद की है। घटना 2 अक्टूबर को चिन्ना लिंगापुर, तंगल्लापल्ली मंडल में हुई, जिसकी जानकारी एक वीडियो सामने आने के बाद मिली।

पेटा इंडिया के अनुसार, वायरल वीडियो में कुछ लोग एक डरी हुई बकरी को घेरकर उसका सिर कुल्हाड़ी से काटते दिखाई दे रहे हैं और यह कृत्य खुलेआम किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएएफआई के क्रूरता निवारण प्रबंधक अदुलापुरम गौतम ने तंगल्लापल्ली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद एफआईआर दर्ज हुई।

वीडियो में दिख रहे व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 325 और पशु क्रूरता निवारण (पीसीए) अधिनियम, 1960 की धारा 11 (1)(ए) और 11 (1)(एल) के तहत मामला दर्ज किया गया है। बीएनएस की धारा 325 किसी भी जानवर को अपंग करने या मारने को संज्ञेय अपराध मानती है, जिसमें पांच साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है।

पेटा इंडिया ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि पशुओं का वध केवल लाइसेंस प्राप्त बूचड़खानों में ही किया जा सकता है और नगर निगम अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे इस आदेश का पालन सुनिश्चित करें। साथ ही, पशु क्रूरता निवारण (बूचड़खाना) नियम, 2001 और खाद्य सुरक्षा एवं मानक (खाद्य व्यवसायों का लाइसेंस और पंजीकरण) विनियम, 2011 के अनुसार, भोजन के लिए पशुओं का वध केवल प्रजाति-विशिष्ट अचेतन उपकरणों से सुसज्जित लाइसेंस प्राप्त बूचड़खानों में ही वैध है।

16 नवंबर को भव्य अन्नकूट

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नारायणी गौ सेवा सदन, रोड़ नं. 17, शालिवाहन नगर, मुसारामबाग, दिलसुख नगर, हैदराबाद में आगामी 16 नवंबर को शाम 6 बजे से भव्य अन्नकूट, भजन संध्या एवं नवर्ष 2026 के केलिन्डर का विमोचन श्रीश्री 1008 सेवाराम जी महाराज बापजी के सानिध्य में किया जायेगा।

इस उपलक्ष्य में गौशाला के कार्यकारी सदस्य, ट्रस्टी गण एवं गौ पुराण के लेखक सुभाष तिवारी द्वारा बैठक की गई जिसमें 16 नवंबर को आयोजित होने वाले अन्नकूट व भजन की रूप-रेखा समय सारणी एवं अन्य वयवस्थाओं की चर्चा की गई।

इस विषय पर निमंत्रण पत्र का विमोयन किया गया। सभा में उपस्थित ट्रस्टी अमन सोनी, द्वाराका प्रसाद तिवारी, अमृत सोनी, मोहन बाबू, सज्जन डागा, पवन अग्रवाल, अर्जुन, विजय बहेती, सोहनलाल दाहिमा, सुरेश दाहिमा, घनश्याम सोंठवाल, नरसिंघ प्रसाद दाहिमा, टीपू सोनी, बिहारी, बेनी गोपाल तिवारी, विनय कुमार गोयल, कैलाश नारायण भांगड़िया, गोकुल सोनी, लष्मीकांत तोषनीवाल, श्याम बंग, सुब्रमण्यम, करुणाकर, राज धीरज, गोविन्द भाई राधे राधे, राजेश गोयल, शंकर अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, रुद्र तिवारी, पंडित वेद प्रकाश वाजपेयी (वीरू महाराज), गिरीश सोनी, राजू राठी, रुपेश एवं शैलेश सोनी, पवन असावा, गणेश अग्रवाल, आनंद तिवारी, मनोज कोठरी, वेंकट रेड्डी, राजकुमार, विजय कुमार अग्रवाल, अमरेश राज जैस्वाल, ओमकार पाटिल, चंदन मिश्रा, रघुनंदन, अमित रंजन द्वारा सभी गौ भक्त और सनातनियों से इस भव्य अन्नकूट में भरी संख्या में पधारकर अन्नकूट प्रसाद एवं गौमाता का आशीर्वाद लेने के लिए विनती किये है।

अब बिहार से पलायन रुकना चाहिए : विनय यादव

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बिहार सहयोग समिति ने बिहार के जनादेश पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार के जनादेश में एनडीए को दो तिहाई से भी ज्यादा बहुमत मिला है। समिति के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने इसके लिए बिहार की जनता को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस तरह के प्रचंड बहुमत देकर एक बार फिर से एनडीए सरकार बनाने का मौका दिया है। इतने बडे बहुमत के बाद अब उम्मीद की जा सकती है कि अपने वादे पर खरा उतरते हुए बिहार से पलायन, बेरोजगारी, नौकरी, उद्योग जैसी समस्या से निजात दिलाने के लिए भरपूर काम करेंगे। उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी और नीतीश कुमार ने चुनावी रैली में लोगों को भरोसा दिलाया था कि उक्त समस्याएं अब बिहार में नहीं रहेंगी। जनता ने उनके वादे पर भरोसा कर ऐसा प्रचंड बहुमत दिया है।

अग्रणी महिला मंच ने विठ्ठल वाडी स्थित विक्ट्री प्ले स्कूल में बाल दिवस मना कर बच्चों को चॉकलेट, बिस्किट के पैकेट आदि बांटे गए। अवसर पर अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्रद्धा सुखिया, रितु गोयल, संतोष अग्रवाल, सपना जैन, ज्योति कुलकर्णी, अंजना मेहता एवं पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

कपास खरीद में समस्याओं को लेकर किसानों का सीसीआई कार्यालय पर प्रदर्शन

वारंगल, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कपास किसान संघ के सदस्यों ने शुक्रवार को भारतीय कपास निगम (सीसीआई) के क्षेत्रीय कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने मांग की कि कपास खरीद में आ रही समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाए। संघ के राज्य संयोजक भुक्या चंदू नाइक, सह-संयोजक एम. शोभन, सीएच. रामू और पी. कृष्णा रेड्डी ने बताया कि सीसीआई के कपास ऐप पंजीकरण, 8 से 12 प्रतिशत नमी की शर्त और प्रति एकड़ सात क्विंटल की सीमा जैसे नियम किसानों के लिए नुकसानदायक हैं। उन्होंने कहा कि नमी प्रतिशत की परवाह किए बिना कपास खरीदा जाना चाहिए और पहले की तरह प्रति एकड़ 12 क्विंटल की खरीद जारी रहनी चाहिए। किसानों ने यह भी मांग की कि राज्य सरकार 475 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दे।

नेताओं ने बताया कि मैपिंग व्यवस्था के कारण नजदीक की मिलों के बजाय किसानों को दूर स्थित मिलों में कपास भेजना पड़ रहा है, जिससे परिवहन खर्च बढ़ रहा है।

उनका कहना है कि सीसीआई ने एल1 से एल5 रैंकिंग के आधार पर मिलों का नियंत्रण अपने हाथ में रखकर नजदीकी मिलों में खरीद केंद्र नहीं स्थापित किए, जिससे किसानों पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए रक्षात्मक ड्राइविंग ही अंतिम मंत्र : शिवधर रेड्डी

'अराइव अलाइव' कार्यक्रम का शुभारंभ

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), बी. शिवधर रेड्डी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए रक्षात्मक ड्राइविंग ही अंतिम मंत्र है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वाहन चलाते समय आसपास के वातावरण पर नजर रखने से दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।

सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'अराइव अलाइव' कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ शुक्रवार को एल.बी. स्टेडियम में डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी और हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने किया। डीजीपी और सीपी ने फिल्मी हस्तियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ 'अराइव अलाइव' अभियान के आधिकारिक पोस्टर का अनावरण किया। डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी (आईपीएस) ने सभा को संबोधित किया। डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने राज्य में सड़क दुर्घटनाओं के कारण कई परिवारों के सामने आने वाली परेशानियों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में जहां हर साल 800 लोग हत्या का शिकार होते हैं, वहीं सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या दस गुना ज्यादा है, यानी हर साल लगभग 8,000 मौतें। उन्होंने कहा, सड़क दुर्घटनाएं एक गंभीर समस्या है जिसे सभी को गंभीरता से लेना चाहिए।

हम जागरूकता पैदा करने और इन दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए 'अराइव अलाइव' कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं। यह जागरूकता अभियान जल्द ही पूरे तेलंगाना राज्य में चलाया जाएगा। रक्षात्मक ड्राइविंग, सिर्फ़ अपनी यात्रा के लिए नहीं, बल्कि दूसरों और अपने आस-पास के वातावरण के प्रति सचेत रहना, सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने सामाजिक जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने प्रत्येक नागरिक से सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को एक सामाजिक जिम्मेदारी मानने का आह्वान किया। हैदराबाद शहर में औसतन हर साल लगभग 3,000 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें लगभग 300 लोगों की मौत हो जाती है। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए, हम यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों से सख्ती से निपट रहे हैं और विशेष टीमें बना रहे हैं। सभी को 'जिंदा पहुंचो' का संदेश जनता तक पहुंचाना चाहिए। ग्रीन चैनल के जरिए अंगों के परिवहन की सुविधा प्रदान करने के लिए हैदराबाद ट्रैफ़िक पुलिस की राष्ट्रीय स्तर पर अच्छी प्रतिष्ठा है। मैं सभी से आग्रह करता हूं कि वे अपने नागरिक कर्तव्य के तहत सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों की तुरंत मदद करें। अभिनेता श्री बाबू मोहन ने साझा किया भावनात्मक अनुभव प्रसिद्ध तेलुगु अभिनेता श्री बाबू मोहन सड़क सुरक्षा से जुड़ी एक निजी त्रासदी साझा करते हुए भावुक हो गए।

बिहार चुनाव में मिली प्रचंड जीत पर, पी. सुधाकर रेड्डी (तमिलनाडु) ने नामपल्ली के भाजपा कार्यालय में रामचंदर राव, भाजपा तेलंगाना अध्यक्ष को मिठाई भेंट कर खुशी जाहिर की। अवसर पर भाजपा राज्य कार्यालय में बंडी संजय कुमार (गृह राज्यमंत्री, भारत सरकार), गौतम, राकेश जायसवाल (पार्षद, जामबाग) आदि भी मौजूद थे।

कुतुबुल्लापुर जीएचएमसी सर्कल कार्यालय में आग

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुतुबुल्लापुर स्थित जीएचएमसी सर्कल कार्यालय में गुरुवार को अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। राजस्व अनुभाग से धुआँ और लपटें उठती देख कर्मचारी इमारत से बाहर निकल आए। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और कर्मचारियों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया।

कीसरा स्थित गणपति फार्म हाउस में कार्तिक मास ग्यारस वन महोत्सव के पावन अवसर पर आँवला पूजन, गौ पूजन, अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम में आयोजक भाजपा पूर्व विधायक एन.वी.एस.एस.प्रभाकर का सम्मान कर उपस्थित सोहनसिंह राजपुरोहित, दुलीचन्द, दुर्गेश शर्मा, परबत सोलंकी, गोपाल, गिरी, सुरेन्द्र, लक्ष्मण गौड़, सी.प्रभाकर व भक्तगण।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात बेहद उत्साहवर्धक रही: दीप्ति शर्मा

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)। महिला विश्व कप 2025 में भारतीय टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाली और टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही दीप्ति शर्मा ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने के बाद दीप्ति उत्साहित और खुश नजर आईं। आईएएनएस से बात करते हुए दीप्ति शर्मा ने कहा, ₹मुख्यमंत्री से मुलाकात बेहद उत्साहवर्धक रही। उन्होंने मुझे विश्व कप जीतने की बधाई दी।

उनके शब्द प्रेरक थे जो मुझे भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेंगे।₹ उत्तर प्रदेश पुलिस में डीएसपी पद पर कार्यरत दीप्ति शर्मा ने राज्य के डीजीपी राजीव कृष्ण से भी मुलाकात की।

दीप्ति शर्मा ने कहा कि डीजीपी सर ने अपने अनुशासन और दिनचर्या के बारे में जानकारी साझा की। मुझे उनसे इस क्षेत्र के बारे में और भी बहुत कुछ सीखने को मिला।₹

भारतीय क्रिकेटर ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं। लंबा इंतजार खत्म हुआ और भारत ने अपने घरेलू दर्शकों के सामने ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

दीप्ति शर्मा का भारतीय टीम को विश्व चैंपियन बनाने में अहम योगदान रहा था। दीप्ति ने गेंद और बल्ले से असाधारण प्रदर्शन किया और भारत को पहली बार विश्व चैंपियन बनाने में यादगार भूमिका निभाई। 2 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए फाइनल मुकाबले में दीप्ति ने कभी न भूलने वाला प्रदर्शन किया। दीप्ति ने बल्लेबाजी में 58 रन बनाए। वहीं, गेंदबाजी में 5 विकेट लिए। उनका ये प्रदर्शन कहीं न कहीं अकेले दम पर दक्षिण अफ्रीका पर भारी पड़ा था।

दीप्ति शर्मा के पूरे टूर्नामेंट के प्रदर्शन पर नजर डालें तो वह टूर्नामेंट की सबसे सफल गेंदबाज रही थीं। दीप्ति ने 22 विकेट लिए थे। इसके अलावा, दीप्ति ने 215 रन बनाए थे। गेंदबाजी और बल्लेबाजी में असाधारण प्रदर्शन करने वाली दीप्ति को टूर्नामेंट का

पहले ही दिन 159 पर सिमटी द.अफ्रीका भारत की नजरें बढ़त लेने पर

कोलकत्ता, 14 नवंबर (ऐजेंसिया)। जसप्रीत बुमराह की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से भारत ने पहले टेस्ट मैच के शुरुआती दिन दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में सस्ते में ढेर किया। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली पारी में 159 रन ही बना सकी। दिन के खेल की समाप्ति तक भारत ने एक विकेट खोकर 37 रन बनाए हैं और वह फिलहाल मेहमान टीम से 122 रन पीछे चल रही है। स्टंप्स के समय केएल राहुल 13 और वाशिंगटन सुंदर छह रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। दक्षिण अफ्रीका के लिए मार्को यानसेन ने एक विकेट लिया है।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जा रहे कोलकाता टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त हो गया है। भारतीय टीम ने शुरुआती दिन गेंदबाजी में दमदार प्रदर्शन किया। बुमराह एक बार फिर अपनी उपयोगिता साबित करने में सफल रहे और उन्होंने पांच विकेट झटके। बुमराह के दम पर भारत ने पहले दिन तीसरे सत्र के खेल की

शुरुआत में ही दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी समाप्त कर दी।

यशस्वी सस्ते में आउट

दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी जल्द समेटने के बाद उतरी भारतीय टीम को यशस्वी जायसवाल के रूप में पहला झटका लगा जो सस्ते में आउट हुए। यशस्वी 27 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 12 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें यानसेन ने अपना शिकार बनाया। इसके बाद केएल राहुल और वाशिंगटन सुंदर ने पारी संभाली। दिलचस्प बात यह है कि वाशिंगटन तीसरे स्थान पर बल्लेबाजी के लिए उतरे। पिछले एक साल में वाशिंगटन छठे बल्लेबाज हैं जिन्हें भारत ने टेस्ट में तीसरे स्थान पर बल्लेबाजी के लिए भेजा है। इससे पहले शुभमन गिल, साई सुदर्शन, केएल राहुल, करुण नायर और देवदत्त पडिक्कल इस स्थान पर बल्लेबाजी करने उतर चुके हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने जीता टॉस

इससे पहले, दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और मार्करम ने रिक्लेटन के साथ टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। मार्करम को खाता खोलने में 23 गेंद लग गए, लेकिन उन्होंने शानदार स्ट्रेट ड्राइव और कवर ड्राइव के साथ शुरुआत की और फिर अक्षर पटेल के खिलाफ बैकवर्ड पॉइंट के ऊपर से शानदार लेट कट खेला। उन्होंने इस गेंदबाज के खिलाफ कलाई का इस्तेमाल करते हुए मिड-विकेट पर शानदार छक्का जड़ा। दूसरी तरफ रेयान रिक्लेटन ने 22 गेंदों पर चार चौकों और 23 रन की आक्रामक पारी के साथ भारत को परेशान करना शुरू कर दिया था।

शुरुआती छह ओवरों में 34 रन लुटाने वाले सिराज ने अपने 10वें ओवर में शानदार दोहरी सफलता के साथ दक्षिण अफ्रीका के निचले मध्यक्रम को तहस-नहस कर दिया।

उन्होंने चार गेंदों के अंतराल में काइल वेरेने (16) और यानसेन (शून्य) को आउट किया। चाय के विश्राम से एक गेंद पहले अक्षर पटेल ने कॉर्बिन बॉश (तीन) को पगबाधा किया तो वहीं बुमराह ने तीसरे सत्र की शुरुआत में दो विकेट के साथ औपचारिकता पूरी की। भारत के लिए बुमराह के अलावा मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव ने दो-दो विकेट लिए, जबकि अक्षर पटेल को एक सफलता मिली।

अक्षर पटेल का ट्रोल्स को करारा जवाब

बोले- कप्तान का काम अंग्रेजी बोलना नहीं, टीम को समझना है

नई दिल्ली, 14 नवंबर (ऐजेंसिया)। भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने क्रिकेट में एक आम, लेकिन गलत धारणा पर खुलकर बात की है। यह धारणा है कि 'क्या अंग्रेजी बोलने वाला खिलाड़ी ही कप्तान बनने के लायक होता है?' द इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में अक्षर ने बताया कि यह सोच न केवल गलत है, बल्कि क्रिकेट की असली जरूरतों से बहुत दूर है। उनका मानना है कि कप्तान का मूल्यांकन भाषा नहीं, क्षमता और टीम मैनेजमेंट के आधार पर होना चाहिए।

'कप्तान का काम खिलाड़ी को समझना है'

अक्षर ने साफ कहा कि लोगों के बीच एक अजीब सी धारणा है कि जो खिलाड़ी अच्छे से अंग्रेजी बोल लेता है, वही कप्तानी के काबिल माना जाता है। उन्होंने कहा, 'लोग कहने लगते हैं- अरे, यह तो अंग्रेजी नहीं बोलता, यह कप्तानी कैसे करेगा? कप्तान का काम सिर्फ बोलना नहीं होता। उसका काम होता है खिलाड़ी को समझना, खिलाड़ी की ताकत और कमजोरी जानना और उससे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाना।' अक्षर के मुताबिक, कप्तान का असली परीक्षण मैदान पर होता है, जब वह टीम के लिए सही फैसले लेता है, न कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में कितनी धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलता है।

'भाषा कप्तानी का पैमाना नहीं'

अक्षर ने बताया कि यह पूरा मामला एक लोगों की धारणा बन चुकी है। उन्होंने कहा, 'अगर हम कहें अच्छी पर्सनैलिटी चाहिए, अच्छी अंग्रेजी आनी चाहिए, यह जनता की अपनी सोची हुई धारणा है। कप्तानी में भाषा की कोई बाधा नहीं होनी चाहिए।' उनके मुताबिक, क्रिकेट जैसे खेल में संवाद बहुत जरूरी है, लेकिन वह किसी भी भाषा में हो सकता है- हिंदी, गुजराती, मराठी या अंग्रेजी। मकसद सिर्फ इतना है कि खिलाड़ी को बात समझ आए।

सोशल मीडिया से बढ़ती है यह भाषा-आधारित बहस

अक्षर ने इस मुद्दे में सोशल मीडिया की भूमिका को भी अहम बताया। उन्होंने कहा कि आज हर किसी की एक ऑनलाइन छवि बन गई है- कैसे बोलता है, कितना एक्टिव है, क्या पोस्ट करता है, लोग उसी पर राय बनाने लगे हैं। अक्षर ने कहा, 'सब सोशल मीडिया पर क्या दिखता है, उसी से लोग फैसले लेते हैं कौन काबिल है, कौन नहीं। हर कोई अपनी राय देता है- इसे कप्तान बनाओ, इसे मत बनाओ।' अक्षर का मानना है कि मैदान के बाहर की छवि से ज्यादा जरूरी है मैदान पर की समझ और नेतृत्व क्षमता।

अक्षर का कप्तानी मंत्र

दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी कर चुके अक्षर ने बताया कि वह टीम में एक हल्का-फुल्का, दोस्ताना माहौल रखते हैं, लेकिन इसके साथ कड़े प्रोफेशनल मानक भी बनाए रखते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि माहौल फ्रेंडली हो, लेकिन कोई चीज़ को हल्के में न ले।

जीत के लिए जो जरूरी है, वह पहले करना चाहिए। उसके बाद मज़ा भी होना चाहिए। अगर आप एंजॉय करते हैं, तो बेहतर खेलते हैं।' उनका अनुशासन और मजेदार माहौल का यह संतुलन, उन्हें एक अलग तरह का कप्तान बनाता है।

तमिलनाडु ने बदला टी20 टीम का कप्तान

सैयद मुश्ताक अली में तमिलनाडु की कमान वरुण के हाथ

स्पोर्ट्स डेस्क, 14 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु क्रिकेट टीम ने 26 नवंबर से शुरू हो रही सैयद मुश्ताक अली T20 ट्रॉफी के लिए स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को नया कप्तान नियुक्त किया है। विकेटकीपर-बैटर नारायण जगदीशन को उप-कप्तान बनाया गया है। वरुण पहली बार किसी भी स्तर पर कप्तानी संभालेंगे।

वरुण चक्रवर्ती ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में खेले गए T20I सीरीज के खेले तीन मैचों में 5 विकेट लिए थे। टीम प्रबंधन ने उन्हें एम शाहरुख खान की जगह कप्तान बनाया है। उन्हें आर साई किशोर और जगदीशन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर तरजीह देते हुए टीम की कमान सौंपी गई है।

टीम के पेस अटैक में टी नटराजन और गुर्जपनीत सिंह शामिल हैं। वहीं स्पिन विभाग में आर साई किशोर और एम सिद्धार्थ मुख्य भूमिका निभाएंगे।

रणजी में तमिलनडु टीम अपने ग्रुप में छठे स्थान पर

रणजी ट्रॉफी में तमिलनाडु का प्रदर्शन इस समय साधारण रहा है। टीम चार मैचों में दो हार और दो ड्रॉ के साथ अपने ग्रुप में छठे स्थान पर है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तमिलनाडु ग्रुप D में शामिल

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तमिलनाडु को एलाइट ग्रुप D में रखा गया है, जिसमें राजस्थान, दिल्ली, उत्तराखंड, कर्नाटक, त्रिपुरा, झारखंड और सौराष्ट्र शामिल हैं। टीम अपना पहला मुकाबला राजस्थान के खिलाफ अहमदाबाद में खेलेगी।

तमिलनाडु की टीम (2025–26)

वरुण चक्रवर्ती (कप्तान), नारायण जगदीशन (उप-कप्तान, विकेटकीपर), तुषार रहेजा (विकेटकीपर), वीपी अमित सत्यविक, एम शाहरुख खान, आंद्रे सिद्धार्थ, प्रदोष रंजन पॉल, शिवम सिंह, आर साई किशोर, एम सिद्धार्थ, टी नटराजन, गुर्जपनीत सिंह

,ए एसक्कीमुथु, आर सोनू यादव, आर सिलंबरासन, एस ऋतिक ईश्वरन (विकेटकीपर)

अल्काराज दूसरी बार साल के आखिर में नंबर-1

पेरिस, 14 नवंबर (एजेंसियां)। स्पेन के टेनिस प्लेयर कार्लोस अल्काराज ने एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स (ATP) फाइनल्स में लोरेंजो मुस्सेटी को हरा दिया है। इसी के साथ उन्होंने दूसरी बार किसी साल के अंत में वर्ल्ड नंबर-1 रैंकिंग हासिल कर ली। उन्होंने रैंकिंग में जैनिक सिनर को पीछे छोड़ा।

इससे पहले 22 साल के अल्काराज 2022 में साल के आखिर में नंबर-1 बने थे। तब वे सबसे कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाले खिलाड़ी बने थे। एक्टिव खिलाड़ियों में ऐसा करने वाले वे सिर्फ दूसरे खिलाड़ी हैं। उनसे आगे केवल नोवाक जोकोविच हैं, जो अब तक 8 बार साल के अंत में वर्ल्ड नंबर-1 रह चुके हैं।

सिनर ने पेरिस मास्टर्स जीतकर

दोबारा कब्जा जमाया था

अल्काराज ने सितंबर में हुए US ओपन फाइनल में सिनर को हराकर नंबर-1 पोजिशन हासिल की थी। इसके बाद 3 नवंबर को जैनिक सिनर ने पेरिस मास्टर्स जीतकर फिर से नंबर-1 बन गए थे। सिनर ने फाइनल में फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 6-4, 7-6(7/4) से हराकर पेरिस में अपना पहला खिताब जीता था।

साल के अंत में नंबर-1 बनना मेरा लक्ष्य

जीत के बाद अल्काराज ने कहा- साल के अंत में नंबर-1 बनना हमेशा मेरा लक्ष्य रहता है। सीजन की शुरुआत में यह दूर लग रहा था, लेकिन बीच से लगातार अच्छा खेलते हुए मैंने इस मौके को हासिल किया।

अल्काराज के करियर का सबसे सफल साल

अल्काराज ने 2025 में कुल 8 खिताब जीते, जो इस साल किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे ज्यादा हैं। इनमें फ्रेंच ओपन और US ओपन जैसे दो ग्रैंड स्लैम भी शामिल हैं। उन्होंने लगातार 17 ATP मास्टर्स मैच जीते और 9 टूर्नामेंटों के फाइनल में पहुंचे।

सेमीफाइनल में ज्वेरेव या फेलिक्स से भिड़ंत

अल्काराज ने जिमी कॉनर्स ग्रुप के सभी मैच जीते हैं। अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला अलेक्जेंडर ज्वेरेव और फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

पाकिस्तान सरकार ने श्रीलंका टीम की सुरक्षा सेना को सौंपी

इस्लामाबाद, 14 नवंबर (एजेंसियां)। इस्लामाबाद में हुए सिलसिलेवार बम विस्फोटों के बाद सेना प्रमुख असीम मुनीर के हस्तक्षेप पर पाकिस्तान सरकार ने दौरे पर आई श्रीलंका की क्रिकेट टीम की सुरक्षा पाकिस्तान के सैन्य बलों को सौंप दी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष और देश के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि चूंकि अब मेहमान टीम को राज्य स्तरीय सुरक्षा प्रदान की जा रही है, इसलिए अब पुलिस के साथ सेना और रेंजर्स उनकी सुरक्षा का ध्यान रख रहे हैं।

नकवी ने गुरुवार रात रावलपिंडी स्टेडियम में पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाड़ियों से मुलाकात के दौरान मीडिया को बताया कि श्रीलंका की सरकार और बोर्ड ने दौरा जारी रखकर पाकिस्तान क्रिकेट के प्रति अपना समर्थन जारी रखा है। उन्होंने पुष्टि की कि इस्लामाबाद में हुए आतंकवादी हमले के बाद सुरक्षा चिंताओं के कारण श्रीलंका के कुछ खिलाड़ी स्वदेश लौटना चाहते थे।

उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान और श्रीलंका के शीर्ष नेतृत्व के बीच निरंतर बातचीत से ही सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं।' उन्होंने यह भी पुष्टि की कि सेना प्रमुख मुनीर ने श्रीलंका के रक्षा मंत्री प्रमिता बंडारा तेनाकून को टीम की सुरक्षा को लेकर आश्वासन दिया है।

उन्होंने कहा, 'फील्ड मार्शल ने खुद श्रीलंका के रक्षा मंत्री और सचिव से बात की। मैं शुक्रगुजार हूं कि खिलाड़ियों ने पाकिस्तान में ही रहने का फैसला करके बहुत बहादुरी दिखाई।'

नकवी ने कहा कि उन्होंने खुद श्रीलंका के खिलाड़ियों के साथ लंबी बैठक की थी ताकि उन्हें आश्वस्त किया जा सके कि उनकी सुरक्षा पाकिस्तान सरकार की जिम्मेदारी है। इससे पहले न्यूजीलैंड की टीम ने रावलपिंडी में सुरक्षा खतरों के बारे में विश्वसनीय जानकारी मिलने के बाद सितंबर 2021 में पाकिस्तान का अपना टेस्ट दौरा रद्द कर दिया

पाकिस्तान पर स्लो ओवर रेट के लिए जुर्माना : 20% मैच फीस काटी; श्रीलंका के खिलाफ 4 ओवर लेट डाले

दुबई, 14 नवंबर (एजेंसियां)। आईसीसी ने स्लो ओवर रेट के कारण पाकिस्तान पर 20% मैच फीस का जुर्माना लगाया है। शाहीन अफरीदी की कप्तानी वाली पाकिस्तानी टीम ने रावलपिंडी में 11 नवंबर को श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे में 4 ओवर लेट डाले थे।

यह जुर्माना आईसीसी के मैच रेफरी पैनल के अली नकवी ने लगाया। ऑन-फील्ड अंपायर एलेक्स व्हार्फ और आसिफ याकूब, तीसरे अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद और चौथे अंपायर राशिद रियाज की मौजूदगी में सजा तय हुई, जिसे पाकिस्तान के कप्तान शाहीन अफरीदी ने स्वीकार कर लिया, इसलिए सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।

आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार किसी भी टीम के हर ओवर पीछे रहने पर खिलाड़ियों की मैच फीस का 5% जुर्माना लगाया जाता है।

पाक ने पहले वनडे को 6 रन से हराया

पाकिस्तान ने वनडे सीरीज के पहले मुकाबले को 6 रन के अंतर से जीता था। इससे टीम ने 3 मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की।

मैच में 300 रन के टारगेट का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम 50 ओवर में 293/9 का स्कोर ही बना सकी।

पाकिस्तान से हारिस रऊफ ने 4 विकेट लिए। सलमान आगा ने 83 गेंदों पर नाबाद 103 रन की पारी खेली और हुसैन तलात ने 58 रनों की पारी खेलकर पाकिस्तान का स्कोर 299 तक पहुंचाया।

पीसीबी ने त्रिकोणीय श्रृंखला का शेड्यूल बदला

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को श्रीलंका और जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के शेड्यूल में बदलाव किया। नए कार्यक्रम के अनुसार अब यह सीरीज 17

नवंबर से बजाय 18 नवंबर से शुरू होगी। इसका दूसरा मैच भी एक दिन बाद 20 नवंबर को खेला जाएगा।

इसके अलावा टूर्नामेंट के सभी मैच रावलपिंडी में आयोजित करने का फैसला भी किया गया है। पीसीबी ने एक बयान में कहा- 'कार्यक्रम में बदलाव करने का फैसला क्रिकेट (एसएलसी) और जिम्बाब्वे क्रिकेट (जेडसी) के साथ चर्चा के बाद लिया गया है।'

नकवी बोले- सेना प्रमुख मुनीर ने त्रिकोणीय श्रृंखला बचाई

गृह मंत्रालय ने कहा पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के दौरे को बचाने के लिए सीधे हस्तक्षेप किया। मोहसिन नकवी ने सीनेट को बताया कि जब श्रीलंकाई क्रिकेटरों ने हमले के बाद खेलने से इनकार कर दिया तो फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने श्रीलंका के शीर्ष अधिकारियों के साथ बातचीत की व्यवस्था की। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने देर रात कहा कि उनकी टीम का मौजूदा पाकिस्तान दौरा जारी रहेगा।

एक दिन पहले श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के 8 खिलाड़ियों ने इस्लामाबाद में आत्मघाती हमले के बाद सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान से खेलने से इंकार कर दिया था।

मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया था कि श्रीलंका की टीम दौरे को बीच में छोड़कर स्वदेश रवाना हो गई है। हालांकि, रातभर चले मान-मनौवल के बाद श्रीलंकाई बोर्ड ने कहा- 'जो खिलाड़ी स्वदेश लौटना चाहते हैं। वे वापस आए जाएं। हम उनके रिप्लेसमेंट भेज देंगे।'

टिम साउदी केकेआर के बॉलिंग कोच बने

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी टिम साउदी को अपना बॉलिंग कोच बनाया है। फ्रेंचाइजी ने शुक्रवार को इसका ऐलान किया। IPL 2026 के लिए 16 दिसंबर को मिनी ऑक्शन होना है, इससे पहले 15 नवंबर तक सभी फ्रेंचाइजी को अपने रिटेन और रिलीज किए जाने वाले प्लेयर्स के नामों का ऐलान करना है। KKR ने उससे पहले अपने कोचिंग सेटअप में न्यूजीलैंड टीम के पूर्व खिलाड़ी टिम साउदी को शामिल करने का फैसला लिया है।

टिम साउदी ने अपने IPL करियर में 54 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 37.06 की औसत से 47 विकेट लिए हैं। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस, राजस्थान रॉयल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और KKR जैसी फ्रेंचाइजी के लिए खेला है।

इंटरनेशनल क्रिकेट में 770 विकेट लिए

टिम साउदी न्यूजीलैंड के सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं। साउदी ने न्यूजीलैंड की तरफ से इंटरनेशनल क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा 776 विकेट लिए हैं। साउदी ने न्यूजीलैंड के लिए अभी तक 104 टेस्ट, 161 वनडे और 126 टी-20 मैच खेले हैं। टेस्ट में 391, वनडे में 221 और टी-20 में 164 विकेट लिए हैं।

साउदी ने 4 वनडे वर्ल्ड कप, 7 टी-20 वर्ल्ड कप, दो चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट और 2019-21 साइकिल के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व किया है।

एक दिन पहले गुरुवार को KKR ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर शेन वॉटसन को 2026 सीजन के लिए अपना सहायक कोच बनाया। वॉटसन ने 59 टेस्ट, 190 वनडे और 58 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया, जिनमें उन्होंने 10,000 से ज्यादा रन बनाए और सभी फॉर्मेट में 280 से अधिक विकेट लिए।

वॉटसन ने कहा, मैं कोलकाता को एक और खिताब दिलाने के लिए कोचिंग स्टाफ और खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

जुबली हिल्स में जीत के लिए विकास और सुशासन अहम : पोन्नम

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के लोगों ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के प्रभावी शासन और विकास प्रयासों के कारण उसे वोट दिया। जुबली हिल्स उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव की जीत के बाद शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए, पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि लोगों ने छावनी की तरह विकास को प्राथमिकता दी और सत्तारूढ़ पार्टी के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने बीआरएस पार्टी पर सहानुभूति के ज़रिए महिलाओं की भावनाओं का फायदा उठाने और राजनीतिक भटकाव फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "चावल वितरण, राशन कार्ड, 200 यूनिट मुफ़्त बिजली, महिलाओं के लिए ब्याज मुक्त ऋण, आरटीसी के माध्यम से मुफ़्त बस परिवहन, इंदिराम्मा आवास और ग्रामीण रोज़गार जैसी कांग्रेस पार्टी की पहल आर्थिक मंदी के दौर में भी सरकार के प्रयासों को मज़बूत कर रही है। सरकार द्वारा की जा रही इन पहलों के कारण जनता हमारा समर्थन कर रही है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हमारे शासन का हर पहलू ज़मीनी स्तर तक पहुँचे। हम जो परिणाम देख रहे हैं, वे सरकार के कार्यक्रमों की प्रभावशीलता के स्पष्ट प्रमाण हैं।" पोन्नम प्रभाकर ने कहा, "जैसा कि हम लगातार दावा करते रहे हैं, भाजपा को 10,000 वोट भी नहीं मिलेंगे। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने बीआरएस के साथ मिलकर विपक्ष को समर्थन दिया है। किशन रेड्डी को बीआरएस के साथ अपनी अंतर्निहित सहमति स्पष्ट करनी चाहिए।"

जुबली हिल्स में कांग्रेस के विकास एजेंडे की जीतः टीपीसीसी प्रमुख

निज़ामाबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने कहा कि जुबली हिल्स की जनता ने विकास और कल्याण को अपना समर्थन दिया है और कांग्रेस पार्टी को एक उल्लेखनीय जीत दिलाई है। शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए, महेश कुमार गौड़ ने कहा कि यह जीत उन सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को समर्पित है जिन्होंने इसके लिए अथक परिश्रम किया।

उन्होंने कहा कि जुबली हिल्स के जनादेश ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि राज्य में बीआरएस का कोई स्थान नहीं है और जनता ने संसदीय चुनावों में उसे "शून्य" जनादेश देकर पार्टी का भविष्य पहले ही तय कर दिया था। महेश कुमार गौड़ ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, मंत्रियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता नवीन यादव का चुनाव उनकी सामूहिक कड़ी मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि लोग सरकार की कल्याणकारी और विकास पहलों से संतुष्ट हैं और उन्होंने कांग्रेस पार्टी को दिए गए भारी बहुमत के माध्यम से इसे व्यक्त किया है। टीपीसीसी प्रमुख ने कहा कि कैंटोनमेंट उपचुनाव की तरह, जुबली हिल्स की जनता ने भी कांग्रेस के पक्ष में स्पष्ट फैसला सुनाया है और विपक्ष को कड़ी फटकार लगाई है। उन्होंने कहा कि जुबली हिल्स की जीत जीएचएमसी चुनावों का मार्ग प्रशस्त करेगी और कांग्रेस वहाँ भी निर्णायक जीत हासिल करेगी। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि कांग्रेस अगले विधानसभा चुनावों में 100 से ज़्यादा सीटें जीतेगी और कम से कम दस साल तक सत्ता में रहेगी। उन्होंने दोहराया कि पार्टी 42% पिछड़ा वर्ग आरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है, और कहा कि जुबली हिल्स की जनता ने भाजपा को कड़ी चेतावनी दी है, जो पिछड़ा वर्ग आरक्षण में बाधा डाल रही है। टीपीसीसी प्रमुख ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता सरकार की विकास पहलों को लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने में सफल रहे। उन्होंने पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का विशेष धन्यवाद किया।

मतगणना शुरू होने से पहले स्वतंत्र उम्मीदवार की मौत

हैदराबाद, 14 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव की मतगणना शुरू होने से कुछ मिनट पहले एक दुखद घटना में स्वतंत्र उम्मीदवार मोहम्मद अनवर (40) की संदिग्ध दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। मतगणना के पहले चरण में उन्हें तीन वोट मिले थे। एर्रागड्डा निवासी अनवर सुबह से ही नतीजों का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें अचानक तेज सीने में दर्द हुआ और उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अनवर ने इस उपचुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था और उनका चुनाव चिन्ह घड़ी था।

मतगणना से पहले उम्मीदवारों ने मंदिरों में किए दर्शन

हैदराबाद, 14 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव की मतगणना यूसुफगुडा स्थित कोटला विजय भास्कर रेड्डी इंडोर स्टेडियम में कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हो गई है। कुल 58 उम्मीदवार मैदान में हैं। सबसे पहले डाक मतपत्रों की गिनती हो रही है, जिसमें 103 वोट पड़े। इसके बाद स्ट्रांगरूम में रखी ईवीएम को निर्वाचन आयोग के अधिकारियों और पार्टी एजेंटों की मौजूदगी में टेबलों पर लाया जाएगा। मतगणना के लिए 42 टेबल लगाई गई हैं और कुल 10 राउंड में गिनती पूरी होगी।

एक चुनाव अधिकारी के अनुसार, हर राउंड में 30 से 45 मिनट का समय लगेगा। पहली गिनती शेखपेट डिवीजन के वोटों की होगी और आखिरी गिनती एर्रागड्डा डिवीजन की। नतीजों की उम्मीद में उम्मीदवार मंदिरों में पूजा करने पहुचे। बीआरएस उम्मीदवार मगंती सुनीथा ने परिवार के साथ माधापुर के श्री सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर में पूजा की, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार वी नवीन यादव और उनकी पत्नी ने श्री बालकम्पेट रेणुका येलम्मा मंदिर और जुबली हिल्स के श्री पेद्दम्मा मंदिर में दर्शन किए।

जीएचएमसी आयुक्त व जिला निर्वाचन अधिकारी आर.वी. कर्णन ने 186 कर्मचारियों को मतगणना कार्य में लगाया है और जुबली हिल्स के रिटर्निंग अधिकारी पी. साईराम पूरी प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं। इस बीच, बड़ी संख्या में पार्टी समर्थक स्टेडियम के बाहर जुटने लगे हैं। राउंडवार नतीजे दिखाने के लिए स्टेडियम के अंदर एलईडी स्क्रीन लगाई गई हैं।

मतगणना प्रक्रिया का शांतिपूर्ण समापन

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए मतगणना शुक्रवार को हैदराबाद के कोटला विजयभास्कर रेड्डी इंडोर स्टेडियम में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। यह प्रक्रिया निर्वाचन अधिकारी पी. साईराम की देखरेख में संपन्न हुई, जिन्होंने आधिकारिक तौर पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार नवीन यादव को विजेता घोषित किया। मतगणना प्रक्रिया सुबह 8 बजे शुरू हुई और 10 राउंड तक चली, जो व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से पूरी हुई। हैदराबाद जिला निर्वाचन अधिकारी और जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने पूरे दिन मतगणना कार्यों की बारीकी से निगरानी की। अतिरिक्त आयुक्त हेमंत केशव पाटिल, क्षेत्रीय आयुक्त अपूर्व चौहान और हेमंत सहदेव राव ने पूरी प्रक्रिया को सुचारू रूप से और बिना किसी रुकावट के संपन्न कराने के लिए व्यवस्थाओं का समन्वय किया। उपचुनाव के लिए नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक रंजीत कुमार सिंह की उपस्थिति में, निर्वाचन अधिकारी पी. साईराम ने कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव की जीत की घोषणा की। घोषणा के बाद, निर्वाचन अधिकारी ने विजयी उम्मीदवार को औपचारिक रूप से निर्वाचन प्रमाणपत्र सौंप दिया।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने चुनाव तारीखें घोषित करने का आदेश दिया

हैदराबाद, 14 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को राज्य सरकार से सवाल किया कि स्थानीय निकाय चुनाव में देरी क्यों हो रही है और उसे 24 नवंबर तक चुनाव कार्यक्रम घोषित करने का निर्देश दिया।

अदालत ने कहा कि पंचायत चुनाव उनके कार्यकाल की समाप्ति के छह महीने के भीतर कराए जाने चाहिए। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने स्पष्ट किया कि केवल पिछड़ी जातियों के आरक्षण को लेकर आपत्तियाँ उठाई गई हैं और चुनाव कराने में कोई आपत्ति नहीं है।

राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) ने उच्च न्यायालय को बताया कि वह विवादित पिछड़ा आरक्षण वाले गांवों को छोड़कर अन्य गांवों में चुनाव कराने की योजना बना रहा है।

हालांकि, न्यायालय ने इस पक्षपातपूर्ण रवैये पर कड़ी आपत्ति जताई। पीठ ने कहा कि चुनावों को चरणों में विभाजित करना उचित नहीं है और तेलंगाना सरकार को 24 नवंबर से पहले चुनाव की तारीखें घोषित करने के स्पष्ट आदेश दिए हैं।

बीआरएस जनता की आवाज़ है, संघर्ष जारी रहेगा : केटीआर

बीआरएस ही कांग्रेस का एकमात्र विकल्प

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन सरोकारों के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में हार राज्य में एक सक्रिय विपक्ष के रूप में बीआरएस की भूमिका में कोई बाधा नहीं डालेगी। शुक्रवार को तेलंगाना भवन में मीडिया से बात करते हुए, केटी रामाराव ने निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी के प्रचार अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं और नेताओं के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने पार्टी के वोट शेयर पर ज़ोर दिया और बीआरएस को सत्तारूढ़ कांग्रेस के एक विशिष्ट विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया। केटीआर ने कहा कि चुनाव परिणामों ने स्पष्ट रूप से संकेत दिया है कि बीआरएस ही कांग्रेस का एकमात्र व्यवहार्य विकल्प है। उन्होंने प्रचार अभियान के दौरान चुनौतियों का सामना करने वाले प्रत्येक कार्यकर्ता को व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, "मैं उन सभी का आभारी हूँ जिन्होंने लगन से काम किया। जुबली हिल्स में स्थानीय पार्टी का दबदबा है और नेताओं ने भी हर बूथ पर कड़ी मेहनत की।" उन्होंने पार्टी की उम्मीदवार मगंती सुनीता की भी प्रशंसा की, जिन्होंने बिना किसी पूर्व राजनीतिक अनुभव के जीत हासिल करने के लिए अथक प्रयास किया। मतदाताओं को संबोधित करते हुए, केटी रामा राव ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, "हम हर उस मतदाता की सराहना करते हैं जिन्होंने पार्टी और जनता का व्यक्तिगत रूप से समर्थन किया। पार्टी को काफ़ी वोट मिले।" उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) हर चुनाव में जीत के इरादे से उतरती है और नतीजों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखती है। उन्होंने कहा कि इससे पार्टी में नया उत्साह और जोश पैदा हुआ है। उन्होंने आगे कहा, "इस चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से, मतदाताओं ने स्पष्ट रूप से संकेत दिया है कि भारत राष्ट्र समिति ही एक व्यवहार्य विकल्प है।" तुलना करते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि 2014 और 2023 के बीच, सात उपचुनाव हुए जिनमें तत्कालीन विपक्षी कांग्रेस को एक भी जीत नहीं मिली, और ग्रेटर हैदराबाद चुनावों में, वे केवल एक या दो सीटें जीतने तक ही सीमित रहे। उन्होंने कहा, "एक भी उपचुनाव न जीत पाने और ज़मानत न बचा पाने के बावजूद, विपक्षी दल ने सत्ता संभाल ली," और ज़ोर देकर कहा कि बीआरएस ने सरकार की नाकामियों, छह गारंटियों के क्रियान्वयन में कमी और धोखाधड़ी के मामलों को सफलतापूर्वक उजागर किया है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने बताया कि चुनाव आयोग को कई शिकायतें दी गई थीं, जिनमें चुनाव आयोग और पुलिस दोनों की कार्रवाइयों की जाँच की माँग की गई थी। उन्होंने कहा, "हालांकि, हम चुनाव के नतीजों का सम्मान करते हैं। हम नतीजों पर विचार करेंगे। मतदान ज़्यादा होना चाहिए था, लेकिन फिर भी हमने काफ़ी वोट हासिल किए," और इस बात पर ज़ोर दिया कि भाजपा अपनी ज़मानत नहीं बचा पाई। उन्होंने कहा, "भाजपा और कांग्रेस के बीच अंतर्निहित समझौता कारगर साबित हुआ है। 'आरएसएस बंधुओं' के साथ सहयोग के सकारात्मक परिणाम मिले हैं।"

उपचुनाव में कांग्रेस की जीत को बीआरएस ने बताया धांधली

उम्मीदवार मगंटी सुनीता ने लगाया डराने-धमकाने और अवैध तरीकों का आरोप

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की जीत को बीआरएस उम्मीदवार मगंटी सुनीता ने धांधली और अवैध तरीकों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि आधिकारिक तौर पर हार के बावजूद बीआरएस नैतिक रूप से जीती है और कांग्रेस ने पिछले दरवाजे से जीत हासिल की है।

सुनीता ने पत्रकारों से कहा कि उपचुनाव निष्पक्ष माहौल में नहीं हुआ और कई पार्टियां बीआरएस के खिलाफ एकजुट हो गईं। उनके अनुसार, चुनाव को एक लोकतांत्रिक मुकाबले के बजाय बीआरएस पर संयुक्त हमले में बदल दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाताओं को डराया-धमकाया गया और उपद्रवियों की मदद से मतदान प्रक्रिया को प्रभावित किया गया।

उन्होंने कहा कि हर मतदान केंद्र पर धांधली हुई, जिसकी वजह से कांग्रेस सभी दौरों में बढ़त बनाए रख सकी। सुनीता ने दावा किया कि एक महिला उम्मीदवार होने के चलते उन्हें विशेष रूप से निशाना बनाया गया। सुनीता ने बताया कि मतगणना हॉल में कांग्रेस समर्थकों ने बीआरएस एजेंटों के साथ रैगिंग की और महिला प्रतिनिधियों की साड़ियों को भी निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि जुबली हिल्स में अभी से उपद्रवी गतिविधियों की शुरूआत हो गई है।

आंध्र प्रदेश सरकार का 3 वर्षों में 500 अरब डॉलर के निवेश का लक्ष्य : मुख्यमंत्री नायुडू

सीआईआई पार्टनरशिप समिट 2025 का उद्घाटन

विशाखापट्टनम, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने शुक्रवार को घोषणा की कि राज्य ने पिछले 18 महीनों में 20 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित किया है, जिससे 20 लाख युवाओं को रोजगार मिला है। आंध्र विश्वविद्यालय परिसर में 30वें सीआईआई पार्टनरशिप समिट 2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए, नायुडू ने कहा कि सरकार का लक्ष्य अगले तीन वर्षों में 50 लाख रोजगार सृजित करने के लिए 500 अरब डॉलर का निवेश जुटाना है। विशाखापट्टनम को एक 'सुंदर और सबसे सुरक्षित शहर' बताते हुए, उन्होंने कहा कि यह आईटी और उद्योग के लिए एक प्रमुख वैश्विक गंतव्य के रूप में उभर रहा है। उन्होंने अगले वर्ष होने वाले पार्टनरशिप समिट में वैश्विक प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया और इसे फिर से विशाखापट्टनम में आयोजित करने की पेशकश की।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के सुझाव पर प्रतिक्रिया देते हुए, उन्होंने कहा कि राज्य शहर में एक 'विश्व स्तरीय आईटीपीओ कन्वेंशन सेंटर' विकसित करने के लिए समुद्र के किनारे ज़मीन आवंटित करने के लिए तैयार है।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन की 'कड़ी मेहनत और लोकतांत्रिक मूल्यों' की प्रशंसा करते हुए, नायुडू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'सही जगह पर सही व्यक्ति' बताया और एनडीए की मजबूत जीत की भविष्यवाणी की। उन्होंने कहा कि भारत, अपने जनसांख्यिकीय लाभांश के साथ, 2047 तक दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

पूर्वी तट पर सबसे लंबी तटरेखा सहित आंध्र प्रदेश के प्राकृतिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ड्रोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और रक्षा के लिए गलियारे बना रहा है। उन्होंने कहा कि अमरावती में एक 'क्वांटम वैली' बनाई जाएगी और आंध्र प्रदेश से पहला क्वांटम कंप्यूटर दो साल में आने की उम्मीद है।

बौरामपेट में लोहे का गेट गिरने से सात वर्षीय बच्चे की मौत

खेलते समय हुआ हादसा, दो बिल्डरों के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 14 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के उपनगर डुंडीगल के बौरामपेट में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में सात वर्षीय आकाश नाम के बच्चे की जान चली गई। आकाश अपने छोटे भाई के साथ खेल रहा था, तभी अचानक पास में रखा एक बड़ा लोहे का गेट उसके ऊपर गिर गया। आकाश को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, आकाश कक्षा एक का छात्र था और अपने माता-पिता नवीन व मीना तथा छोटे भाई के साथ पिछले दस वर्षों से बौरामपेट में रह रहा था। उसका पैतृक गांव मेदक जिले के वेल्दुर्थी मंडल का कुकुनूर है।

आकाश के दादा-दादी, यादैया और पोचम्मा, पास की एक निर्माणाधीन इमारत में चौकीदार और घरेलू सहायक के रूप में काम करते हैं। गुरुवार को आकाश अपनी दादी के साथ उसी निर्माण स्थल पर गया था। वहीं खेलते समय गेट अचानक गिर पड़ा। पुलिस ने बताया कि गेट को प्रवेश द्वार से जोड़ा नहीं गया था और सिर्फ दीवार के सहारे खड़ा कर दिया गया था, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ। पीड़ित परिवार की शिकायत पर डुंडीगल पुलिस ने दो बिल्डरों के खिलाफ लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कड़ाके की ठंड, कोहिर मंडल में सबसे कम तापमान 7.8 डिग्री

आदिलाबाद में पारा लगातार रिकॉर्ड स्तर पर, लिंगापुर में न्यूनतम 8.3 डिग्री

आदिलाबाद, 14 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले में शुक्रवार को भी तापमान रिकॉर्ड निम्न स्तर पर पहुंच गया। लिंगापुर मंडल केंद्र में न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो तेलंगाना में दूसरा सबसे कम तापमान था। कोहिर (मेडक) में तापमान 7.8 डिग्री और बाज़ारहथनूर मंडल में 9.3 डिग्री सेल्सियस रहा।

लिंगापुर में गुरुवार को न्यूनतम तापमान 8.6 डिग्री दर्ज किया गया था, जबकि तिरयानी मंडल के गिन्नधारी गाँव में 8.2 डिग्री सेल्सियस तापमान था, जो राज्य में सबसे कम था। पेम्बी मंडल केंद्र में न्यूनतम तापमान 10.8 डिग्री और दांडेपल्ली मंडल के लिंगापुर गाँव में 12 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। अधिकारी लोगों से कड़ाके की ठंड से सावधान रहने की अपील कर रहे हैं और सलाह दे रहे हैं कि लोग घर के अंदर रहें, शरीर को गर्म रखें और स्वेटर पहनें।

संगारेड्डी, 14 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में गुरुवार रात सबसे कम तापमान कोहिर मंडल मुख्यालय में 7.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंडल का औसत तापमान 11.1 डिग्री रहा, जो पिछले साल के 16.2 डिग्री से 5.1 डिग्री कम है। इसी बीच, मेदक जिले के शिववमपेट में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री और सिद्दीपेट जिले के पोथारेड्डीपेट में 9.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पिछले एक हफ्ते में मेदक जिले में तापमान में काफी गिरावट आई है और लोग सूरज ढलने तक घरों के अंदर ही रह रहे हैं।

'तारे जमीन पर' चित्रकला प्रतियोगिता से विशेष बच्चों में खुशी का संचार

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राउंड टेबल इंडिया और लेडीज सर्कल इंडिया के एरिया 9 ने सिकंदराबाद के यापराल स्थित स्वयंकृषि में दिव्यांग और शारीरिक रूप से अक्षम बच्चों के लिए एक विशेष चित्रकला प्रतियोगिता 'तारे जमीन पर' का आयोजन करके बाल दिवस मनाया। हैदराबाद में आयोजित इस कार्यक्रम में 300 से ज्यादा बच्चों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता 200 शहरों में आयोजित एक राष्ट्रव्यापी पहल का हिस्सा थी, जिसमें 10,000 से ज्यादा विशेष बच्चों ने भाग लिया।

अकेले तेलुगु राज्यों में, विशाखापट्टनम, विजयवाड़ा और सिकंदराबाद में आयोजित कार्यक्रमों में लगभग 1,200 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को 'मेरे मन में क्या आता है' विषय पर चित्रकारी करने के लिए एक घंटे का समय दिया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने उनकी सहायता की। प्रतिभागियों को उपहार और पुरस्कार प्रदान किए गए। टेबलर लोकेश्वर रेड्डी ने इस आयोजन को एक संतुष्टिदायक अनुभव बताया, जबकि स्वयंकृषि की संस्थापक, 84 वर्षीय श्रीमती मंजुला ने कहा, अगर हम सिखाना जानते हैं तो हर बच्चा सीख सकता है।

ब्रिटिश एयरवेज के विमान में बम की धमकी से हड़कंप

हैदराबाद एयरपोर्ट पर आपातकालीन जांच, सभी यात्री सुरक्षित

हैदराबाद, 14 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार तड़के लंदन से आने वाली ब्रिटिश एयरवेज की उड़ान बीए 277 में बम होने की धमकी मिलने पर आपातकालीन हालात पैदा हो गए। सुबह करीब 5 बजे खतरे का अलर्ट जारी होते ही सुरक्षा प्रोटोकॉल शुरू कर दिए गए। यह विमान सुबह 5.30 बजे उतरने वाला था, लेकिन उससे पहले ही सुरक्षित रूप से लैंड करा लिया गया। विमान में दो शिशुओं समेत 167 यात्री, दो पायलट और आठ केबिन क्रू सदस्य सवार थे।

उड़ान को तुरंत एक अलग बे में ले जाया गया, जहाँ बम निरोधक दल, सुरक्षा एजेंसियों और हवाई अड्डा पुलिस ने विस्तृत जांच शुरू की।

सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर टर्मिनल तक पहुँचाया गया। अधिकारी धमकी की सत्यता की जांच कर रहे हैं और हवाई अड्डे में अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था कर दी गई है। सुरक्षा एजेंसियाँ स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर अपनी जांच जारी रखे हुए हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.